



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 114]
No. 114]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 6, 2003/वैशाख 16, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 6, 2003/VAISAKHA 16, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 2003

प्रारंभिक निकर्ष

विषय :— चीन जनवादी गणराज्य, पोलैंड, रूस और रोमानिया से बाल बेयरिंग्स और उसके पुर्जे तथा संघटक (50 मिली मी. बोर व्यास तक) के आद्यातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच परिणाम।

संख्या 14/30/2002-डीजीएडी.—भारत सरकार वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. कार्यपद्धति

2. जांच के लिए निम्नलिखित कार्यपद्धति अपनाई गई है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए बाल एंड रोलर बेयरिंग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से इसके सदस्यों अर्थात् मै. एफ ए जी बेयरिंग इंडिया लिली, वदोदरा, मै. एन आर बी बेयरिंग्स लिली मुंबई, मै. एस के एफ बेयरिंग्स इंडिया लिली, मुंबई मै. नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिली, जयपुर, मै. टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिली, (बेयरिंग प्रभाग), खड़गपुर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, पोलैंड, रूस और रोमानिया (जिन्हें इसके पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के और वहां से निर्यातित बाल बेयरिंग्स और उसके पुर्जे तथा संघटकों (50 मिली मी. बोर व्यास तक) (जिसे इसके पश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) आवेदन की प्रारंभिक जांच से कठिपय त्रुटियों का पता चला जिसे बाद में याचिकाकर्ता द्वारा दूर कर दिया गया। इसके पश्चात याचिका को सही ढंग से प्रलेखित दस्तावेज माना गया है।

(iii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन के आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।

(iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय शीर्ष/उपशीर्ष 8482.10,8482.80,8482.91 के अंतर्गत आने वाले बाल बेयरिंग्स और उसके पुर्जे तथा संघटक (50 मिली मी. बोर व्यास तक) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 21 दिसम्बर, 2002 की सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।

(v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों आयातकों और शिकायतकर्ताओं को भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित में देने का अवसर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 के उपनियम(3) के अनुसार भारत में सभी ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई।

(vii) प्राधिकारी ने संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्यातकों को प्रश्नावली भिजवाई।

डांग गुआन चु-सिआंग हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लि0, चीन

चुआंग मिंग बियरिंग्स एंड आटोपार्ट्स डेवलपमैंट कंपनी लि. चीन

कोयो रोमानिया एस ए
रोमानिया

रूलमैंटी एस ए स्लाटिना
रोमानिया

जे एस सी मास्को बियरिंग्स (जी पी जैड-1)
रूस

सी जे एस सी एस पी जैड-4
रूस

एन एस के इस्क्रा एस ए
पोलैंड

(viii) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच की शुरूआत के बारे में भी सूचित किया गया था और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का अनुरोध किया गया था।

(ix) संबद्ध देशों के निम्नलिखित आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी:-

- | | |
|---|--|
| 1. 21 st सैन्चुरी बेयरिंग्स | 40. फिनिक्स ट्रेडिंग कार्पोरेशन |
| 2. ए के वी इंटरप्राइज | 41. प्रगति बेयरिंग्स |
| 3. अभिनन्दन प्रशाद एंड ब्रदर्स | 42. प्रहलाद राय एंड एन्स |
| 4. अशोका बेयरिंग कारपोरेशन | 43. प्रिसिशन इंजीनियरिंग कंपनी |
| 5. बी बी इंटर प्राइज | 44. प्रिसिशन बेयरिंग |
| 6. बेयरवैल ट्रेडर्स | 45. प्रीमियर इंडिया कं. |
| 7. बडोदा बेयरिंग सैन्टर | 46. क्वालिटी टूल्स एंड बेयरिंग सैन्टर |
| 8. बेयरिंग हाउस | 47. आर बी सेल्स कार्पोरेशन |
| 9. बेयरिंग सैल्स कार्पोरेशन | 48. आर के इंजीनियरिंग कार्पोरेशन |
| 10. बी टी सी इंटरनेशनल | 49. राजेश बेयरिंग एंड मिल स्टोर्स |
| 11. कोचीन बेयरिंग सैन्टर | 50. रेषभ इम्पैक्स |
| 12. कर्मिशियल इंटर प्राइसेज | 51. रोलमैन ट्रेडिंग कंपनी |
| 13. दुर्गा इंटर प्राइसेज (चेन्नई) | 52. रॉयल बेयरिंग सैन्टर |
| 14. एक्सपो सेल्स एंजेसी | 53. एस दयाल एंड सन्स |
| 15. फालकोन बेयरिंग कं. | 54. एस बी हाई टैक बेयरिंग (आई)प्रा.लि. |
| 16. गोयल इंटर प्राइसेज | 55. शांति निकेतन इंटर प्राइसेज |
| 17. गोयल एंटर प्राइसेज | 56. श्री शक्ति ट्रेडर्स |
| 18. एच आर बेयरिंग्स | 57. साउथ इंडिया बेयरिंग कं. |
| 19. इंड्या सेल्स सर्विस | 58. श्री गोदावरी बेयरिंग कं. |
| 20. इंडो इंजीनियरिंग कार्पोरेशन | 59. श्री सैन्टिल बालाजी एजेंसीज |
| 21. इंडस्ट्रीयल बेयरिंग एंड मिल स्टोर्स | 60. स्टीलको प्रोडक्ट्स |
| 22. जे सुबुस्वामी अय्यर एंड संस | 61. सुचित्रा सेल्स प्रा.लि. |
| 23. जे एन गुप्ता एंड कं. | 62. थर्म ओ कोल बेयरिंग कं. |
| 24. जैनको बेयरिंग प्रा. लि. | 63. टूल्स बेयरिंग सिलिंग्ट |
| 25. जयश्री इंजीनियरिंग कं. | 64. ट्रेड इंडिया कार्पोरेशन |
| 26. जिनहर्ष ट्रेडिंग कं. प्रा. लि. | 65. ट्रेड ओवरसीज |
| 27. जोशी थर्मल | 66. उदय इंटर प्राइसेज |
| 28. कपूर इंटर प्राइसेज | 67. यूनी ट्रेड इंडिया |
| 29. के मोहन कारपोरेशन | 68. यूनीवर्सल सेल्स कार्पोरेशन |
| 30. एल एन टी इंडिया | 69. उत्तम बेयरिंग |
| 31. लक्ष्मी बेयरिंग्स प्रा.लि. | 70. वी वी ग्रेसन एंड कं. |
| 32. मशीन टूल्स एंड इम्प्लीमेंट्स | 71. विकास बेयरिंग्स प्राइवेट लिमि. |
| 33. मार्केटिंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग कं. | 72. अलीधरा मशीन्स प्रा. लिमि. |
| 34. मार्डन एजेंसी | 73. एलीन आटो इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि. |
| 35. मार्डन बेयरिंग एजेंसीज | 74. एलपम्प प्राइवेट लिमि. |
| 36. नवनाथ ट्रेडिंग कं. प्रा.लि. | 75. एसिया ब्राउन बोवेरी लि. |
| 37. न्यूमैन कार्पोरेशन | 76. अशोक लेलेंड लि. |
| 38. न्यू टैक बेयरिंग कार्पोरेशन | 77. आटो पम्प इंजीनियर्स |
| 39. परफैक्ट बेयरिंग कं. | 78. आटोलैक इंडस्ट्रीज लिं. |

79. बजाज टैम्पो लि०
 80. बजाज टैम्पो लि०
 81. भारत बिजली लि०
 82. बिरला यामहा लि०
 83. बोरसारा मशीन्स
 84. क्राम्पटन ग्रील्स लि०
 85. क्यूमिन्स इंडिया लि०
 86. दर्शन लाल एंड सन्स
 87. डेल्टा इलास्टोमैटल कम्पोनेन्ट्स प्रा. लि०
 88. ई सी इंडस्ट्रीज लि.
 89. आयशर ट्रैक्टर्स
 90. एलकॉन इंजीनियरिंग कं. लि०
 91. इलैक्ट्रो डिप
 92. एलजी इक्विपमेंट्स लि०
 93. एस्कार्टस क्लास लि०
 94. एस्कार्टस मि.लि०
 95. जी डी स्टोल (प्रा.)लि.
 96. ग्रील्स लि०
 97. गुजरात सैटको कलच लि०
 98. एच वी ट्रांसमिशन्स
 99. एच एम टी लि. (ट्रैक्टर प्रभाग)
 100. एच एच एम एल धारूहेङ्गा
 101. हिन्दुस्तान मोटर्स लि.
 102. होन्डा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया
 103. एच वी एक्सलेस लि.
 104. आई एफ बी इंडस्ट्रीज लि.
 105. इंडिया रेयान एंड इंडस्ट्रीज लि.
 106. इंडो फार्म इक्विपमेंट लि०.
 107. इटरनेशनल ट्रैक्टर्स लि०
 108. इन्वोल्यूट टूलिंग कारपोरेशन
 109. कलसी मैटल वर्क्स
 110. केरला एग्रो मशीनरी कारपोरेशन लि.
 111. केरला आटोमोबाइल्स लि.
 112. काइनेटिक मोटर कंपनी लि.
 113. किरलोस्कर इलैक्ट्रिक कंपनी लि.
 114. कोन एलीवेटर इंडिया लि.
 115. एल एंड टी जॉन डीर लि.
 116. लक्ष्मी मशीन वर्क्स लि.
 117. लक्ष्मी हाइड्रोलिक्स प्रा.लि.
 118. एल एम एल लि.
 119. लुबी इलैक्ट्रीकल्स लि.
 120. लायको इंजीनियरिंग वर्क्स
 121. महाराष्ट्र स्कूटर्स लि.
 122. महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लि.
 123. महिन्द्रा गुजरात ट्रैक्टर लि.
 124. मैजस्टिक आटो लि.
 125. मारुती उद्योग लि.
 126. मोहन जैनरेटर्स एंड पम्पस प्रा. लि.
 127. नवयुग इलैक्ट्रिक मोटर्स एंड पम्पस
 128. च्यू हालैंड ट्रैक्टर्स (इंडिया) प्रा.लि., नौएडा (ओडी)
 129. एन जी ई एफ (हुबली)लि.
 130. पावर बिल्ड एलकॉन गीयर्स लि.
 131. पावर बिल्ड लि
 132. पंजाब ट्रैक्टर्स लि.
 133. राने नास्टैक लि.
 134. राने टी आर डब्ल्यू स्टियरिंग सिस्टम लि.
 135. राने टी आर डब्ल्यू स्टियरिंग सिस्टम लि.
 136. राने (मद्रास)लि.
 137. सेम ग्रीब्स ट्रैक्टर्स लि.
 138. सान मोटर्स लि.
 139. शांति गीयर्स लि.
 140. सिल्वासा मशीन्स
 141. सिनेक्स प्राइममूवर्स
 142. एस एम पी एस इलैक्ट्रो पावर प्रा.लि.
 143. सोना कोयो स्टियरिंग सिस्टम्स लि.
 144. सुसेन एशिया लि.
 145. स्वराज इंजिन्स लि.
 146. स्वीको इंडिया
 147. टैल्को
 148. टाटा क्यूमिन्स लि.
 149. टाटा इंजी.एंड लोकोमोटिव कं.लि.
 150. टाटा इंजी.एंड लोकोमोटिव कं.लि.
 151. टाटा इंजी.एंड लोकोमोटिव कं.लि. (कार संयंत्र)
 152. ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लि०
 153. ट्रैमैक इंजीनियरिंग कं. प्रा. लि.
 154. टी वी एस मोटर्स लि.
 155. वैरोक इंजी.लि.
 156. वीजय लक्ष्मी इंजी. वर्क्स लि.

157. वी एस टी टिलर्स ट्रेकटर्स लि.
 158. यामहा मोटर इंडिया प्रा.लिमि.

(x) याचिकाकर्ता से क्षति के संबंध में अतिरिक्त ब्योरा मांगा गया था जिसे प्रस्तुत कर दिया गया था ।

(xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और इसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

(xii) कुछ हितबद्ध पार्टियों ने प्रश्नावली का जबाब प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया जिसे उचित कारण दर्शाने पर प्रदान कर दिया गया ।

(xiii) इस अधिसूचना में *** से हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है ।

(xiv) इस जांच में 1 जनवरी 2001 से 31 मार्च 2002 तक की अवधि शामिल है ।

(xv) जांच शुरूआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई, एसोचैम इत्यादि को भी भेजी गई थीं ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने अपने निवेदनों में निम्नलिखित प्रमुख तर्क दिए हैं-

(i) यह आवेदन चीन, पोलैंड, रोमानिया और रूस से बाल ब्रेयरिंग और इसके पुर्जे तथा संघटकों (50 मिली. बोर व्यास तक) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग करने के लिए प्रस्तुत किया गया है । उक्त उत्पादों का पाटन देश में उनके सामान्य मूल्य से काफी कम कीमतों पर किया जा रहा है और इस प्रकार ये उक्त उत्पाद का विनिर्माण करने वाले भारतीय घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचा रहे हैं।

(ii) बाल ब्रेयरिंग के लिए प्रमुख अंतिम बाजारों में शामिल हैं-कृषि, खनन, निर्माण, ऐरोस्पेस, आटोमोटिव टिकाऊ उपभोक्ता सामान और तेल क्षेत्र । अन्य विकास बाजारों में शामिल हैं-कंप्यूटर डिस्क ड्राइव और बाह्य उपकरण, इन लाइन स्केट्स तथा अपूर्ण मोटर्स । निम्नलिखित प्रमुख खंड ब्रेयरिंग के प्रयोक्ता हैं-

- पंखा खंड
- विद्युत मोलर खंड
- आटोमोटिव खंड (दुपहिया सहित)
- पम्प

- घरेलू उपकरण
- औद्योगिक उपकरण
- अन्य

उपरोक्त मे से पंखा, विद्युत मोटर और पम्प खंड प्राथमिक खंड हैं। उद्योग इस खंड में पाठित आयातों द्वारा बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

(iii) विचाराधीन उत्पाद में संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित सभी प्रकार के घर्षण रहित बाल बेयरिंग हैं जिन बालों का उपयोग घूर्णन तक (ग्राउंड अथवा अन ग्राइड) के रूप में किया जाता है। इसमें बाल बेयरिंग के सभी पुर्जे और संघटक भी सम्मिलित हैं जिनमें इनर रिंग आउटर रिंग, केज, बाल, सील, शील्ड आदि शामिल हैं। इसके अलावा इस याचिका में सभी प्रकार के बाल बेयरिंग (आकार पर प्रतिबंध के अध्यधीन जैसा कि इस याचिका में अन्यत्र उल्लेख किया गया है) शामिल हैं चाहे वे तैयार किए गए तैयार न किए गए, ताप अभिक्रिया सहित अथवा रहित हो।

(iv) यद्यपि अलग अलग प्रकार के बेयरिंग परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं हैं और प्रत्येक उपभोक्ता डिजाइन की स्थितियों के आधार पर बाल बेयरिंग के विशिष्ट आकार की अपेक्षा करेगा तथापि ये अलग अलग आकार समान प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री तथा संयंत्र एवं उपकरण से तैयार किए जाते हैं।

(v) याचिकाकर्ताओं ने इस याचिका में माडल दर माडल आधार पर तुलना पर विचार करते हुए समग्र विश्लेषण किया है। तथापि अंतिम पाटनरोधी शुल्क भार आधार पर लगाया जाना अपेक्षित है भले ही अलग अलग प्रकारों के लिए एक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए अथवा अभिज्ञात तीनों उप श्रेणियों के लिए अलग अलग पाटनरोधी शुल्क निर्धारित किया जाए अथवा बेयरिंग के प्रत्येक प्रकार पर अलग अलग पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

(vi) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद का पाटन चीन जनवादी गणराज्य, रूस पोलैड और रोमानिया के उत्पादकों तथा निर्यातकों द्वारा किया जा रहा है।

(vii) पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से भारतीय बाजार में इस उत्पाद का निर्यात पाठित कीमतों पर किया जा रहा है।

(viii) याचिकाकर्ताओं ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से आयातों की न्यूनतम स्थिति का निर्धारण किया है। यद्यपि याचिकाकर्ताओं ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार आयातों की मात्रा और मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है तथापि याचिकाकर्ताओं का अनुरोध है कि कुल संख्या (मात्रा और मूल्य) के संबंध में आयातों के बारे में ऐसी समेकित सूचना से उस कीमत के बारे में सार्थक सूचना उपलब्ध नहीं हो सकती है जिस कीमत पर संबद्ध देशों द्वारा अलग अलग बेयरिंग का पाटन किया गया है। तथापि डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित सूचना पर आयातों की न्यूनतम मात्रा तथा आयातों की उस मात्रा के निर्धारण हेतु बाल बेयरिंग के आयातों

की कुल मात्रा और कुल मूल्य के आकलन के लिए विश्वास किया जा सकता है, जितनी मात्रा में ये आयात हुए हैं और जितनी घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

डी जी सी आई एंड इस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में उपर्युक्त खामी को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं ने सौदे वार आयात सूचनाओं पर विश्वास करना अधिक उचित समझा। याचिकाकर्ताओं ने मै. इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस, मुंबई से आयात संबंधी सूचना एकत्र की है।

(ix) डी जी सी आई एंड इस द्वारा जारी किए गए आंकड़ों और याचिकाकर्ताओं द्वारा विश्लेषित गौण स्रोत के आंकड़ों से दो अत्यंत महत्वपूर्ण अर्थ निकाले जा सकते हैं-

(क) चीन भारत को बाल बेयरिंग का प्राथमिक निर्यातक है जिसका भारत में संबद्ध श्रेणी के बेयरिंग के हुए कुल आयातों में 50% से अधिक का हिस्सा बनता है।

(ख) सभी प्रकार के बाल बेयरिंग में से 6201, 6202, 6203 प्रकार के आयातों का अनुपात संबद्ध देशों से बेयरिंग के कुल आयातों का काफी अधिक बनता है। इन प्रकारों का अनुपात संबद्ध देशों से अलग अलग प्रकार के बेयरिंग के आयातों का काफी अधिक बनता है।

(ग) 50 मिमी. से कम के बाल बेयरिंग की औसत आयात कीमत बड़े आकारों की आयात कीमत की तुलना में काफी कम है।

उपर्युक्त से याचिकाकर्ताओं के वास्तविक बाजारी अनुभव को समर्थन मिलता है। याचिकाकर्ताओं ने अन्य देशों के संबद्ध में भी यही कार्रवाई की है और उसके परिणाम एक जैसे रहेंगे।

(x) भार आधार पर शुल्क

याचिकाकर्ताओं का अनुरोध है कि निम्नलिखित कारणों को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा और मूल्य तथा अंतिम पाटनरोधी शुल्क बैंचमार्क का निर्धारण भार के संबंध में किया जाना अपेक्षित है:-

(i) इस उत्पाद जैसे समान उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की यह सर्वथा उचित पद्धति है कि कोई क्रेता खासकर कोई व्यापारी संबद्ध देश से सामान्यतः बेयरिंग के एक समूह की खरीद कर रहा होगा। यदि बैंचमार्क बेयरिंगों की संख्या पर आधारित होंगे तो शुल्क लागू करना कठिन हो जाएगा और उत्पाद में धोखाधड़ी की गुंजाइश बन जाएगी।

(ii) भारत और संबद्ध देशों, दोनों में उत्पादित और विक्रीत संबद्ध बेयरिंगों की संख्या काफी अधिक है। इस प्रकार बेयरिंग के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग अलग बैंचमार्क की सिफारिश करना और उसे लागू करना व्यावहारिक नहीं होगा। इसके अलावा बेयरिंग के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग बैंचमार्क का आयातकों द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है।

(xi) इस मामले में चीन और रूस गैर बाजार अर्थव्यवस्थाएं हैं। पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग तथा अमरीका द्वारा चीन और रूस को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। यूरोपीय संघ और अमरीका विश्व व्यापार संघ के सदस्य है। भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।

xii) चीन और रूस गैर बाजार अर्थव्यवस्था गले देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर बाजार अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाता है।

xiii) रूस और चीन के निर्यातकों ने 6201, 6202 तथा 6203 संख्या वाली बाल बियरिंग का भारी मात्रा में निर्यात किया है। संदर्भाधीन अवधि के दौरान जहां तक और उपलब्ध हैं, चीन के बियरिंग का चीन से कुल ज्ञात निर्यातों में 66% हिस्सा तथा रूस से कुल ज्ञात निर्यातों में 47% हिस्सा है। इन बाल बियरिंग का चीन से कैलेण्डर वर्ष 2001 की अवधि में क्रमशः 7.01, 7.68 और 10.22 रु० प्रति बियरिंग तथा कैलेण्डर वर्ष 2001 की अवधि में रूस से क्रमशः 6.63, 6.60 और 6.84 रु० प्रति बियरिंग की औसत निर्यात कीमत पर किया गया है। चीन और रूस में निर्यातकों के लिए उत्पादन की परिवर्तनीय लागत को अलग छोड़कर भी इन निर्यातों की कारखाना द्वारा पर निर्यात कीमत इतनी कम है कि उनसे कच्ची सामग्री की लागत की वसूली भी नहीं हो सकती है। उक्त कीमतें निश्चित रूप से उत्पाद लागत (उत्पादन की कारखानागत लागत) से कम हैं और इन पर चीन तथा रूस में बाल बियरिंग के किसी उत्पादक को सभी संबंधित लागतों की वसूली नहीं हो सकती है। इसलिए वर्तमान परिस्थितियों में पाटन के निर्धारण के लिए संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत ही सर्वोत्तम मापदण्ड होगी।

xiv) याचिकाकर्ताओं ने एसजीए सहित एक भागीदार कंपनी की उत्पादन लागत तथा तर्क संगत लाभ मार्जिन पर विचार करते हुए परिकलित मूल्य निर्धारित किया है।

xv) पोलैण्ड और रोमानिया में सामान्य मूल्य

पोलैण्ड और रोमानिया में उत्पादकों द्वारा उनके घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य क्रम में बेची जा रही बाल बियरिंग की कीमतों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। निर्यातकों/विनिर्माताओं की कीमत सूची संबंधी साक्ष्य तथा अन्य देशों को उनके निर्यातों के कीमत साक्ष्य या प्रकाशित स्रोतों से कोई अन्य सूचना प्राप्त करने के भी प्रयास किए गए थे।

xvi) याचिकाकर्ता उन कीमतों का साक्ष्य प्राप्त करने में समर्थ है जिन पर रोमानिया तथा पोलैण्ड के उत्पादकों द्वारा उनके घरेलू बाजार में बाल बियरिंग बेची जा रही है तथा प्राधिकारी को प्रस्तुत इस साक्ष्य के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया जा रहा है।

xvii) निर्यात कीमत के अनुमान

याचिकाकर्ताओं ने आयातित बियरिंग की प्रत्येक किस्म के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। तथापि, यह उन्हीं किस्मों तक सीमित है जिनका संबद्ध

देशों से भारी मात्रा में आयात किया गया है। कुल ज्ञात निर्यातों के प्रमुख हिस्से में शामिल किसी के लिए संबद्ध देशों की निर्यात कीमत निम्नानुसार है:-

किस्म	निर्यात कीमत रु० प्रति नग			
	चीन	रूस	पोलैण्ड	रोमानिया
6201	7.01	6.63		12.16
6202	7.68	6.60	8.00	12.23
6203	10.22	6.84	9.88	
6204	14.23	7.76	13.33	14.05

उपरोक्त कीमतें सी आई एफ कीमतें हैं। पाटनरोधी प्रावधानों तथा पाटनरोधी संबंधी डब्ल्यू टी ओ करारों के अनुसार सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच तुलना व्यापार के समान स्तर अधिमानतः कारखाना द्वार स्तर पर की जानी चाहिए। जैसा ऊपर ब्यौरा है, सामान्य मूल्य का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया है। अतः कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए सी आई एफ कीमत से निम्नलिखित समायोजन किए गए हैं:-

- क) समुद्री भाड़ा
- ख) समुद्री बीमा
- ग) कमीशन
- घ) निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन
- ड.) पत्तन प्रहस्तन एवं पत्तन प्रभार

xviii) क्षति के साक्ष्य एवं क्षति का खतरा

- क) भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से तथा संबद्ध देश (शों) से हुए आयातों में परिवर्तन

उपरोक्त के संबंध में निम्नलिखित मापदण्ड प्रासंगिक हैं:-

क।) आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि

प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए वर्षों में संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में जानकारी के अनुसार यह देखा जा सकता है कि:

- आयातों में असीम रूप से भारी वृद्धि

- यह तर्क दिया जा सकता है कि भिन्न-भिन्न प्रकार की बियरिंग की भिन्न-भिन्न लागतें/कीमतें होती हैं और इसलिए संख्या के अनुसार आयात में वृद्धि को देखना उचित नहीं होगा। इसलिए, याचिकाकर्ताओं ने आयातों की तुलना उनके मूल्य के आधार पर भी की है। यह पाया गया है कि इन वर्षों में आयातों में उनके मूल्य के अनुसार भी वृद्धि हुई है।

क2) आयातों के हिस्से में महत्वपूर्ण वृद्धि

प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार, यह मालूम होगा कि इन वर्षों में संबद्ध वस्तु के आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, अन्य देशों के हिस्से में भारी गिरावट आई है।

क3) भारत में मांग में संबद्ध देशों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि

संबद्ध देशों के हिस्से केवल कुल आयातों की दृष्टि से ही नहीं बढ़े हैं अपितु देश में उत्पाद की मांग की दृष्टि से भी बढ़े हैं। इसी के साथ, अन्य देशों तथा भारतीय उत्पादकों के हिस्से में गिरावट आई है।

क4) भारत में उत्पादन के संबंध में वृद्धि

घरेलू उद्योग के उत्पादन की दृष्टि से संबद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि हुई।

उपरोक्त विवरण से घरेलू उद्योग पर आयातों से पड़ा प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है।

ख) निर्यात कीमत में कमी

संबद्ध बियरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए औसत आयात कीमत प्रपत्र IV-A में दर्शाई गई है। यह देखा गया है कि इन वर्षों में संबद्ध देशों से निर्यात कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। कीमतों में यह गिरावट पहले से कम तथा पाटित कीमतों में काफी अधिक है।

ग) घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले मानदण्ड

घरेलू उद्योग ने पिछले तीन वर्षों में अपने पुनरुद्धार तथा पाठन के खतरे का सामना करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से इसके बुनियादी स्तरों में काफी सुधार हुआ है। तथापि, घरेलू उद्योग आगे एसे स्तर तक सुधार करने में अक्षम है जिसे तर्कसंगत स्तर कहा जा सकता है। इसके

अलावा, यद्यपि घरेलू उद्योग के निष्पादन में वृद्धि हुई है। परन्तु बाजार हिस्से में कमी के रूप में उसे भारी नुकसान पहुंचा है। घरेलू उद्योग अब ऐसी स्थिति में है जिसमें उसने पहले ही बड़ा बाजार हिस्सा गंवा दिया है। इसके अलावा, अब वह अपनी बिक्री की मात्रा बढ़ाने में भी सक्षम नहीं है।

घ) घरेलू उद्योग का उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

इन वर्षों में घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है तथापि, यह वृद्धि घरेलू उद्योग जो देश में उत्पाद की कम मांग के चलते, पहले कम संयंत्र उपयोग के कारण नुकसान उठा रहा था, द्वारा निष्पादन में सुधर हेतु उसके समर्पित प्रयासों के कारण हुई है। तथापि, जबकि घरेलू उद्योग ने इन मापदण्डों के अनुसार अपने निष्पादन में सुधार किया है। परन्तु यह मालूम हुआ है कि घरेलू उद्योग आगे और वृद्धि करने में सक्षम नहीं है क्योंकि इसी बीच बाजार में आयातों का हिस्सा बहुत बढ़ गया है।

ड.) बिक्री मात्रा

मांग में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं में वृद्धि हुई। तथापि, अब बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण उद्योग अपनी बिक्री मात्राएं बढ़ाने में सक्षम नहीं है। इसके अलावा, जब बिक्री मात्राओं में असीमित रूप से वृद्धि हुई तब भी उत्पाद की मांग की दृष्टि से घरेलू उद्योग के हिस्से में कमी हुई।

च) बिक्री कीमत (कीमत अपक्षय, कीमत कटौती, कीमत हास वा कीमत में कमी)

संबद्ध वस्तु की खुदरा स्तर पर बड़ी मात्रा में बिक्री की जा रही है। इसके अलावा, आयातों के पहुंच मूल्य के साथ घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना की गई है। इन कीमतों की आगे उत्पादन लागत के साथ तुलना की गई तथा यह देखा जाता है कि:-

- आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम है। इस प्रकार आयातों से बाजार में कीमत की अत्यधिक कटौती हो रही है।
- घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। इस प्रकार घरेलू उद्योग उत्पाद को कम कीमत पर बेच रहा है।
- आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम है। इस प्रकार, आयातों के कारण बाजार में कीमत कमी/हास हो रहा है।

- आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है। इस प्रकार, क्षति मार्जिन बहुत ही सकारात्मक है और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंच रहा है।
- उपरोक्त के महेनजर, याचिकाकर्त्ताओं का अनुरोध है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

छ) गंवाई गई सर्विदाओं एवं घटती बिक्रियों का साक्ष्य:

घरेलू उद्योग ने महत्वपूर्ण बिक्रियां गंवाई हैं। यद्यपि वैकल्पिक बाजार में गंवाई गई बिक्रियों का कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है क्योंकि यह सामग्री आपूर्तिकर्त्ताओं की एक लम्बी श्रृंखला के माध्यम से खुदरा स्तर पर बेची जाती है, यह अनुरोध है कि ओ ई एम क्षेत्र में बाजार हिस्से के नुकसान सुस्पष्ट हैं। घरेलू उद्योग ने पंखे से संबंधित ओईएम क्षेत्र में महत्वपूर्ण बिक्रियां गंवाई हैं।

ज) रोजगार (रोजगार स्तर, कथित पाठित आयातों में वृद्धि के कारण कर्मचारियों की छंटनी)

घरेलू उद्योग ने रोजगार को इष्टतम बनाने के लिए हर तरह से प्रयास किए हैं। इसे आगे और छाटाना व्यवहार्य नहीं है। तथापि, यदि घरेलू उद्योग को आयातित उत्पाद की कीमतों की बराबरी करने को बाध्य होना पड़ता है, तो घरेलू उद्योग के पास श्रमिकों को निकालने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचेगा।

झ) लाभप्रदता (याचिकाकर्त्ता (ओं) तथा उद्योग के लाभ स्तरों का पूर्ववृत्त):

घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में समग्र रूप से कोई सुधार नहीं हुआ है, यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा लागत कम करने के उपायों को अपनाने के कारण कुछ घटक कंपनियों के संबंध में इसमें सुधार हुआ है। तथापि अब घरेलू उद्योग बाजार में उपलब्ध स्तरे आयातों के कारण अपनी लाभप्रदता में सुधार करने में सक्षम नहीं है।

(अ) भण्डार सूची

घरेलू उद्योग की भण्डार सूची में वृद्धि हुई है जैसाकि प्रपत्र-iv -क में दी गई सूचना से देखा जा सकता है।

ट) नकदी प्रवाह

भारतीय बाजार में उत्पाद के लगातार पाटन से घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह की स्थिति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ठ) निवेशों पर आय

घरेलू उद्योग के लिए निवेशों पर आय नकारात्मक है। यद्यपि कुछ कंपनियां लाभ कमा रही हैं फिर भी ये लाभ संतोषजनक नहीं हैं और निवेश पर आय अपर्याप्त है।

ड) वृद्धि

यद्यपि बाल बियरिंग के बाजार में जबरदस्त वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग में अनुपातिक वृद्धि नहीं हुई है। संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि तथा इसके परिणामस्वरूप उत्पाद की मांग के अनुसार घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से में गिरावट से यह सुस्पष्ट है।

ढ) उत्पादकता

घरेलू उद्योग ने आयातों से प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए अपनी उत्पादकता में सुधार के सम्मिलित प्रयास किए। तथापि उत्पादकता में इस वृद्धि से निवेशों पर पर्याप्त आय प्राप्त करने में सहायता नहीं मिली।

ण) कम कीमत पर बिक्री

घरेलू उद्योग को उत्पाद के उन कीमतों से कम कीमत पर बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा है जिन पर उसे अपने निवेशों पर तर्कसंगत लाभ मिल पाता। इस प्रकार, आयात घरेलू उद्योग को कम बिक्री के लिए बाध्य कर रहे हैं।

त) निधियां बढ़ाने की क्षमता

बाल बियरिंग जो उद्योग का एक प्रमुख उत्पाद है, क्षेत्र की कम लाभप्रदता से घरेलू उद्योग की नई पूँजी के सृजन की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

संबद्ध देशों से पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

xix) कारणात्मक संबंध

देशवार मात्रा तथा दिए गए एवं याचिका में बताए गए आयातों के मूल्य से यह देखा जाता है कि अन्य देशों से आयात अधिक कीमत पर किया गया है या आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा के भीतर है। अन्य देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।

संबद्ध वस्तु की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अतः, मांग में संभाव्य कमी घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

उद्योग पूर्णतया प्रतिस्पर्धी है। पिछले तीन वर्षों में उद्योग ने अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता में वृद्धि की है। उद्योग अब वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी है। तथापि, इन देशों से उत्पादकों द्वारा अपनायी गई अनुचित कीमत प्रणाली से उद्योग को तर्कसंगत स्तर प्राप्त करने में बाधा आई है। प्रौद्योगिकी में परिवर्तन, घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं या प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का कारण नहीं हैं।

ग. निर्यातक, आयातक, प्रयोक्ता एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

4. निम्नलिखित चीनी निर्यातकों/उत्पादकों से एक संयुक्त प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ है:-

हुआंची बियरिंग ग्रुप कं0 लि�0, चीन
निंग्बो हुआंची-इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं0 लि�0, चीन
निंग्बो टेक बियरिंग कं0 लि�0, चीन

5. चीनी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा निम्नलिखित प्रमुख अनुरोध किए गए हैं:-

(क) सामान्य अनुरोध

- (i) एच सी एच ग्रुप कंपनी है और टेक विनिर्माता कंपनी है। निंग्बो हुआंची निर्यातक हैं। एच सी एच, टेक और निर्यातक ने संयुक्त रूप से यह प्रत्युत्तर तैयार किया है।
- (ii) प्रतिवादी की किसी राज्य/सरकार के स्वामित्व वाली इकाइयों की कोई इक्विटी धारिता नहीं है और इनका कोई डायरेक्टर या मैनेजर राज्य/सरकार की स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा नामित नहीं होता है तथा राज्य/सरकार का कोई प्रबंधन नियंत्रण नहीं है।
- (iii) प्रतिवादी के पास यदि वह लाभ में प्रचालनरत न हो तो दिवालियेपन के अलावा कोई अन्य चारा नहीं है।
- (iv) टेक और एचसीएच ने कच्ची सामग्री की खरीद दी गई बाजार कीमतों पर की जिनका राज्य/सरकार द्वारा विनियमन नहीं किया जाता है जैसाकि बीजकों तथा अन्य समर्थक दस्तावेजों से देखा जा सकता है। प्रतिवादियों ने बाजार नियमों के

अधीन उधार लिया है और जैसा बाजार अर्थव्यवस्था में होता है ऋण की वापसी यथा निर्धारित समयानुसार की है। प्रतिवादियों ने बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के जरिए अपनी भूमि का अधिग्रहण किया है और वह स्थान गिरवी रखा हुआ है।

- (v) प्रतिवादियों को वैट आय जो उसकी घरेलू बिक्रियों तथा भारत जैसी एक बाजार अर्थव्यवस्था की तरह प्राधिकृत डीलर बैंक के जरिए उसके विदेशी मुद्रा के लिए खरीदों पर लगाया जाता है के अलावा कोई सब्सिडी नहीं मिलती है और वे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अपने लेखे रखते हैं।
- (vi) प्रतिवादियों की एच सी एच ब्रांड याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्माण की जा रही समान वस्तु की पर्याप्त मात्राओं के अभाव में तथा एच सी एच ब्रांड की अंतररस्थ मजबूती की दृष्टि से भारतीय बाजारों में प्रमुख सामान्य ग्रेड छोटी बियरिंग ब्रांड है।
- (vii) वर्तमान जांच के साथ पूरे सहयोग की मंशा से प्रश्नावली के उत्तर में उन्होंने जांच अवधि के लिए क्रमशः एचसीएच और टेक की चीन में घरेलू बिक्रियों तथा भारत एवं तीसरे देशों को निर्यातक की निर्यात बिक्रियों के संबंध में गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।
- (viii) जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को तीसरे देश में समान वस्तु की संगत कीमत पर और उसी कीमत पर या उससे अधिक या जांच अवधि के दौरान समान वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत की न्यूनतम सीमा के भीतर तथा जांच अवधि के दौरान समान वस्तु की उत्पादन लागत से अधिक पर निर्यात किया गया है।
- (ix) टेक को संबद्ध वस्तु की एकीकृत तथा समेकित उत्पादन समर्पित उत्पाद शृंखला जो डिजाइन तथा विशिष्टता आदि में लगातार परिवर्तन किए बिना उसी ग्रेड का विनिर्माण करती है, उच्च क्षमता एवं क्षमता उपयोग, किफायती स्थानीय कच्ची सामग्री एवं श्रम, जांच अवधि के दौरान श्रमिक असंतोष या किसी अपरिहार्य घटना या निविष्टि आपूर्ति संबंधी अड़चनों के कारण किसी कार्यदिवस का नुकसान न होना, किफायती तथा कुशल ढुलाई एवं अवसंरचना और भाड़ा तथा पास के पत्तन पर प्रहस्तन में किफायतों के परिणामस्वरूप अद्भुत मितव्ययिताएं हासिल हैं।
- (x) प्रतिवादियों, जिनके पास भारतीय बाजार में छोटी बियरिंग के लिए अपनी प्रमुख ब्रांड इक्विटी एवं लाभों को बनाए रखने का तर्कसंगत अधिकार है, द्वारा यूरेई (केजी ब्रांड समेत), बंगलादेश तथा नेपाल के जरिए चीन से समान वस्तुओं के अतिलंघन, नकली वस्तु निर्माण, यानान्तरण और तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग के संबंध में

- (i) एफएजी तथा एसकेएफ तीसरे देशों, जिन्हें अन्य देशों के साथ-साथ चीन से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगने से लाभ होगा, से संबंधित होने के साथ-साथ चीन में संबद्ध वस्तु के विनिर्माताओं एवं निर्यातकों से संबंधित हैं। इस संबंध में यह बताना उपयोगी होगा कि याचिकाकर्त्ताओं के आयात संबंधी आंकड़े, जिनके आधार पर याचिकाकर्त्ता ने कथित रूप से पाटन कर रहे देशों को न्यूनतम सीमा तथा भारत को सी आई एफ निर्यात कीमत के प्रयोजनार्थ मात्राओं को निर्धारित किया है, यह दर्शाते हैं कि कोरिया भी भारत को निर्यात कर रहा है और कोरिया से निर्यात मात्राएं न्यूनतम सीमा से अधिक हैं। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि कोरिया से निर्यात कीमत पर कथित पाटन कर रहे, दोनों देशों से कम हैं। इन परिस्थितियों में, इस मामले में कथित पाटन कर रहे देश के रूप में कोरिया को शामिल न करने का कारण यही हो सकता है कि एफएजी, एफएजी कोरिया से रॉ बियरिंग का आयात कर रही है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उक्त याचिका अभिप्रेरित है और याचिकाकर्त्ता स्वयं ही उन पाटन कार्यकलापों में शामिल प्रतीत होते हैं जिनके बारे में उन्होंने आरोप लगाया है।
- (ii) यह नोट किया जाए कि उक्त नियमावली के नियम 5(3)(क) के प्रावधानों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल तभी जांच आरंभ कर सकते हैं जब यह घरेलू उद्योग द्वारा "स्मान वस्तु" के कुल उत्पादन के कम से कम 25% का उत्पादन करने वाले घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित हो। यह अनुरोध किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्त्ताओं द्वारा भारत में उत्पादित एवं बेची गई संबद्ध वस्तु में समान वस्तु संबंधी विशेषताएं नहीं हैं, इसलिए कोई "स्मान वस्तु" नहीं है और इस प्रकार याचिकाकर्त्ता घरेलू उद्योग संबंधी योग्यता मापदण्डों को पूरा नहीं करते हैं तथा इसके परिणामस्वरूप आगे यह अनुरोध है कि वर्तमान जांच का आरंभ गलत ढंग से किया गया है।

(ग) समान वस्तु के संबंध में

- (i) जांच अवधि के दौरान भारत में निर्यातित संबद्ध वस्तु याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की समान वस्तु नहीं है। संबद्ध वस्तु का विस्तृत वर्णन छोटी बियरिंग की व्यापक श्रेणी की ओर संकेत करता है। यह विस्तृत वर्णन संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में शामिल बहुत सी भिन्न-भिन्न कच्ची सामग्रियाँ एवं प्रक्रियाएं तथा उपलब्ध विशिष्टता श्रेणियाँ भी दर्शाता है।

- (ii) चीन में टेक द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु स्थानीय रूप से उत्पादित तथा खरीदे गए क्रोम बियरिंग स्टील से बनता है जो याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रयुक्त कार्बन अलोय स्टील और विशेष रूप से एसकेएफ द्वारा स्वीडन में अपनी संबंधित कंपनी से बाजार दर से अधिक हस्तांतरण कीमतों पर आयातित कार्बन अलोय स्टील से काफी सस्ता है। याचिकाकर्त्ताओं की तुलना में टेक को हासिल एक अन्य महत्वपूर्ण लागत लाभ ग्रीस के संबंध में है जिसका स्रोत चीन में है और ये प्रीमियम जापानी ब्रांड की लागत का छठा भाग और मानक अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों की लागत का एक तिहाई है। यह एक महत्वपूर्ण लागत संबंधी लाभ है क्योंकि ग्रीस संबद्ध वस्तु की विनिर्माण लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्पादन लागत संबंधी एक अन्य लाभ आबद्ध उत्पादन शृंखला है जो डिजाइन, विशिष्टता आदि में लागार परिवर्तन किए बिना समान ग्रेड का विनिर्माण करती है। याचिकाकर्त्ताओं के मुकाबले यह भी एक महत्वपूर्ण लागत संबंधी लाभ है क्योंकि उत्पादन के समय ग्रेड, विशिष्टता तथा डिजाइन में परिवर्तन में भारी लागत आती है। प्रतिवादी सतत रूप से अत्यधिक मात्रा में इसी ग्रेड का उत्पादन कर रहे हैं जबकि दूसरी ओर याचिकाकर्त्ता अलग-अलग उपभोक्ताओं की विशिष्ट आवश्यकता के अनुसार प्रत्येक ग्रेड की थोड़ी-थोड़ी मात्राओं का उत्पादन कर रहे हैं।
- (iii) जांच अवधि के दौरान निर्यातिक द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु अन्य देशों या घरेलू बाजार को निर्यातित वस्तु से भिन्न है। बियरिंग को उसके तकनीकी आंकड़ों के अनुसार भिन्न-भिन्न ग्रेडों में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित अधिकतर बियरिंग 'सामान्य' श्रेणी की बियरिंग हैं जबकि ज्यादातर उच्च गुणवत्ता बियरिंग घरेलू तथा तीसरे देशों को भेजी जाती है। मूल रूप से, चीनी बियरिंग एसकेएफ तथा एफ ए जी द्वारा निर्मित बियरिंग से भिन्न है यद्यपि वे समान लगती हैं और ये मूलरूप से भारत में पूर्णतया भिन्न-भिन्न बाजार तबकों में बेची जा रही हैं। भारत को एचसीएच के बियरिंग निर्यात मूल रूप से व्यापारियों को किए जाते हैं जो आगे इन्हें स्थानीय पंखा, पम्प तथा घरेलू सहायक उपकरण उद्योग जो, अपने उत्पाद स्थानीय बाजार में बेचते हैं, को बेचते हैं। इन क्षेत्रों में केवल 'सामान्य' श्रेणी की बियरिंग की आवश्यकता होती है। कोई ओईएम (ब्रांडेड या बड़ा निर्माता) प्रतिवादियों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु को नहीं खरीद रहा है। प्रतिवादियों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु गुणवत्तानुसार ओईएम की विशिष्टता एवं मानकों को पूरा नहीं करती है। भारत में क्राम्पटन जैसे इलेक्ट्रीकल मोटर विनिर्माता मुख्यतः उच्च गुणवत्ता (सामान्यतः वी 3 ग्रुप बियरिंग का उपयोग कर रहे हैं।

- (iv) याचिकाकर्त्ताओं ने उक्त याचिका के पृष्ठ 6 पर स्वयं यह स्वीकार किया है कि अलग-अलग प्रकार के बाल बियरिंग परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। और यह कि ग्राहकों की प्रत्येक श्रेणी की खास अपेक्षाएं होती हैं।
- (v) बियरिंगों को तीन अलग-अलग तकनीकी विनिर्देशनों के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। उक्त तकनीकी विनिर्देशन बैरिंगों के आकारों की उपयुक्तता, बैयरिंगों का दोलन स्तर और बैरिंगों के ध्वनि स्तर हैं। आकार संबंधी उपयुक्तता का निर्धारण बैरिंगों के अलग-अलग प्रकारों के लिए अनुमत सहनशीलता के आधार पर किया जाता है। इसे एबीईसी-1, एबीईसी-3, एबीईसी-5 आदि के रूप में अंकित किया जाता है। संख्या जितनी अधिक होगी बैरिंगों की उपयुक्तता भी उतनी ही अधिक होगी। 'समान्य' श्रेणी के बैरिंगों में केवल एबीईसी-1 तक की उपयुक्तता होती है। दोलन स्तर को वी-1, वी-2 और इसी प्रकार के अन्य रूपों में परिभाषित किया जाता है। दोलन का तात्पर्य अलग अलग बारंबारता बैंड में बैरिंग के ध्वनि स्तर से होता है। यह बैरिंगों के निष्पादन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। संख्या जितनी अधिक होगी दोलन उतना ही कम होगा। 'समान्य' श्रेणी के बैरिंग में सामान्यतः सबसे खराब दोलन स्तर होता है। यदि इसका मूल्यांकन दोलन स्तर के आधार पर किया जाता है तो इसकी गुणवत्ता वी-1 ग्रुप से कम बनती है। ध्वनि बैरिंगों का एक अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ा है। हम बैरिंगों को जेड 1, जेड-2 और जेड-3 बैरिंगों के रूप में परिभाषित करते हैं। संख्या जितनी अधिक होगी ध्वनि स्तर उतना ही कम होगा। इन तीनों अलग-अलग आंकड़ों में दोलन स्तर सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। इसे कई बार बैरिंगों में अंतर करने के मानक के रूप में लिया जाता है। बैरिंगों की कीमत का निर्धारण भी मुख्यतः उनके दोलन स्तर के आधार पर किया जाता है।
- (vi) चीन के प्रौद्योगिकीय एवं उत्पादन स्तर की सीमा के कारण बियरिंग उद्योग हेतु अधिकांश मशीनें विश्व-स्तरीय बियरिंग विनिर्माताओं अर्थात् एसकेएफ, एफएजी, एनआरबी, टिस्को आदि द्वारा प्रयुक्त मशीनों से कम उपयुक्त होती है। एस के एफ, एफ ए जी आदि द्वारा बेचे गए लगभग सभी बैरिंग अत्यंत उच्च मानक के हो सकते हैं जबकि चीन में तैयार किए गए अधिकांश बैरिंग केवल 'समान्य' श्रेणी के बैरिंग हो सकते हैं। उच्च मानक अर्थात् वी 1 अथवा वी 2 हासिल करने के लिए चीन के बैरिंग विनिर्माताओं को उत्पादन में अधिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि एचसीएच बियरिंग द्वारा जिस मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है तांड़ एएकेएफ, एफएजी अथवा टाटा द्वारा प्रयुक्त मशीनरी के समान अच्छी नहीं है। तथापि इन मशीनों की कीमत एसकेएफ, एफएजी द्वारा प्रयुक्त मशीनों से काफी कम है। चीन में निर्मित बियरिंग की उत्पादन लागत जापान अथवा

यूरोपीय देशों में निर्मित बियरिंग की उत्पादन लागत के लगभग एक चौथाई से एक तिहाई हो सकती है जिसका उपयोग एसकेएफ और एफएजी द्वारा व्यापक रूप से किया जा रहा है। इस वजह से चीन के बियरिंग की लागत भी काफी कम हो जाती है।

- (vii) उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, अनुरोध है कि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के 6201, 6202, 6203 और 6204 प्रकार के उच्च ग्रेड और प्रतिवादियों द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत में बेची गई संबद्ध वस्तु के 6201, 6202, 6203 और 6204 प्रकार के 'सामान्य' ग्रेड समान वस्तुएं नहीं हैं क्योंकि तकनीकी विनिर्देशन अलग-अलग हैं और परिणामतः संबंधित ग्रेडों के वाणिज्यिक अनुप्रयोग और पूर्ति योग्य बाजार खण्ड अलग-अलग हैं। जांच अवधि के दौरान प्रतिवादियों द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु के 'सामान्य' ग्रेड का उपयोग पंखा उद्योग, पंप और घरेलू उपकरण उद्योग द्वारा किया जाता है जबकि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के उच्चतर ग्रेडों का उपयोग अधिक पेचीदा इलेक्ट्रिक मोटरों में किया जाता है। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु याचिकाकर्त्ताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु नहीं है। यह भी उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्त्ता 10 मि०मी० बोर के व्यास (मिनीयेचर बियरिंग) से कम के बैरिंगों का विनिर्माण नहीं कर रहे हैं। इससे 'समान वस्तु' के किसी तर्क पर भी स्पष्ट प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उसे सीमित करता है।

(घ) भार आधार पर शुल्क के संबंध में

आगे यह अनुरोध किया जाता है कि जब बियरिंग का व्याणर भौदल, ग्रेड, विनिर्देशन और उपयोग के अनुसार किया जाता है तब भार के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाने का स्पष्ट तौर पर कोई उचित आधार नहीं बनता है। इस संबंध में यह भी नोट किया जा सकता है कि भारत सरकार द्वारा पहले भार के आधार पर सीमाशुल्क प्रभारित किया जा रहा था किन्तु उदारीकरण और भार आधार पर शुल्क में पाई गई व्यावहारिक कठिनाई के कारण भारत सरकार ने पिछले दो-तीन वर्षों से यह प्रणाली बदल दी है। भार आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से इस प्रणाली को सरल बनाने का भारत सरकार का प्रयोजन ही समाप्त हो जाएगा।

(ड.) अपर्याप्त सूचना

- (i) याचिकाकर्त्ताओं ने घरेलू उद्योग के आधार का दावा करने के लिए अन्य भारतीय उत्पादकों की मात्रा और मूल्य तथा क्षमता के बारे में अनुमानों का उपयोग किया

है और यह कि ऐसे अनुमान प्रथम दृष्ट्या ऐसा कोई दावा करने का आधार नहीं बन सकते हैं।

- (ii) याचिकाकर्त्ताओं ने इस तथ्य को छिपाया है कि उनमें से कम से कम दो कंपनियां अर्थात् एफ ए जी तथा एस के एफ चीन एवं अन्य देशों के निर्यातकों से संबद्ध हैं और यह कि प्रतिवादियों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्राथमिक लाभानुभोगी एफएजी तथा एसकेएफ के संबंधित तीसरे देश के निर्यातक होंगे।
- (iii) याचिकाकर्त्ता वर्तमान जांच शुरू करने हेतु वर्तमान याचिका दायर करने के लिए घरेलू उद्योग के रूप में पात्र नहीं हैं और यह कि इस मुद्दे को वर्तमान जांच में आगे कार्रवाई करने से पूर्व तय किया जाए और यह कि वर्तमान जांच आगे समाप्त कर दी जाए।
- (iv) याचिकाकर्त्ताओं ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएण्डएस के आंकड़ों के बजाय गौण स्रोतों पर आधारित आंकड़े भी प्रस्तुत किए हैं ताकि पाटन दर्शाया जा सके यद्यपि इन आंकड़ों में आयातों में बढ़ोत्तरी का प्रकटन नहीं होता है और संबद्ध वस्तु के भिन्न-भिन्न ग्रेडों के बीच भेद का पता भी नहीं चलता है। याचिकाकर्त्ताओं ने गलत ढंग से यह भी तर्क दिया है कि ग्रेडों में अंतर कोई खास महत्व नहीं रखते हैं और यह कि छोटे बैरिंग की किसी श्रेणी के अलग-अलग ग्रेडों के समान उत्पाद माना जाए और ये आंकड़े विश्लेषण हेतु टाइप वार समेकित किए गए हैं।
- (v) "आयातों में वृद्धि" तथा न्यूनतम सीमा को पार करने के लिए याचिकाकर्त्ताओं ने डीजीसीआईएण्ड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया है और यह कि उनका तर्क भी आधारहीन है क्योंकि उसने बैरिंग के अलग-अलग प्रकारों के आंकड़ों को गलत ढंग से समग्र रूप से समेकित किया है।
- (vi) प्रकार याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रस्तुत पूर्ण आंकड़े वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ उत्तर हैं और उसकी शुरूआत के लिए अपर्याप्त हैं तथा उनके आधार पर कोई जांच परिणाम निकालने के प्रयोजनार्थ गलत हैं। इस वजह से भी वर्तमान जांच, जिसे गलत ढंग से शुरू किया गया है, को आगे समाप्त किया जाए।

(च) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में

- (i) पारम्पर में प्रतिवादी याचिकाकर्त्ताओं द्वारा लगाए गए इस आरोप से इंकार करते हैं कि चीन में उक्त संबद्ध वस्तु के निर्यातों पर "गैर बाजार अर्थव्यवस्था" जिसे आगे एनएमडी (कहा गया है) के संबंध में उक्त नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के प्रावधानों को लागू किया गया माना जाए।

(ii) उक्त नियमों के अनुबंध । के पैरा 8(2) के परन्तुक में उक्त नियमों के अंनबंध । के उक्त पैरा 8 के उप पैरा 3 में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर निर्यातिक को एन एम ई के अनुमान का खंडन करने का एक अवसर प्रदान किया गया है और उक्त प्रावधानों को उक्त प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 के प्रावधानों के साथ पढ़ा जाना चाहिए । उक्त प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 से यह स्पष्ट है कि एन एम ई का निर्धारण अथवा किसी निर्यातिक को उससे अलग करने का आधार दूसरे कार्य क्षेत्र में निर्धारण नहीं होना चाहिए बल्कि जांच कर्ता देश के राष्ट्रीय कानून में प्रतिपादित एन एम ई के निर्धारण के मानदंड के अनुसार होना चाहिए । इस प्रकार, निवेदन है कि एन एम ई के बारे में दूसरे कार्य क्षेत्र में किया गया जांच परिणाम् भारत में एन एम ई के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बिलकुल संगत नहीं है और यह कि तदनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी भारत के राष्ट्रीय कानून में निर्धारित मानदंड को लागू करने पर विचार कर सकते हैं ।

(iii) उपर्युक्त नियमों के अनुबंध । के पैरा 8 के उप पैरा (3) में निर्धारित उक्त मापदंड के बारे में निवेदन इस प्रकार हैं-

- कीमत, लागत और विनिष्टियों समेत कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत निविष्टि बिक्रियाँ और निवेश के बारे में चीन के प्रतिवादियों और अन्य संबंधित फर्मों में जो निर्णय लिए गए हैं वे आपूर्ति और मांग प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतों, बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करने वाली निविष्टियों की लागतों के प्रत्युत्तर में हैं । यह तथ्य प्रस्तुत दस्तावेजों और प्रश्नावली की गोपनीय रिपोर्ट के साथ प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में प्रदर्शित है । यह निवेदन किया जाता है कि चीन में इन निविष्टियों के लिए न तो लागत अथवा कीमत का कोई सरकारी विनियमन है नहीं कोई शासित कीमत ।
- उत्पादन लागतों और वित्तीय स्थिति की कोई विकृति नहीं है क्योंकि प्रतिवादी पूर्ण रूप से निजी कंपनियां हैं जैसाकि प्रश्नावली के उत्तर और संलग्न गोपनीय सूचना में दर्शाया गया है । इसके आलवा, प्रतिवादियों ने पूर्ववर्ती निजी सम्पत्तियों को परिदर्शित नहीं किया है अथवा उनके अवमूल्यन में कमी की है अथवा वस्तु विनियम व्यापार अथवा ऋण माफी अथवा ऋण/इक्विटी विनियम में लगे हैं अथवा किसी बट्टे खाते में डाले जाने का लाभ मिला है ।
- प्रतिवादी क्रमशः दिवालियापन और सम्पत्ति के बारे में चीन के विनियमों के अध्यधीन हैं । चीन में इसी प्रकार की अनेक दिवालिया कंपनियां हैं जैसाकि प्रस्तुत दस्तावेजों से स्पष्ट है ।
- भारत में विनियम दर सैंट्रल बैंक द्वारा यथानिर्धारित बाजार दर पर आधारित है जैसाकि गोपनीय प्रश्नावली उत्तर के साथ प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में दर्शाया गया है ।

(iv) मापदंड के बारे में अन्य बातों के साथ साथ यह भी अनुरोध है कि:

- जांच अवधि के दौरान किसी तीसरे देश की विशिष्ट कीमत चीन की निर्यात कीमत के आधार पर होगी क्योंकि प्रतिवादी संबद्ध माल की 6202, 6203 और 6204 की किस्म की सामान्य ग्रेड का प्रधान आपूर्तिकर्ता है ।
- किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कोई परिकलित मूल्य नहीं हो सकता है क्योंकि जांच अवधि के दौरान चीन के बाहर संबद्ध माल के सामान्य ग्रेड के समान वस्तु का कोई पर्याप्त उत्पादन नहीं हुआ था ।

- चीन जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल के सामान्य ग्रेड के कथित समान वस्तुओं का भारत को निर्यात करने वाला वास्तविक एक मात्र निर्यातक था इसलिए संबद्ध माल के कथित समान वस्तुओं की तीसरे देश की निर्यात कीमतें उपलब्ध नहीं हो सकती हैं।
- जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल के लिए भारत में वास्तव में किए गए भुगतानों में उचित लाभ शामिल हैं क्योंकि वास्तव में संबद्ध माल के 6201, 6202, 6203 और 6204 किस्म के सामान्य ग्रेडों के समान अन्य कोई वस्तु नहीं है।

(v) संबद्ध माल के सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध माल की घरेलू बिक्री कीमत और उक्त अधिनियम के पैरा(i) की धारा 9क(1) व्याख्या 'क' के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। गोपनीय प्रश्नावली के उत्तर में प्रतिवादियों ने जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध माल की घरेलू कीमतों के गोपनीय ब्यौरे दिए हैं। उपरोक्त और वर्तमान उत्तर में जो कुछ कहा गया है इससे यह निवेदन है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का कोई पाटन नहीं किया गया था जैसाकि आरोप लगाया गया है।

(vi) केवल समान वस्तुओं की संबंधित कीमतों की तुलना सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया जा सकता है और चूंकि प्रतिवादियों और याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल समान वस्तुएं नहीं हैं इसलिए अर्थपूर्ण तुलना करना संभव नहीं है।

(vii) प्रतिवादियों की वित्तीय एवं लागत निर्धारण लेखा प्रणाली में प्रयुक्त विधियों में अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित शामिल हैं-

क. स्टॉक मूल्यांकन: निर्धारित तारीख के बिना निरंतर जांच।

ख. वृहद लागत श्रणियों से आवंटन अथवा लागत: मासिक आधार पर समान रूप से 15 महीनों में वृहद लागतों का विभाजन किया जाता है।

ग. बारम्बारता और संशोधन तथा भिन्नताओं का व्यवहार: भिन्नताओं की बारम्बारता बहुत कम है। सामान्य व्यवहार में एक स्वतंत्र मद में आंकड़ों को लेखाबद्ध करना है।

घ. मूल्य हास पद्धति एवं निर्धारित परिसम्पत्तियों का उपयोगी अवधि: उपयोग में दी गई समयावधि के भीतर औसत मूल्य हास।

ड. खर्चों का पूंजीकरण: भवन निर्माण और मशीनों की स्थापना से संबंधित सभी खर्चों का पूंजीकरण किया गया है और पूर्णरूप से हिसाब में लिया है।

च. आकस्मिक राजस्व: लेखा निर्धारण प्रणाली में विशेष मद में इसे सूचीबद्ध कर लिया जाएगा।

छ. उप उत्पाद की लागत एवं राजस्व: टेक और एच सी एच के पास कोई उत्पाद नहीं है।

(viii) यह निवेदन है कि प्रतिवादियों द्वारा प्रयुक्त लेखा निर्धारण पद्धति बाजार अर्थव्यवस्था में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इस प्रकार यह निवेदन है कि वर्तमान जांच में आगे की कार्रवाई करने से पूर्व इस मुद्दे पर निर्णय ले लिया जाए और वर्तमान जांच को अब समाप्त कर दिया जाए।

(छ) सामान्य मूल्य के बारे में

(i) संबद्ध माल के सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध माल की घरेलू बिक्री कीमत और उक्त अधिनियम की धारा 9क(1) के पैरा(i) की व्याख्या के प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है। जांच अवधि के दौरान एच सी एच और टेक द्वारा चीन में सभी घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थीं। अतः गोपनीय आंकड़े प्रश्नावली के गोपनीय उत्तर के साथ भरे गए हैं। इससे प्रदर्शित होगा कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का कोई पाटन नहीं किया गया है जैसाकि आरोप लगाया गया है।

(ii) चूंकि प्रतिवादी एक बाजार अर्थव्यवस्था वाली फर्म माने जाने वाले मानदंड को पूरा करते हैं इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अधिनियम की धारा 9क(1)के पैरा(i) की व्याख्या के में की गई व्यवस्था के अनुसार संबद्ध माल के सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में चीन में संबद्ध माल की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार कर सकते हैं।

(ज) क्षति के बारे में

(i) चूंकि याचिकाकर्ता संबद्ध माल के समान वस्तु का पर्याप्त मात्रा में न तो उत्पादन करता है और न ही बिक्री करता है इसलिए उनके द्वारा पर्याप्त मात्रा में उत्पादित न किए गए माल की इस श्रेणी के संबंध में याचिकाकर्ताओं को कोई क्षति नहीं हो सकती है।

(ii) भाग IV पैरा 3 में याचिकाकर्ताओं ने यह स्वीकार किया है कि विगत तीन वर्षों में उनके निर्यात में सुधार हुआ है और केवल एक आरोप बाजार हिस्से में कमी तथा बिक्रियों में धीमी वृद्धि का है।

(iii) वास्तविक क्षति का निर्धारण उन असंख्य संकेतकों के मूल्यांकन पर आधारित होना चाहिए जिनमें यह शामिल तो है किन्तु उन्हीं तक सीमित नहीं हैं यथा उत्पादन में कमी, बिक्रियों का घाटा, बाजार हिस्से का घाटा निवेश पर कम लाभ और आय, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट, कीमत प्रभाव, नकद प्रवाह, भंडार सूचियां, रोजगार, मजदूरी विकास, निवेश, पूंजी जुटाने की क्षमता, इत्यादि। इनमें से कोई भी कारक निर्णायक नहीं है और इन पर पूर्णरूपेण विचार किया जाना चाहिए। यह निवेदन है कि क्षति निर्धारण के लिए केवल एक अथवा दो मानदंडों में मामूली हास अपर्याप्त है।

(iv) वर्तमान जांच में यह देखा जा सकता है कि जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से में मामूली गिरावट और घरेलू बिक्रियों में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि से कथित व्यापक क्षति हुई प्रतीत होती है। यह निवेदन है कि बाजार हिस्सा और घरेलू बिक्रियों के बारे में भी प्रपत्र IV के दिए गए आंकड़े याचिकाकर्ताओं के आरोपों का खंडन करते हैं क्योंकि आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि बाजार हिस्से में

मामूली गिरावट आई है और कुल मिलाकर जांच अवधि के दौरान भारत में आर्थिक मंदी के दौरान भी कथित घरेलू बिक्री निष्पादन में भी कमी आई है। इसके अलावा, दूसरी और भारत में बिक्री कीमतों में कोई गिरावट जांच अवधि के दौरान प्रतिवादियों द्वारा संबद्ध माल के आयातों के कारण लाभप्रदता की भिन्नता और मार्जिन में कोई गिरावट नहीं रही है। इसके अलावा जब तक कि निर्यात निष्पादन का विश्लेषण नहीं किया जाता है तब तक बाजार हिस्सा और घरेलू बिक्रियों का विकृत करने वाले निर्यातों में कमी की संभावना को अलग नहीं किया जा सकता है।

(इ) कारणात्मक संबंध के अभाव के बारे में

- सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुसार "मात्रा प्रभाव" और "कीमत प्रभाव" के जरिए कारणात्मक संबंध रथापित होने चाहिए।
- वर्तमान जांच में यह देखा जा सकता है कि यद्यपि जांच अवधि के दौरान चीन से संबद्ध माल के आयातों में वृद्धि होने का आरोप लगाया गया है जिसके फलस्वरूप याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में गिरावट आई है तथापि उक्त आरोप की जांच निम्नलिखित तथ्यों एवं निवेदनों के आलोक में किए जाने की जरूरत है:-
- जांच अवधि के दौरान चीन के प्रतिवादियों द्वारा विनिर्मित बाल वियरिंग के ग्रेडों के समान वस्तुएं नहीं हैं। इसलिए इस प्रकार के आयातों की मात्रा में हुई वृद्धि में याचिकाकर्ताओं को क्षति नहीं हो सकती है।
- संबद्ध माल की सभी श्रेणियों के लिए भारत में संपूर्ण बाजार के अपने आकड़ों के अनुसार याचिकाकर्ताओं का बाजार हिस्से में प्रमुख जारी रहा।
- याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध माल की 6201, 6202 और 6203 के सभी ग्रेडों के लिए कुल आंकड़ों से भिन्न संबद्ध माल के विशिष्ट सामान्य ग्रेड के बारे में मात्रा प्रभाव के संबंध में आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।
- याचिकाकर्ताओं ने आयातों में वृद्धि प्रदर्शित करने के लिए केवल डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और उन्होंने स्वयं दावा किया है जो गलत है क्योंकि डी जी सी आई एंड एस ने स्माल वियरिंग की सभी किस्मों की श्रेणियों के लिए आंकड़े गलत ढंग से समेकित करता है न वि. स्माल वियरिंग अथवा सामान्य ग्रेड के समान वस्तु के लिए।
- याचिकाकर्ताओं ने जांच अवधि के दौरान भारत में आर्थिक मंदी का संज्ञान नहीं लिया है।
- उपर्युक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निवेदन है कि याचिकाकर्ता जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध माल के कथित पाटन के द्वारा हुए मात्रा के प्रतिकूल प्रभाव का एक प्रथम दृष्टया मामला बनाने में असफल रहे हैं।
- दूसरी परीक्षण कीमत संबंधी है। यह निवेदन है कि अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित कारणों से जांच अवधि के दौरान चीन के प्रतिवादियों द्वारा भारत में संबद्ध माल का कथित पाटन करने से हुए कीमत प्रभाव की वजह से कोई क्षति नहीं हुई है।
- जांच अवधि के दौरान चीन से प्रतिवादियों द्वारा निर्यातित संबद्ध माल के 6201, 6202 और 6203 की किस्मों की सामान्य ग्रेड याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल के ग्रेडों के समान वस्तुएं नहीं हैं। इसलिए याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए इस प्रकार के आयातों ने उत्पादित अथवा बेचे गए उत्पादों के किसी प्रतिकूल कीमत प्रभाव से याचिकाकर्ताओं को कोई क्षति नहीं हो सकती है।

- याचिकाकर्ताओं ने वास्तव में यह स्वीकार किया है कि उन्होंने कीमतों में कमी नहीं की है और बाल बियरिंग की विभिन्न श्रेणियों पर मार्जिन कम है।
- याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध माल के कथित पाटन द्वारा जांच अवधि के दौरान प्रतिकूल कीमत प्रभाव का आरोप लगाने के लिए अपर्याप्त और गलत गौण आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- इस प्रकार कीमत हास/न्यूनीकरण नहीं हुआ है जैसाकि आरोप लगाया गया है।
- इसमें शामिल बाजारी घटक भिन्न भिन्न हैं। प्रतिवादियों द्वारा किया गया भारत को संबद्ध माल का निर्यात मूल रूप से उन व्यापारियों को किया गया था जो इनकी बिक्री उस स्थानीय पंखा, पम्प और घरेलू उपकरण उद्योग को करते हैं जो स्थानीय बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। कोई ओ ई एम (ब्राण्ड यूक्त अथवा बड़ा उत्पादक) उक्त माल की खरीद नहीं कर रहा है। भारत को निर्यातित संबद्ध माल गुणवत्ता वार ओई एम के विशिष्टताओं और मानकों के अनुसार है।
- जांच अवधि के दौरान चीन से संबद्ध माल के कथित पाटन के कारण प्रतिकूल कीमत प्रभाव अथवा कम लम्बों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- यह बात नोट की जा सकती है कि याचिकाकर्ताओं ने भारत और चीन के बीच विनिर्माण अक्षताओं में सुपरिचित भिन्नताओं का विशेष उल्लेख नहीं किया है। इसके अलावा एच सी एच और टेक के प्रचालन की तुलना में याचिकाकर्ताओं के प्रचालनों और चल रही आर्थिक मंदी के बिना उल्लिखित समग्र दक्षताओं में जो भिन्नताएं हैं उनमें यदि प्रमाणित हो जाए तो घटती लाभप्रदता अथवा उच्च माल सूचियों के बारे में अधिक अकाटय व्याख्या मिलती है।
- याचिकाकर्ताओं ने जांच अवधि के दौरान और उसके पश्चात भारत में चल रही आर्थिक मंदी की ओर भी ध्यान आकर्षित नहीं किया है। यह निवेदन है कि यह उचित है कि इस प्रकार की आर्थिक मंदी के दौरान भारत में प्रयोक्ता उद्योग भारत में याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित स्माल बियरिंग के अधिक मंहगे उच्च ग्रेडों की तुलना में इसकी 6201, 6202, 6203 और 6204 किस्म की सस्ती सामान्य ग्रेड की खरीददारी करके अपनी लागत में कमी करना चाहेगा।
- यह बात नोट की जा सकती है कि याचिकाकर्ताओं ने अन्य बातों के साथ साथ निर्यातकों द्वारा यू ए ई सिंगापुर, चीनी ताइपेई और नेपाल से संबद्ध माल का पाटन किए जाने का भी उल्लेख किया है लेकिन उन निर्यातकों की जांच नहीं की जा रही है। इस प्रकार इन देशों के निर्यातकों द्वारा किया गया पाटन यदि प्रमाणित हो गया तो, याचिकाकर्ताओं को हुई क्षति का कारण हो सकता है। जहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि यू ए ई से निर्यातित और राज्य की सत्ताओं से चीनी मूल अथवा असंगठित लघु क्षेत्र के जी ब्राण्ड का भारत का जांच अवधि और तत्पश्चात प्रतिवादियों के एच सी एच ब्राण्ड की अपेक्षा बहुत कम कीमत पर निर्यात किया गया था।
- नेपाल और बंगलादेश के जरिए संबद्ध माल की काफी तस्करी और एच सी एच ब्राण्ड का अतिक्रमण और जालसाजी हुई है। इनके प्रतिवादियों द्वारा जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल के सामान्य ग्रेड के निर्यातों की तुलना में याचिकाकर्ताओं का किसी प्रमाणित क्षति के होने के कारण की अधिक संभावना है।
- एस के एफ के मामले में, यदि कोई क्षति सिद्ध होती है तो, वह स्वीडन में अपने संबंधित निर्यातक से इसके द्वारा आयातित कच्ची सामग्री स्टील की बढ़ी हुई अंतरण कीमत से भी हो सकती है। इस प्रकार, जांच अवधि के दौरान भारत में प्रतिवादियों द्वारा संबद्ध माल का कोई पाटन नहीं किया गया है न ही याचिकाकर्ता को कोई कारणात्मक क्षति हुई है।

(८) सार्वजनिक हित

यह निवेदन है कि यदि प्रतिवादियों से संबद्ध माल के आयातों पर किसी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है तो, प्रयोक्ता उद्योग की लागत में वृद्धि हो जाएगी क्योंकि घरेलू उत्पादकों को अनिच्छा को उस क्षति मंहगी गुणवत्ता वाले बियरिंग का प्रयोग करने के लिए बाध्य किया जाएगा जो उसके उत्पादों के लिए जरूरी नहीं है। इससे भारत में उपभोक्ताओं और घरेलू प्रयोक्ता उद्योग दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि भारत से होने वाले निर्यातों पर अधिक लागत के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

(ट) जांच समाप्त करना

उपर्युक्त परिस्थितियों में जांच अवधि के दौरान कथित रूप से प्रतिवादियों द्वारा चीन से संबद्ध माल का कोई पाटन नहीं किया गया है। इस प्रकार वर्तमान जांच समाप्त कर दिया जाए और तदनुसार प्रतिवादियों द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध माल पर कोई अनंतिम शुल्क अथवा पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश न की जाए।

6. निर्यातकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

(i) मैसर्स एन एस के इसकारा एस ए पोलैंड ने सूचित किया है कि वे निम्नलिखित कारणों से जांच के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं कर रहे हैं-

- एन एस के इसकरा एस ए ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध पण्य वस्तु का भारत को निर्यात नहीं किया था।
- एन एस के इसकरा एस ए ने संबद्ध माल की बिक्री असंबद्ध व्यापारिक कंपनियों को की थी। वे यह मानते हैं कि व्यापारिक कंपनियों को की गई इन कुछेक पण्यवस्तुओं का निर्यात भारत को किया गया था। तथापि उनके लिए गन्तव्य देशों, उपभोक्ताओं, बिक्रियों की तारीख और व्यापारिक कंपनियों की बिक्री कीमत जैसी सूचना प्राप्त करना असंभव है क्योंकि वे उनसे संबंधित नहीं हैं।

(ii) मैसर्स एस सी रूबर्नेती एस ए र्लाटिना, रोमानिया ने सूचित किया है कि वे इस जांच में शामिल उत्पाद के उत्पादक नहीं हैं। उनकी कंपनी 12 और 40 मिमी. बोर डाया (आंतरिक व्यास) वाले बाल बियरिंग का उत्पादन करती है। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित बाल बियरिंग का आंतरिक व्यास 17 मिमी. (मद 6303) और 35 मिमी. (मद 6007) के बीच है।

7. आयातकों की प्रतिक्रियाएं

आयातकों से निम्नलिखित प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं-

(i) मैसर्स इस्टर्स इंडिया बाल बियरिंग भर्चेट्स एसोसिएशन

(क) मैसर्स ईस्टर्न इंडिया बाल बियरिंग मर्चेंट्स एसोसिएशन प्रयोक्ता एसोसिएशन है जो पूर्वी भारतीय क्षेत्र के 450 से अधिक बाल बियरिंग के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है। यद्यपि बियरिंग के आकारों में समानता हो सकती है तथापि आवाज स्तर, बियरिंग का आंतरिक निकासी ग्रीस, आंतारिक एवं बाहरी हल्लों की सहिष्णुता स्तर जैसी विशिष्टताएं भिन्न भिन्न हैं। इसलिए कीमतें अलग अलग हैं। इस प्रकार एकल किस्म के बियरिंग में अलग अलग विशिष्टताएं होती हैं और इसलिए कीमतें अलग अलग हैं। मूल रूप से चीनी बियरिंग एस के एफ क्षमता एफ ए जी द्वारा विनिर्मित बियरिंगों से काफी भिन्न है हालांकि वे एक जैसे लगते हैं और उनकी बिक्री भारत में पूर्णतः अलग अलग बाजारों में की जाती है। चीनी बियरिंग की खरीद उन लघु व्यापारियों द्वारा की जाती है जो उस स्थानीय पंखा, पम्प और घरेलू उपकरण उद्योग के बेचते हैं जो स्थानीय बाजार में अपने अंतिम उत्पाद की बिक्री करते हैं।

(ख) याचिकाकर्ता कंपनियां अर्थात् एफ ए जी एन आर बी बियरिंग लि., एस के एफ बियरिंग इंडिया लि., टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी और नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि. के अति उच्च गुणवत्ता और प्रतिष्ठित विश्व स्तरीय बियरिंग उत्पादकों के साथ तकनीकी सहयोग है अथवा स्वयं इनकी सहायक कंपनियां हैं।

(ग) प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता के अनुसार याचिकाकर्ता चोटी के बियरिंग विनिर्माता है और याचिकाकर्ता भारी उपकरणों के लिए विश्वस्तरीय उच्च गुणवत्ता वाले बियरिंग के उत्पादक हैं। दूसरी ओर चीन जनवादी गणराज्य समेत जो देश इस याचिकाकर्ता में शामिल हैं वे हल्के उपकरणों के लिए कम गुणवत्ता वाले बियरिंग के उत्पादक हैं और वे मूल रूप से सामान्य स्तर के बियरिंग हैं। गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी के अनुसार कोई भी चीनी विनिर्माता याचिकाकर्ताओं के निकट किसी भी तरह से नहीं है। इसके आलावा, इन देशों द्वारा निर्यातित उत्पाद परिमाप में वही है लेकिन गुणवत्ता प्रौद्योगिकी प्रयोग के बारे में नहीं है और इस प्रकार याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित उत्पाद के रूप में इसका उपयोग इस अनुप्रयोग के लिए नहीं किया जा सकता है और इस प्रकार किसी कथित पाटन और याचिकाकर्ताओं को क्षति होने का कोई प्रश्न नहीं उठता है।

(घ) वास्तव में उपरोक्त दावा की स्वीकारोक्ति 23 जनवरी, 2001 (जो तारीख वर्तमान कार्यवाही के अंतर्गत जांच अवधि के भीतर आती है) की बैठक में सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ स्वयं याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई थी जिसमें बियरिंग मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, सीमाशुल्क विभाग के अधिकारियों और मूल्यांकन निदेशालय के अधिकारियों ने भाग लिया था। इस प्रकार उनका यह दावा कि संबद्ध देशों से निर्यातित माल उनके द्वारा विनिर्मित माल से भिन्न है, संपोषक नहीं है।

(ङ.) मैसर्स एफ ए जी हान्चा बियरिंग कारपोरेशन, एफ ए जी ग्रुप का एक सदस्य जिससे एक याचिकाकर्ता एफ ए जी बियरिंग इंडिया लिंग संबंधित है, बियरिंग का निर्यात लगभग वीन अथवा इस याचिकाता में शामिल अन्य देशों के निर्यातकों की निर्यात कीमत पर कर रहा है जैसाकि भारतीय सीमा शुल्क विभाग के प्राधिकारियों को उनके द्वारा और चीनी विनिर्माता द्वारा प्रस्तुत की गई कीमत सूची से स्पष्ट है। विचार के लिए जो प्रासंगिक प्रश्न उठता है वह यह कि कोरिया से एफ ए जी ग्रुप कंपनी द्वारा चीनी बियरिंग की कीमत पर निर्यातित उसी बियरिंग को पाटित क्यों नहीं माना जाता है और एफ ए जी हान्चा बियरिंग कारपोरेशन की एक कंपनी होने के कारण उक्त कोरियाई कंपनी के खिलाफ पाटनरोधी कार्यवाही क्यों नहीं की जाती है।

(च) याचिकाकर्ता बियरिंग की अन्य किस्मों अर्थात् टेपर रोलर बियरिंग, स्फेटिकल रोलर बियरिंग, नीडल रोलर बियरिंग का विनिर्माण कर रहा है। इसके अलावा, इनमें वही विनिर्माण प्रक्रिया शामिल है। इसके आलोक में जो संगत प्रश्न उठता है और जिसकी माननीय निर्दिष्ट अधिकारी को याचिकाकर्ताओं के आरोपों की सत्यता की जांच करनी चाहिए कि याचिकाकर्ता इन उत्पादों के पाटन का सामना केसे कर रहे हैं।

(छ) कोई भी याचिकाकर्ता बियरिंग के हिस्से पुर्जे की बिक्री नहीं कर रहा है न ही किसी पुर्जे जैसे बियरिंग के आंतरिक रिंग अथवा बाह्य रिंग जिनका भारत में संदर्भ में यह प्रश्न उठता है कि इस उप शीर्ष पर पाटनरोधी शुल्क यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व में बियरिंग स्टील बाल का सबसे सस्ता उत्पादक है और भारत से इसका वार्षिक निर्यात प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपए से अधिक का होता है। भारत में स्टील बाल के किसी भी प्रमुख उत्पादक ने पाटनरोधी प्रक्रिया के अंतर्गत संख्यण की मांग नहीं की है क्योंकि भारत में इस उत्पाद का कोई पाटन नहीं हो रहा है अपनी सर्वोत्तम जानकारी के कारण याचिकाकर्ता इस उत्पाद पर भी पाटनरोधी शुल्क की मांग कर रहे हैं।

(ज) प्रयोक्ता यह उल्लेख करना चाहेंगे कि बाल बियरिंग के सबसे बड़े विनिर्माता न्यू हेवन स्टील कं. और मेन्ट्रो स्टील कं. वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता नहीं हैं। न्यू हेवन और मैट्रो द्वारा किया जाने वाले स्टील बाल के उत्पादन का प्रतिशत भारतीय बियरिंग के उत्पादन का लगभग 70% है। यह पुनः इस आरोप के अनुकूल है कि तथाकथित क्षति घरेलू उद्योग को पहुंचाई जा रही है। प्रयोक्ता माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के ध्यान में यह बात लाना चाहेंगे कि याचिकाकर्ता ज्ञात 50 एम एम से कम आकार के 10% से कम का विनिर्माण कर रहे हैं।

(झ) यह भी निवेदन है कि चूंकि बियरिंग की बिक्री नगों/पैकेजों, किस्म और ग्रेडों अथवा इसकी विशिष्टताओं के अनुसार नहीं की जाती है इसलिए तदुनसार पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो लगाया जा सकता है। प्रयोक्ताओं का यह कहना है कि भार पर आधारित सीमाशुल्क लगाए जाने का पूर्ववर्ती प्रपत्र का परित्याग कर दिया गया है और भार पर आधारित पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने का तर्क से पूर्ववर्ती स्थिति ही बहाल होगी और परिवर्तन किए जाने का उद्देश्य समाप्त हो जाएगा।

(ञ) यह निवेदन है कि क्षति के संबंध में प्रत्येक कारक और संकेत का वास्तविक क्षति का पता लगाने से संगतता है तथापि कोई एकल कारक चाहे वह कितना ही महत्वपूर्ण हो, पाटनरोधी जांच शुरू करने और/अथवा क्षति का निर्धारण करने का मूल आधार नहीं हो सकता।

इसके अलावा एक अथवा दो मापदंडों में मामूली घट बढ़ को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलेगा कि याचिकाकर्ताओं को कोई क्षति नहीं हुई है। इससे साफ तौर पर यह पता चलता है कि आरोपित पाटन से याचिकाकर्ताओं को कोई क्षति नहीं हुई है।

(ट) जहां तक संबद्ध जांच में शामिल उत्पाद का संबंध है, संबद्ध वस्तु की परिभाषा काफी व्यापक है और उसे सीमित करना अपेक्षित होगा। उप शीर्ष 8482.80 में संयुक्त बाल, रोलर बियरिंग और उसके पुर्जे जैसी वस्तुएं शामिल हैं और कोई भी याचिकाकर्ता न तो उक्त बियरिंगों के किसी पुर्जे और न ही आंतरिक रिंग अथवा बाह्य रिंग जैसे बियरिंगों के किसी पुर्जे की बिक्री कर रहा है जिनका संबद्ध देशों से भारत में आयात किया जाता है। इन पर पाटनरोधी शुल्क का आग्रह करना पूर्णतः आधारहीन और अत्यंत अनुचित है। केवल एन आर बी बालों का निर्माण कर रहा है और एन आर बी का उत्पादन घरेलू उत्पादन के 1% से कम बनता है संबद्ध देशों से 50 मि.मी. बोर तक के व्यास के उत्पादित बेरिंगों के आकारों की संख्या आकारों में 1000 से अधिक होगी जबकि भारत में याचिकाकर्ता केवल लगभग 100 आकारों का उत्पादन करते हैं। प्रयोक्ता उन बेरिंगों पर पाटनरोधी शुल्क लगवाए जाने के याचिकाकर्ताओं के कारणों और उद्देश्यों को नहीं समझते हैं जिनका वे भारत में उत्पादन ही नहीं करते।

(ठ) इस बात से इंकार किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन के 50% से अधिक बनता है और यह कि याचिकाकर्ता नियम 3(3)(क) के अनुसार याचिका दायर करने के लिए घरेलू उद्योग के रूप में आधार के मापदंड को पूरा करते हैं।

(ड) याचिकाकर्ताओं द्वारा जिन उत्पादों का उत्पादन किया जाता है, वे भारत में आयातित वस्तुओं के समान वस्तुएं नहीं हैं और भार क्षमता, धनि स्तर, बैरिंगों की आंतरिक विलयरेस, ग्रीस, आंतरिक एवं बाह्य रिंग की सहन क्षमता, आयम के कारण अनेक अंतर पैदा हो सकते हैं। याचिकाकर्ताओं के बियरिंग और संबद्ध देशों के बैरिंग भार क्षमता के अनुसार एक दूसरे से मेल नहीं खाते हैं और इस प्रकार संबद्ध देशों खासकर चीन के बैरिंगों की अवधि कम और कीमत भी कम होती है।

(ढ) जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है, याचिकाकर्ताओं से सामान्य मूल्य के परिकलन के बौरे उपलब्ध कराने को कहा जा सकता है।

(ण) जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्रयोक्ता अनुरोध करते हैं कि बैरिंग की कच्ची सामग्री की लागत सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा 23 जनवरी, 2001 को विनिर्माता एवं व्यापार एसोसिएशन के साथ हुई बैठक के दौरान उस समय तय की गई थी जब भारत में कच्ची सामग्री की कीमत 43.75 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गई थी। इस प्रकार भारत में उपर्युक्त बियरिंग की कच्ची सामग्री की लागत क्रमशः 1.62 रुपए (भार 0.037 किग्रा), 1.97 रुपए (भार 0.045 किग्रा) और 2.89 रुपए (भार 0.066 किग्रा) की होगी। इनके विश्लेषण से यह देखा जा सकता है कि निर्यात कीमत भारत में कच्ची सामग्री की लागत की लगभग 3.5 से 4 गुणा है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं का यह दावा कि निर्यात कीमत कच्ची सामग्री की लागत से भी कम है समझ से परे और स्पष्टतः आधारहीन है।

(त) उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए जांच अवधि के दौरान जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया है संबद्ध देशों द्वारा कोई पाटन नहीं किया गया है तथा तदनुसार पाटन संबंधी आरोपों को गलत बताते हुए खंडन किया जाता है।

(थ) याचिका में याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि पिछले तीन वर्षों में समग्र रूप से सुधार हुआ है तथा एकमात्र आरोप बाजार हिस्से में कमी एवं बिक्रियां में धीमी वृद्धि के संबंध में है। यह अनुरोध किया गया

है कि सभी अपेक्षित मापदंडों की समग्रता के मूल्यांकन के अनुसार यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा ऐसी कोई कथित क्षति नहीं उठाई गई है। यह अनुरोध किया जाता है कि केवल एक या दो मापदंडों की दृष्टि से मामूली नुकसान क्षति के निर्धारण के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है।

(d) पाटनरोधी शुल्क लागू होने से प्रयोक्ता उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और उसकी लागतें बढ़ जाएंगी तथा उसकी आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा प्रयोक्ताओं सहित प्रयोक्ता उद्योग आवश्यक बाल बियरिंग प्रकारों से वंचित हो जाएंगे। यह अनुरोध किया जाता है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी अनुचित जांच आरंभ के लिए वर्तमान जांच को समाप्त कर सकते हैं तथा/या यह पता लगा सकते हैं कि जैसा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा आरोप लगाया गया है जांच अवधि के दौरान न तो कोई पाटन हुआ है और न ही संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है तथा तदनुसार वर्तमान जांच को समाप्त किया जाए।

(ii) इंडियन फैन्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन

इंडियन फैन्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ने ईस्टर्न इंडिया बाल बियरिंग मर्चेन्ट द्वारा उपर्युक्त किए गए अनुरोधों के लगभग समान अनुरोध किए हैं। इसके अलावा एसोसिएशन ने एक और तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने से याचिकाकर्ताओं को किसी तरह से कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि पाटन रोधी शुल्क लागू होने के बाद भी वे अपने उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर नहीं दे पाएंगे एसोसिएशन समेत प्रयोक्ता उद्योग को निश्चित रूप से नुकसान होगा क्योंकि उनके पास निर्यात वचनबद्धताएं हैं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय इंजीनियरिंग उत्पाद अनावश्यक रूप से मंहगे हो जाएंगे।

(iii) दि आल इंडिया बाल बियरिंग मर्चेंट एसोसिएशन

दि आल इंडिया बाल बियरिंग मर्चेंट एसोसिएशन ने निर्धारित समय सीमा के काफी बाद उत्तर दिया और सभी हितबद्ध पक्षों को अधिक समय दिया गया। इसलिए इन प्रारंभिक निष्कर्षों के लिए उनके उत्तर पर विचार नहीं किया गया है। इन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा।

(iv) मै. केरल आटोमोबाइल्स लिलो

मै. केरल आटोमोबाइल्स लिलो केरल सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है जो तिपहिया वाहनों का विनिर्माण करता है। उनका समर्थक घरेलू विनिर्माता अपनी उत्पादन अपेक्षाओं के लिए भारतीय विनिर्माताओं से केवल बाल बियरिंग प्राप्त कर रहा है। उन्होंने जांच अवधि के लिए भारतीय विनिर्माताओं से प्राप्त बाल बियरिंग एवं नीडल केजज के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने पुष्टि की है कि उनके सहायक उत्पादक तिपहियों के विनिर्माण के लिए संबद्ध देशों से किसी बाल बियरिंग्स के आयातक नहीं हैं।

(v) निम्नलिखित आयातकों ने सूचना दी है कि वे संबद्ध देशों से संबद्ध बियरिंग्स का आयात नहीं कर रहे हैं-

- मै. ज्योति लिंग, बड़ोदरा
- मै. पावरबिल्ड लिंग, बल्लम विद्यानगर, गुजरात
- केरल एंग्री मशीनरी कॉर्पोरेशन लिंग, एर्नाकुलम, केरल
- काइनेटिक मोटर कंपनी लिंग, पुणे
- कर्लोस्कर इलेक्ट्रिक कंपनी लिंग, बंगलौर
- एलेना आटो इंडस्ट्रीज प्रा.लि. लिंग, दिल्ली
- दर्शन लाल एंड संस, बटाला
- गोयल इंटरप्राइजेज नागपुर
- प्रीमियर इंडियन कंपनी, अहमदाबाद
- राने नास्टेक लिंग, तमिलनाडु
- एल एंड टी जॉन दीरे प्रा.लि., पुणे

8. लघु स्तरीय बियरिंग विनिर्भित एसोसिएशन (राजस्थान इकाई), जयपुर ने सूचना दी है कि अन्य देशों द्वारा बहुत कम कीमत पर भारत में बियरिंग्स का पाटन किया जाता है और उन्होंने महत्वपूर्ण बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इन बियरिंग्स का कम मूल्यांकन करने से देश के राजस्व विभाग को भारी हानि हुई है। वर्ष 1998-99 में कुल आयातित बियरिंग्स (50 मि.मी. व्यास तक) की संख्या 136 लाख थी जिसमें से चीन का हिस्सा 11.76% (16 लाख) था जबकि वर्ष 2001-02 में कुल आयात 452 लाख जिसमें से चीन का हिस्सा बढ़ कर 50.22% (227 लाख) हो गया है जिसे हिस्से में पांच गुना की वृद्धि हुई है।

घ. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच एवं जांच परिणाम

9. याचिकाकर्ताओं, आयातकों निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जिस सीमा तक प्राधिकारी के समक्ष निवेदन प्रस्तुत किए गए हैं, उनकी जांच की गई है और इन निष्कर्षों पर पहुंचने के समय विचार किया गया है तथा जहां उचित है इन पर इसमें इसके बाद कार्यवाही की गई है।

10. नए निर्यातकों और उन व्यक्तियों, जो कीमत की वचनबद्धता देने के इच्छुक बताए जाते हैं, के मामलों पर अनुरोध किए जाने पर प्राधिकारी द्वारा उक्त नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा।

ठ. विचाराधीन उत्पाद

11. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद बाल बियरिंग और उनके हिस्से पुर्जे (50मि.मी. बोर डाया तक) (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) संबद्ध वस्तु का अधिकांशतः पंखों, बिजली की मोटरों, आटोमोटिव्स, पंपों, घरेलू उपकरणों, औद्योगिक उपकरणों और अन्य उद्योगों में प्रयोग किया जाता है। बाल बियरिंग उन वस्तुओं, जिन्हें घर्षण रोधी बियरिंग के रूप में जाना जाता है, की काफी बड़ी श्रेणी का एक हिस्सा है। घर्षण रोधी बियरिंग मशीनों के वे पुर्जे हैं जिनसे घर्षण और टूट फूट को कम से कम करने के लिए चलने वाले हिस्सों को जकड़ कर, अलग कर के अथवा निर्देशित करके चलने वाले और स्थिर हिस्सों के बीच निर्बाध गति प्रदान करते हैं। यह उत्पाद सीमा शुल्क अधिनियम की अनुसूची। के

सीमा शुल्क शीर्ष 8482.10, 8482.80 और 8482.91 के अंतर्गत शामिल है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच की व्याप्ति में किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है। यह उत्पाद आई टी सी एच एस कोड 8482.1001, 8482.1004 और 8482.1011 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

12. निर्यातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने अपने आरोपों को टाईप 6201, 6202, 6203 और 6204 तक ही सीमित किया है और इन्हीं के संबंध में आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। अतः सभी अन्य छोटे बेयरिंगों को वर्तमान जांच से अलग रखा जाना चाहिए था। इसके अलावा छोटे बेयरिंग के इन टाईपों को ग्रेडों के अनुसार अलग अलग किया जाए और प्रतिवादी निर्यातक केवल छोटे बेयरिंग के इन टाईपों के सामान्य ग्रेड का निर्यात करते हैं। इसके अलावा यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता 10 मि.मी. बोर के व्यास (मिनियेचर बेयरिंग) से कम के बेयरिंगों का निर्माण नहीं कर रहे हैं। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को आवश्यकतानुसार कम किया जाए।

13. ईस्टर्न इंडिया बाल बेयरिंग मर्चेट्स एसोसिएशन ने अपने अनुरोधों में अन्य बातों के साथ साथ यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ताओं ने 50 मि.मी. बोर के व्यास तक के सभी बेयरिंगों पर पाटनरोधी शुल्क का दावा किया है। संबद्ध देशों से इस श्रेणी के अंतर्गत उत्पादित बेयरिंगों के आकारों की संख्या आकारों में 1000 से अधिक होगी जबकि भारत में याचिकाकर्ता केवल लगभग 100 आकारों का उत्पादन करते हैं। यदि भारत को निर्यात हेतु समस्त बाल बेयरिंगों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता तो प्रयोक्ता उद्योग को भारी हानि एवं क्षति होगी। इसके अलावा उप शीर्ष 8482.80 में संयुक्त बाल/रोलर बेयरिंग तथा पुर्जे जैसी वस्तुएं शामिल हैं और कोई भी याचिकाकर्ता उक्त बेयरिंगों के किसी पुर्जे की बिक्री नहीं कर रहा है। अत उन पर पाटनरोधी शुल्क का आग्रह करना आधारहीन और अनुचित है।

14. अधिकारी ने पाया है कि चीन के निर्यातक ने बाल बेयरिंगों के लगभग 145 टाईपों/माडलों के भारत को हुए निर्यातों के बारे में सूचना प्रस्तुत करते हुए उत्तर दायर किया है और यह दावा किया है कि ये जांच के क्षेत्र अर्थात् 50 मि.मी. तक के आंतरिक व्यास वाले बाल बेयरिंगों के अंतर्गत आते हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि निर्यातक ने ऐसे अनेक बेयरिंगों के बारे में सूचना दी है जो 50 मि.मी. व्यास तक के बाल बेयरिंग नहीं हैं। उनके अनुसार मै. एच सी एच चीन द्वारा अपने उत्तर में 50 मि.मी. तक के व्यास के बाल बेयरिंगों के रूप में उल्लिखित निम्नलिखित माडल इस जांच के अंतर्गत आने वाले बाल बेयरिंग नहीं-

11710, 11910, 11949, 30203, 30204, 30205, 30206, 30207, 30208, 30209, 12649/10, 12749/10, 48548/10, 67048/10, 553, 11749/10, 11749/10 वी2, 11794/10 वी2, 11910 वी2, 11949/10, 11949/10 वी 2, 12648/10, 12649/10 12649/10 वी 2, 12749/10, 12749/10 + डी 22 वी, 12749/11, 12749/11 वी 2, 30203, 30203 वी 2, 30204, 30204 वी 2, 30205, 30205 वी 2, 30206, 30206 वी 2, 30209 वी 2, 30207 वी 2, 30208, वी 2, 30209 वी 2, 320/28, 33213, 44643/10, 44649/10, 44649/10 वी 2, 44694/10, 45449/10, 45449/10 वी 2, 48548/10, 48548/10 वी 2, 48648/10, एल 44643/10 वी 2, एल 44649, एल 44649/10 वी 2, एल 45449/10 वी 2, एल 68149, एल 68149/10 वी 2, एल एम 11749, एल एम 11749/10 वी 2, एल एम 11949, एल एम 11949/10, एल एम 48548/10, एल एम 48548/10 वी 2, एल एम 67048/10, एल एम 67048/10 वी 2, एम 12649/10।

15. चीन के निर्यातकों के जवाब से प्राधिकारी की मालूम होता है कि 6201, 6202, 6203 एवं 6204 किस्म के बॉल बियरिंग्स का निर्यात उनके रूपभेदों जैसे 2 आरएस, वी-1, 2 आरएस, बी-1, जेड.जेड., जेड.जेड.वी.-1, जेड.जेड. बी0-2 सहित उनके कुल निर्यातों का करीब 87.89% परिकलित होता है। घरेलू उद्योग की याचिका में यह भी उल्लेख है कि 6201, 6202, 6203 एवं 6204 किस्म को आयात संबद्ध देशों से बॉल बियरिंग्स के कुल आयातों का पर्याप्त हिस्सा परिकलित होता है। निर्यातक तथा आयातक के दावे के उत्तर में, याचिकाकर्त्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि घरेलू उत्पादक 8एमएम तक के बोर डाई के बाल बियरिंग्स का विनिर्माण नहीं करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्त्ता घरेलू उद्योग ने बॉल बियरिंग्स के घटकों के हिस्सों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में तथा किसी पाटनशेषी शुल्क की सिफारिश हेतु पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। घरेलू उद्योग के दावों का निर्यातक तथा आयातक के उत्तर तथा अभिलेख में उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के समग्र दायरे के भीतर 8एमएम तथा 50 एमएम तक के बोर डाई के बॉल बियरिंग्स मॉडल्स/किस्मों के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणाम में सिफारिशों करना उचित समझते हैं।

च. समान वस्तु

16. याचिकाकर्त्ताओं ने दावा किया है कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित बॉल बियरिंग्स तथा संबद्ध देशों से आयातित बॉल बियरिंग्स के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों तकनीकी रूप से तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया है और इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बाल बियरिंग्स को नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित बॉल बियरिंग्स के जैसी समान वस्तु माना जाना चाहिए।

17. मै0 एचसीएच, चीन ने दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित अधिकांश बियरिंग्स 'सामान्य वर्ग के बियरिंग्स हैं जबकि अधिकांश उच्च गुणवत्ता वाले बियरिंग्स घरेलू तथा तीसरे देशों को जाते हैं। भारत को निर्यातित बियरिंग्स विभिन्न कच्ची सामग्रियों से तथा एक सामान्य प्रक्रिया से उत्पादित किए जाते हैं - जिनके याचिकाकर्त्ताओं द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के उच्च ग्रेडों की तुलना में सीमित वाणिज्यिक प्रयोग तथा बाजार के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा प्रयुक्त हिस्से है। उनके अनुसार याचिकाकर्त्ताओं द्वारा विनिर्मित 6201, 6202, 6203 एवं 6204 किस्म के उच्च ग्रेड तथा भारत को निर्यातित इन किस्मों के सामान्य ग्रेड समान वस्तु नहीं है।

18. दि इस्टर्न इंडिया बॉल बियरिंग्स मर्चेण्ट्स एसोसिएशन ने बताया है कि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा उत्पादित बियरिंग्स उच्च भार क्षमता वाले उच्च गुणवत्ता वाले बियरिंग्स हैं जबकि संबद्ध देशों से आयातित बियरिंग्स कम भार क्षमता वाले न्यून गुणवत्ता वाले हैं तथा इन बियरिंगों के भिन्न अनुप्रयोग हैं। अतः याचिकाकर्त्ताओं द्वारा उत्पादित बियरिंग्स को आयातित बियरिंगों के समान वस्तु नहीं कहा जा सकता है।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विश्वभर में उत्पादित बाल बियरिंगों पर कुछेक मूल स्टैण्डर्ड नाम (अंकीकरण) प्रणाली लागू होती हैं। जबकि यह असंभव नहीं है कि कुछेक उत्पादक कुछ विशेष बियरिंगों को नाम देने के लिए कुछ असामान्य संख्या का प्रयोग कर सकते हैं, तथापि, यदि उत्पादक द्वारा प्रयुक्त संख्या मूल नाम प्रणाली के अंतर्गत आती है तो बियरिंगों को निर्धारित मापदंडों को पूरा करना होता है। घरेलू उद्योग विभिन्न समरूपों/विशेषताओं जैसे 2 आरएस, वी 1, 2 आरएस, बी 1, जेडजेड, जेडजेडवी 1 वाले 6201, 6202, 6203 एवं 6204 सहित कई किस्म के

बाल बियरिंगों का उत्पादन करता है। बियरिंगों की विशिष्टताएं विश्वभर में मानकीकृत होती हैं जिनकी विशिष्ट भौतिक परिधियाँ होते हैं। प्राधिकारी निर्यातक के इस तर्क में कि चीन से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं को, घरेलू तौर पर उत्पादित बाल बियरिंगों के समान वस्तु इस आधार पर कि पहले वाला विभिन्न कच्ची सामग्रियों, उत्पादन प्रक्रिया से उत्पादित किया जाता है नहीं माना जाना चाहिए, कोई विशेषता नहीं पाते हैं। इसके अलावा, घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित बाल बियरिंगों का उपयोग उन्हीं प्रयोक्ता उद्योग द्वारा किया गया है जो कि अब चीन तथा अन्य देशों से बाल बियरिंगों का आयात नहीं रहे हैं। इस प्रकार, आयात किए जाने वाले उत्पाद घरेलू तौर पर उत्पादित बाल बियरिंगों का वार्षिक प्रतिस्थापन है। इसके अलावा, प्राधिकारी के विचार से, बाल बियरिंगों की विशिष्टताएं उचित रूप से मानकीकृत होती हैं जो कि संख्याओं द्वारा दर्शायी जाती है। इस प्रकार, प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ यह पाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित बाल बियरिंगों को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जाने वाले बाल बियरिंगों के समान वस्तु माना जाना चाहिए।

६. घरेलू उद्योग

20. याचिका बॉल तथा रोलर बियरिंग मैन्यूफैकर्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली, द्वारा इसके सदस्यों अथवा मै0 एफएजी बियरिंग इंडिया लि�0, बडोदरा, मै0 एनआरबी बियरिंग लि�0, मुम्बई, मै0 एसकेएम बियरिंग इंडिया लि�0, मुम्बई, मै0 नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि�0, जयपुर, मै0 टाटा आयरन एंड स्टील कं0 लि�0 (बियरिंग डिविजन) - खडगपुर के माध्यम से दायर की गई है। याचिकाकर्ता कम्पनियाँ बॉल बियरिंगों के घरेलू उत्पादन का 81.5% हिस्सा उत्पादित करती हैं।

21. चीन के निर्यातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की पात्रता मानदंड को पूँछ नहीं करते हैं और याचिकाकर्ताओं ने मात्राओं तथा मूल्य और अन्य भारतीय उत्पादकों की क्षमता के संबंध में पूर्वानुमान का सहारा लिया है। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने प्रकट नहीं किया कि उनमें से दो अर्थात् एफएजी तथा एसकेएफ चीन तथा तीसरे देशों के निर्यातकों से संबंधित हैं।

22. ईस्टर्न इंडिया बॉल बियरिंग मर्चेण्ट्स एसोसिएशन ने बताया है कि वर्तमान जाँच का दायरा काफी विस्तृत है, याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित वस्तुएं भार, क्षमता, ध्वनि स्तर इत्यादि के कारण अन्तरों की वजह से आयातित वस्तुओं के समान वस्तु नहीं है। इसलिए, याचिकाकर्ता नियम 5(3) (क) के तहत मानदंड को पूरा नहीं करते हैं जिसमें यह अपेक्षित है कि आवेदन/याचिका का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादक का हिस्सा समान वस्तु के कुल उत्पादन का कम से कम 25% परिकलित होना चाहिए।

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एफएजी बियरिंग लि�0 ने प्रमाण-पत्र दिया था जो कि याचिका का एक हिस्सा है कि उनकी कम्पनी ने या तो प्रत्यक्ष रूप से अथवा किसी सम्बद्ध लक्ष्यनी के माध्यम से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया था। इसके अलावा, कापनी संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक/निर्यातक से संबंधित नहीं है। हालांकि, एफएजी ने पास चीन में विर्भिन्न माण सुविधा है, उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। मै0 एसकेएफ इंडिया बियरिंग लि�0 ने याचिका में भी प्रमाणित किया था कि उनकी कम्पनी ने नाना संबद्ध उत्पाद का संबद्ध देशों से या तो प्रत्यक्ष रूप से या किसी संबद्ध कम्पनी के माध्यम से आयात

नहीं किया था। इसके अलावा, उनकी कम्पनी संबद्ध देशों में संबद्ध उत्पाद के किसी उत्पादक/निर्यातक से संबंधित नहीं है। प्राधिकारी चीनी निर्यातकों तथा आयातकों की एसोसिएशन के आरोपों को अप्रामाणिक मानते हैं। इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि याचिकाकर्ता कम्पनियां उपरोक्त नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा वे नियम 5(3) (क) के तहत याचिका दायर करने की स्थिति में हैं।

ज. पाटन तथा सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के संबंध में किए गए दावों की जाँच

सामान्य मूल्य

24. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (1) (ग) के तहत किसी वस्तु के सामान्य मूल्य का अर्थ है :

'(i) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में उपभोग हेतु समान वस्तु की व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हेतु यथा निर्धारित तुलनीय कीमत; अथवा

(ii) जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां नहीं होती हैं, अथवा जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में बाजार की खास स्थिति अथवा कम बिक्री के कारण, ऐसी बिक्रियां उचित तुलना की अनुमति नहीं देती हैं, तो सामान्य मूल्य या तो

(क) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र या किसी उपर्युक्त तीसरे देश से निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होगी, अथवा

(ख) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों, तथा लाभ हेतु उचित वर्धन सहित उद्गम के देश में कथित दर का उत्पादन लागत होगा।'

चीन जनगणना के संबंध में सामान्य मूल्य

25. प्राधिकारी ने धारा 9क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। चीन से निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक से संयुक्त उत्तर प्राप्त हुआ है :

हुआनयी बियरिंग ग्रुप कंलिंग, चीन,
निगबो हुआन्ची इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंलिंग, चीन,
निगबो टेकी बियरिंग कंलिंग, चीन

उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बिक्रियों, भारत को निर्यात, बिक्री कीमत संरचना तथा उत्पादन लागत के ब्यौरे देते हुए भी प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने उत्पादित/बिक्री की गई बॉल बियरिंगों के 646 मॉडल के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई है। इसके अलावा, वे जांच अवधि के दौरान जांच के अंतर्गत आने वाले बॉल बियरिंगों के लगभग 145 मॉडलों का भारत में निर्यात होने का दावा करते हैं।

26. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि चीन तथा रूस गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। पिछले तीन वर्षों में चीन तथा रूस को यूरोपीय आयोग तथा अमेरिका द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। इसलिए, इन देशों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण दिनांक 4.1.2002 की अधिसूचना द्वारा यथा संशोधित नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-7 एवं 8 में यथा अंतर्विष्ट गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमों के अनुसार किया जाना है। तदनुसार, उन्होंने दावा किया है कि इन देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्च और लाभ सहित भारत में उत्पादन लागत के अनुमान सहित भारत में उत्पादन लागत के अनुमान के आधार पर किया जा सकता है।

27. चीन के उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातकों, ने अपने जवाब में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीओ में चीन के शामिल होने के संलेख की धारा 15 के प्रावधानों का भी संदर्भ दिया है। उनके अनुसार, नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) का परन्तुक, अन्य बातों के साथ-साथ अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप-पैरा 3 में निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर निर्यातक को एनएमई की परिकल्पना का खंडन करने का अवसर उपलब्ध कराता है तथा कथित प्रावधानों को कथित प्रोटोकॉल की धारा-15 के प्रावधानों के साथ पढ़ा जाना चाहिए। प्राधिकारी का विचार है कि जहां तक एनएमई से संबंधित नियमों का संबंध है, राष्ट्रीय कानून अर्थात् नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 एवं 8 के तहत यथा अंतर्विष्ट नियम इस जांच के संगत हैं।

28. चीन के निर्यातक ने दावा किया है कि :

(क) कच्ची सामग्रिय, प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री तथा निवेश समेत कीमत, लागत तथा निवेश के संबंध में प्रतिवादियों तथा चीन में अन्य संबद्ध फर्मों का निर्णय आपूर्ति तथा मांग प्रतिबिम्बित करते हुए बाजार संकेतों के उत्तर में किए गए हैं तथा निवेश की लागत बाजार मूल्यों को प्रतिबिम्बित करती हैं। यह प्रस्तुत दस्तावेजों तथा प्रश्नावली के गोपनीय जवाब के साथ प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में दिखाया गया है। यह प्रस्तुत किया गया है कि न तो लागतों अथवा चीन में इन निवेशों की कीमतों का कोई राज्य विनियमन है न ही 'लागू कीमतों' की कोई प्रणाली है।

(ख) उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति का कोई निरूपण नहीं है क्योंकि प्रतिवादी पूर्णतया निजी कम्पनियां हैं जैसाकि प्रश्नावली का जवाब तथा संलग्न गोपनीय सूचना में वर्णित है और इसके अलावा प्रतिवादियों ने पूर्ववर्ती राज्य परिस्मत्तियों को रूपातंसित नहीं किया है, अथवा उसके अवमूल्यन का निरूपण नहीं किया है, अथवा परस्पर परिवर्तन के व्यापार अथवा कर्ज भाफी अथवा कर्ज/इक्विटी परिवर्तन में शामिल नहीं है, अथवा बट्टे खाते में डालने का कोई लाभ प्राप्त नहीं किया है।

(ग) प्रतिवादी क्रमशः दिवालियापन तथा सम्पत्ति के संबंध में चीन के विनियमन के अधीन है। जैसाकि प्रस्तुत दस्तावेजों से स्पष्ट है चीन में समान फर्मों के दिवालियापन की संख्या है।

(घ) भारत की तरह विनियम दर सेंट्रल बैंक द्वारा यथा निर्धारित बाजार दर पर आधारित होती है जैसा कि कथित गोपनीय प्रश्नावली के जवाब के साथ प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में दिखाया गया है।

29. उन्होंने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमत के अनुसार निर्धारित किया जा सकता है। चीन के निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में निम्नलिखित दस्तावेज भी प्रस्तुत किया है :

- (i) निर्यातक/उत्पादक का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र
- (ii) इन कम्पनियों का गठन तथा शेयर धारकों की सूची
- (iii) चीन जन० गण० का कम्पनी नियम
- (iv) कच्ची सामग्री की खरीद से संबंधित कुछेक बीजक
- (v) बन्धक विलेख
- (vi) बैंक ऋणों के वापसी भुगतान दर्शाने वाला नमूना दस्तावेज
- (vii) चीन जन० गण० का लेखा परीक्षा कानून
- (viii) चीन जन० गण० के लेखा परीक्षण कानून के कार्यान्वयन हेतु विनियमन, इत्यादि ।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-। के पैरा-7 में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान है कि :

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले, सामान्य मूल्य का निर्धारण कीमत अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत का स्वरूप अथवा भारत समेत अन्य देशों को ऐसे किसी तीसरे देश से कीमत के आधार पर जहां यह संभव नहीं हो, अथवा उचित लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु भारत में समान उत्पाद हेतु वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत, भली-भांति समायोजित, यदि आवश्यक हो, सहित किसी अन्य उचित आधार पर, किया जाएगा” ।

31. इसके अलावा उपरोक्त नियम (यथा संशोधित) के अनुबंध-। के पैरा 8 में व्यवस्था है कि :

8(1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की परिभाषा का अर्थ है कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस रूप में मानते हैं कि वह देश लागत अथवा कीमत ढांचों के बाजार सिद्धांतों पर काम नहीं कर रहा है जिससे ऐसे देश में माल की बिक्री उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार माल का उचित मूल्य नहीं दर्शाता है ।

(2) यह एक अवधारणा होगी कि कोई देश जिसे वर्तमान जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्ष के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है ।

बशर्ते की, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध करा कर इस अवधारणा का खंडन करें जो यह प्रमाणित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।

- (3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या;
- (क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों का कच्ची-सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश सहित कीमत, लागतों तथा निवेशों के संबंध में निर्णय आपूर्ति तथा मांग दर्शाते हुए बाजार संकेतों की प्रतिक्रिया में है अथवा इस संबंध में राज्य के विशिष्ट हस्तक्षेप के बिना है और क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से स्थगित विशिष्ट विरूपणों के अधीन होते हैं, खासकर परिसम्पत्तियों का अवमूल्यन, अन्य हानि, वस्तु विनिमय के व्यापार और ऋण की प्रतिपूर्ति के मार्फत भुगतान के संबंध में।
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो फर्मों के प्रचालन हेतु कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व का आश्वासन देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं :

परंतु जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर पर्याप्त लिखित साक्ष्य द्वारा यह दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार की स्थितियां मौजूद हैं; तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इंस पैरा में तथा पैरा-7 में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से उत्पादक/निर्यातकों ने उपर्युक्त आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। तथापि प्राधिकारी, को मालूम होता है कि पैरा-8 के उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य और जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। प्राधिकारी पाते हैं कि उत्पादक/निर्यातकों ने पंजीकरण, गठन, खरीद माल सूची, चीन जन. गण. के लेखा परीक्षा एवं लेखा कानून के संबंध में कुछेक दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। तथापि, ये दस्तावेज उप-पैरा (3) (क) के तहत की गई अपेक्षाओं से कम है, अर्थात् ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिक तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री तथा निवेश सहित कीमत, लागत तथा निवेश के संबंध में संबंधित फर्मों के निर्णय आपूर्ति तथा मांग दर्शाते हुए बाजार संकेतों की अनुक्रिया में तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के, होते हैं, और जहां बड़े निवेश की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हों। मात्रा कुछेक खरीद माल सूची, पंजीकरण प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करना यह साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं है कि उत्पादक/निर्यातक नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) (क) के अर्थ के भीतर बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का पात्र है। उप-पैरा (3) के तहत निर्धारित मानदंड को पूरा करने के क्रम में प्राधिकारी का विचार है कि उत्पादक/निर्यातकों को अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित को प्रस्तुत करना चाहिए था :

- (i) संबद्ध उत्पाद के विर्निमाण हेतु कच्ची सामग्रियां तथा अन्य संगत निवेश कैसे प्राप्त किए जाते हैं (अल्प अथवा दीर्घकालीन संविदाएं, स्पॉट बाजार, स्थानीय तौर पर या विदेश, आदि में खरीदी गई विभिन्न कच्ची सामग्रियों के आपूर्तिकर्ता की संख्या)।

(ii) कच्ची सामग्री की प्रत्येक मद हेतु, आपूर्तिकर्ता के नाम तथा पतों के बारे में जानकारी कि क्या आपूर्तिकर्ता एक निजी व्यक्ति, कम्पनी, राज्य अथवा एक स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण है :

- यदि यह निजी व्यक्ति है, तो क्या इसके पास चीन की राष्ट्रीयता है अथवा कोई अन्य राष्ट्रीयता है ।
- यह एक कम्पनी है, तो क्या यह चीनी कम्पनी, विदेशी स्वामित्व वाली कम्पनी अथवा किसी विदेशी स्वामित्व वाली कम्पनी के साथ एक संयुक्त उद्यम है ।
- यदि यह एक चीनी कम्पनी है, तो क्या यह निजी स्वामित्व वाली कम्पनी, राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों के स्वामित्व वाली कम्पनी है । यदि यह राज्य एक अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों द्वारा आंशिक स्वामित्व वाली कम्पनी है, तो उस सीमा का उल्लेख करें जहां तक राज्य अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण शामिल हैं ।
- यदि यह एक स्थानीय/क्षेत्रीय, प्राधिकरण आदि है, तो व्यौरे दिए जाएं ।

- (iii) उपयोगिता की प्रत्येक मद जैसे कोयला, बिजली, जल तथा तेल, आपूर्तिकर्ताओं के नाम/पते दिए जा सकते हैं । या तो इन उपयोगिताओं के लिए सामान्य दरें वसूल की जाती है अथवा या कोई विशेष या सबिडीकृत दर वसूल की जाती है । जांच अवधि के दौरान प्रत्येक उपयोगिता हेतु क्या दरें वसूली की गई हैं ।
- (iv) क्या उत्पादक द्वारा प्रयुक्त कच्ची सामग्रियों के आयातों पर कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष प्रतिबंध अथवा शर्त है । यदि कोई हो, इन प्रतिबंधों अथवा शर्तों का वर्णन किया जाए ।
- (v) इसकी व्याख्या की जाए की उत्पादन के प्रयोजनार्थ श्रमिकों को कैसे संगठित किया जाता है । कितने दक्ष कार्यकर्ता, अदक्ष कार्यकर्ता, प्रबंधक आदि नियोजित किये जाते हैं । जांच अवधि में प्रत्येक को भुगतान किया गया औसत वेतन क्या है ।
- (vi) कम्पनी के कर्मचारियों को पारिश्रमिक कैसे दिया जाता है (अर्थात वेतन, समयोपरि भुगतान, कम्पनी कार, छुट्टी भत्ते आदि सहित पारिश्रमिक के सभी घटकों के ब्यौरे दर्शाते हुए) कितनी बार पारिश्रमिक दिया जाता है ? कौन सी कानूनी सत्ता अंतिम भुगतानकर्ता है ? क्या कम्पनी के कर्मचारी अथवा उनके परिवार अन्य सुविधाओं जैसे गृह, चिकित्सा सुविधा, पेंशन, शिक्षा आदि से लाभान्वित होते हैं ? इसके ब्यौरे दिए जाए कि इन सुविधाओं के लिए भुगतान कौन करता है । यदि कम्पनी विदेशी कर्मचारी को कार्य पर लगाती है, यदि हाँ तो अलग से उल्लेख किया जाए कि अंतिम भुगतानकर्ता कहाँ अवस्थित है ।
- (vii) क्या कीमतें/मात्राएं नियत करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय अधिकारी अथवा राज्य शामिल होता है । दस्तावेजों (अंग्रेजी अनुवाद सहित) की एक प्रति जिनमें इस प्रकार का शामिल होना निर्धारित किया गया हो तथा संगत प्रावधानों को दर्शाएं ।
- (viii) प्रत्येक वर्ष कार्यालय उद्देश्यों हेतु कौन से लेखा परीक्षकों को पंजीकृत किया जाना है ? इन दस्तावेजों के कार्यालय पंजीकरण में कौन से प्राधिकारी शामिल होते हैं ?
- (ix) मुख्य निर्धारित तथा अप्रत्यक्ष परिसम्पत्तियां हैं प्रयुक्त अवमूल्यन तथा परिशोधन के तरीकों की व्याख्या करने की आवश्यकता है । अधिग्रहण मूल्य तथा चालू बुक मूल्य को निर्दिष्ट किया जाए । प्रत्येक मामले में यह उल्लेख किया जाए की परिसम्पत्ति कैसे प्राप्त की गई थी (उदाहरणार्थ खुले बाजार से खरीदा गया, शेयर धारक द्वारा कम्पनी को स्थानांतरित राज्य अथवा तीसरी कम्पनी द्वारा मुक्त अथवा छूट हेतु दिया गया) । यदि पिछले 10 वर्षों

- के दौरान उपर्युक्त परिसम्पत्तियों के मूल्यन में परिवर्तन किया गया है तो किस आधार पर और मूल्य में परिवर्तन के कारण दिए जाएं। चालू बुक मूल्य पर प्रभाव को भी दिया जाएं।
- (x) उत्पादन तथा/अथवा वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त सुविधाओं जोकि कम्पनी की नहीं हैं की सूची। पट्टा अथवा किराए के लिए संविदाए प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- (xi) कम्पनी के वर्तमान कर्ज की सूची दिनांक 31 मार्च, 2002 की स्थिति के अनुसार राशि, वापसी भुगतान किस्तें तथा ब्याज दरों के ब्यौरे देते हुए उपलब्ध कराया जा सकता है। इसका उल्लेख किया जाए कि क्या कम्पनी को विशेष कर्ज अथवा सब्सिडी स्कीम (उदाहरणार्थ, अधिमान्य ब्याज दरें तथा विस्तारित पे-बैंक अवधि, सब्सिडीकृत दर पर ऊर्जा आपूर्ति आदि) से लाभ होता है।
- (xii) इसकी व्याख्या की जाए कि निवेशों की खरीद हेतु प्रयुक्त विदेशी विनिमय दर (₹), निर्यात बिक्रियों की कार्यवाहियों का परिवर्तन तथा लाभ का प्रत्यावर्तन कैसे नियत किए जाते हैं? क्या मात्र एक ही दर होती है, जिसका उपयोग किया जा सकता है? यदि विदेशी मुद्राओं के प्रयोग/रूपांतरण हेतु कम्पनी की कोई सीमाएं हैं, तो उल्लेख करें। यदि कम्पनी के पास कोई विदेशी मुद्रा खाता है, तो संगत अथारिटी द्वारा आवेदन का अनुमोदन (अंग्रेजी अनुवाद सहित) प्रस्तुत किया जाए।
- (xiii) क्या कम्पनी पिछले पांच वर्षों में किसी समय वस्तु विनिमय व्यापार अथवा काउंटर व्यापार में शामिल रही है जिसमें (विदेशी) उपस्कर, सेवाओं अथवा वस्तुओं हेतु माल अथवा वस्तुओं का विनिमय शामिल रहे हों। ब्यौरे उपलब्ध कराएं तथा प्रयुक्त लेखा प्रणालियों का उल्लेख करें।
- (xiv) स्पष्ट करें कि क्या कम्पनी पिछले पांच वर्षों में कभी क्षतिपूर्ति व्यापार (उत्पाद बाइ-बैंक के रूप में भी ज्ञात) में शामिल रही है जिसके द्वारा एक (विदेशी) कम्पनी मशीनरी तथा उपस्कर उपलब्ध कराती है जिसके लिए वह विशेष रूप में भुगतान प्राप्त करती है, सामान्यतया उत्पादित वस्तुओं के रूप में। स्पष्ट करें यदि ऐसे भुगतान कर्ज अथवा किस्त बिक्रियों के रूप में संरचित किए गए थे। प्रयुक्त लेखा प्रणालियों की व्याख्या करें।
- (xv) पिछले तीन वर्षों में कम्पनी की लाभ वितरण नीति निर्दिष्ट किया जाए।

33. प्राधिकारी, इसलिए उपरोक्त नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-1 से 6 में वर्जित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ है तथा अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार कार्यवाही करने को बाध्य है जिसके द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण कोई अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया जा सकता है, जिसमें समान उत्पाद हेतु भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत जो उचित लाभ मार्जिन शामिल योग्य कीमत जो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए पूर्णतया समायोजित हो, भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी पाते हैं कि निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के उत्तर के विभिन्न परिशिष्टों में प्रस्तुत सूचना निम्नलिखित के कारण अपर्याप्त है :-

- (i) प्रत्येक अंतिम उत्पाद में कच्ची सामग्री पेलिट का अनुपात परिशिष्ट 8 एवं 9 में नहीं दर्शाया गया है।
- (ii) परिशिष्ट- 4, 5, 8 तथा 9 में आरएमबी. को अमरीकी डालर में रूपांतरण हेतु प्रयुक्त विनिमय दर समर्थकारी साक्ष्य के साथ नहीं दिया गया है।
- (iii) परिशिष्ट 4 में समुद्री भाड़े के लिए समायोजन को घरेलू बिक्रियों हेतु परिशिष्ट-5 में दर्शाए गए अंतर्देशीय भाड़े के लिए समायोजन की तुलना में सदा कम पाया जाता है। यह साक्ष्य के साथ नहीं दर्शाया गया है।

- (iv) परिशिष्ट-4 में दिखाये गए समायोजनों में कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का पता लगाने के लिए मै0 टेकी का लाभ मार्क अप के समायोजन का कोई उल्लेख नहीं है।
- (v) प्रत्येक मॉडल की उत्पादन लागत का मूल्यांकन करने के लिए जांच के अधीन आने वाले मॉडलों तथा जांच के अधीन नहीं वाले वाले अन्य मॉडलों के लिए लागतों के आवंटन, उपयोगिताएं तथा अन्य खर्च, आवंटन के आधार सहित वित्तीय लेखा के अनुसार खर्च की वास्तविक राशि दर्शाते हुए विस्तृत विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (vi) वर्ष 2001 तथा 2002 के लिए निर्यातक मै0, निंगबो हुआंची आयात एवं निर्यात कं0 लिं0 का लाभ एवं घाटे का लेखा तथा तुलन पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

34. इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी का विचार है कि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना पर जैसाकि ऊपर विचार किया गया बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार तथा अन्य सूचना से संबंधित मापदंडों के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने की शर्त पर, विचार किया जा सकता है। प्रारंभिक मूल्य का निर्धारण भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत तथा बिक्री, प्रशासन और सामान्य खर्च तथा नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार उचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया जाता है। ऐसा करने पर प्राधिकारी ने कच्ची सामग्रियों की अतंरराष्ट्रीय कीमत पर विचार किया है तथा उत्पादन लागत को इष्टतम क्षमता उपयोग पर मानकीकृत किया है।

रूस के संबंध में सामान्य मूल्य

35. रूस से किसी भी निर्यातक ने प्रारंभिक जांच का उत्तर नहीं दिया है। याचिकाकर्ताओं ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के संबंध में रूस के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा किया है। किसी रूसी निर्यातक से किसी जवाब की अनुपस्थिति में, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बाध्य है। इस प्रकार भारत में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत के आधार पर बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्च और उचित लाभ मार्जिन सहित किया जाता है।

रोमानिया के संबंध में सामान्य मूल्य

36. रोमानिया से किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का पूरा उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। मात्र मै0 एससी रूलमेंटी एसए स्लैटिना ने सूचित किया है कि उनकी कम्पनी 12 से 40 मि.मि. के बीच बोर डाई (आंतरिक व्यास) वाले बॉल बियरिंग बनाती है तथा उनकी कम्पनी को प्रश्नावली को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। जांचाधीन उत्पाद के वर्णन में 55 मि.मि. बोर डाया तक वाले बाल बियरिंग का उल्लेख है। इसलिए, कम्पनी द्वारा विनियमित तथा निर्यातित बॉल बियरिंग विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में काफी हद तक शामिल है। प्राधिकारी रोमानिया के निर्यातकों को गैर-सहयोगी के रूप में विचार करते हैं। याचिकाकर्ताओं ने रोमानिया में घरेलू बाजार बिक्री कीमत के आधार पर रोमानिया के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा किया है। रोमानिया से निर्यातकों के असहयोग के कारण, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने को बाध्य हैं। इसप्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर निर्धारित किया जाता है जोकि रोमानिया में घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

पोलैण्ड के संबंध में सामान्य मूल्य

37. पोलैण्ड से किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का पूरा उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। मात्र मै0 एनएसके - आईएसकेआरए ने उनकी कम्पनी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का भारत में

निर्यात नहीं किया। इसके अलावा, उनकी कम्पनी ने असंबंधित व्यापारिक कम्पनियों को संबद्ध माल की बिक्री की। उन्होंने प्रश्नावली पर सूचना प्रस्तुत नहीं की है। प्राधिकारी पोलैण्ड से निर्यातकों को गैर-सहयोगी के रूप में विचार करते हैं। याचिकाकर्ता ने पोलैण्ड के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा पोलैण्ड में घरेलू बाजार बिक्री कीमत के आधार पर किया है। पोलैण्ड से निर्यातकों के असहयोग के कारण, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बाध्य हैं। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर किया जाता है जो कि पोलैण्ड में घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

चीन जन0 गण0 के संबंध में निर्यात कीमत

38. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु चीन से सहयोगी निर्यातक मै0 एचसीएच द्वारा दी गई सूचना पर विचार किया है। प्राधिकारी ने देखा है कि कम्पनी के कुल निर्यातों में से 87.89% बॉल बियरिंग मॉडल/किस्म 6201, 6202, 6203 एवं 6204 तथा उनके रूपभेदों के संबंध में है। निर्यातक ने परिशिष्ट-4 में भारत को निर्यातित बॉल बियरिंग के विभिन्न मॉडलों के संबंध में सूचना दी है। उन्होंने समुद्री भाड़े, बीमा, पैकिंग प्रभारों, भंडारण एवं हैंडलिंग तथा सीमाशुल्क प्रभारों के लिए समयोजनों का दावा किया है। निर्यातक द्वारा दर्शाए गए कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत को सत्यापन की शर्त पर प्रारंभिक जाँच परिणाम के लिए स्वीकार किया गया है।

रूस के संबंध में निर्यात कीमत

39. रूस के किसी निर्यातक से कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ। प्राधिकारी ने रूस से संबद्ध वस्तु के निर्यात कीमत के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार किया है। निर्यातक ने अनुषंगी स्त्रोतों के आंकड़ों के अनुसार निर्यात कीमत का दावा किया है और समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन तथा पत्तन संचालन और पत्तन खर्चों के लिए समयोजनों को दर्शाया है। रूस से निर्यातकों के असहयोग के कारण, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार तथ्यों पर भरोसा करने को बाध्य हैं और इस प्रकार कारखाना द्वारा निर्यात कीमत को याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के रूप में विचार हो गा है।

पोलैण्ड तथा रोमानिया के संबंध में निर्यात कीमत

40. पोलैण्ड तथा रोमानिया के किसी भी निर्यातक द्वारा पूरा उत्तर दिया गया है। प्राधिकारी ने इन देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात कीमत के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार किया है। याचिकाकर्ता ने अनुषंगी स्त्रोत के आंकड़ों के अनुसार निर्यात कीमत का दावा किया है तथा समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन तथा पत्तन संचालन और पत्तन खर्चों के लिए रोमानियों को दर्शाया है। पोलैण्ड तथा रोमानिया से निर्यातकों के असहयोगी होने के कारण, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास करने को बाध्य है तथा इस प्रकार कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत को याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के रूप में विचार हो गा है।

चीन जनवरी गणराज्य से अन्य असहयोगी निर्यातक

41. चीन जन.गण. से अन्य असहयोगी निर्यातकों के संबंध में, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य को उसी रूप में लिया है जैसाकि मै0 एचसीएच चीन के संबंध में है। निर्यात कीमत याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार उसे नियम 6(8) के अनुसार सही मानते हुए, निर्धारित किया गया है।

पाटन मार्जिन

42. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण से संबंधित सैद्धांतिक नियमों के अनुबंध-। में निर्धारित हैं । सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के संबंध में व्यापार के समान स्तर पर गणना तथा तुलना की है । कारखाना-द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य की तुलना बाल बियरिंग के संगत तुलनीय किस्म/मॉडल के कारखाना-द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के साथ की गई है । उपर्युक्त निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करने पर पाटन मार्जिन निम्नानुसार परिकलित होता है:-

क्र.सं	देश	निर्यातक/उत्पादक के नाम	बाल टाइप/संख्या	बियरिंग	पाटन मार्जिन %
1.	चीन	मै0 हुआंची बियरिंग ग्रुप कं0 लि0, मै0 निंगबो टेकी बियरिंग क. लि., मै0 निंगबो हुआंची इम्पोर्ट एंड एक्पोर्ट कं0 लि0	6201 6202 6203 6204 अन्य टाइप		262.91 220.88 171.74 98.97 235.38
2.	चीन	अन्य निर्यातक	सभी टाइप		344.46
3.	रूस	सभी निर्यातक	सभी टाइप		436.78
4.	पोलैंड	सभी निर्यातक	सभी टाइप		253.17
5.	रोमानिया	सभी निर्यातक	सभी टाइप		181.46

झ. क्षति

43. पाटनरोधी नियमों का नियम-11 निम्नानुसार है :-

"क्षति का निर्धारण:

(1) निर्दिष्ट देशों से आयातों के मामले में, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी एक और रेष्टक रेकार्ड करेंगे कि ऐसी वस्तु के भारत में आयात से भारत में स्थापित किसी उद्योग अथवा ऐसी उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, अथवा होने का खतरा है अथवा किसी उद्योग की स्थापना में वास्तविक रुकावट आ रही है अथवा आने का खतरा है ।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमत उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए तथा इन नियमों के अनुबंध-॥ में निर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार, घरेलू उद्योग को क्षति, घरेलू उद्योग को क्षति की आशंका, घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा तथा पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे ।"

44. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-॥ में निर्दिष्ट क्षति के निर्धारण हेतु सिद्धांतों में व्यवस्था है कि:

- (i) क्षति के निर्धारण में इन दोनों की वस्तुपूरक जांच शामिल होंगी (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा सामान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों का कीमतों पर प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव ।
- (ii) पाटित आयातों की मात्रा की जांच के दौरान कथित प्राधिकारी इस पर विचार करेंगे कि क्या भारत में पाटित आयातों में पूर्ण अर्थों में अथवा उत्पादन या उपभोग के सापेक्ष

महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। नियम 18 के उप-नियम (2) में यथा निर्दिष्ट कीमतों पर पाटित आयातों के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को खास सीमा तक कम करना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती है।

45. याचिकाकर्त्ताओं के विचार

क्षति तथा कारणात्मक संबंध के संबंध में याचिकाकर्त्ताओं के विचार इन जांच परिणामों के भाग ख में दिए गए हैं तथा इन्हें संक्षिप्तता के कारण दोहराया नहीं जा सहा है।

निर्यातकों तथा आयातकों के विचार

46. क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में निर्यातकों तथा आयातकों के विचार इन जांच परिणामों के भाग ख में दिए गए हैं। इसके अलावा, निर्यातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यथा अपेक्षित संगत मापदंडों को पूरा करते हुए क्षति मूल्यांकन के अनुसार यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा कोई क्षति नहीं हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:-

47. प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में याचिकाकर्त्ताओं, निर्यातकों, आयातकों तथा प्रयोक्ताओं के विचारों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने क्षति के विभिन्न मापदंडों के संबंध में सूचना की निम्नानुसार जांच की है -

संबद्ध देश से आयात:

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का निम्नानुसार आयात हुआ है:-

	इकाई डीजीसीआई एण्ड एस के अनुसार	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि
आयात-मात्रा					
चीन	लाख नग	16.33	43.16	227.24	375.49
प्रगति	सूचीबद्ध	100	264.30	1391.57	1839.51
पोलैण्ड	लाख नग	1.913	12.98	20.87	34.63
प्रगति	सूचीबद्ध	100	678.56	1090.86	1448.24
रोमानिया	लाख नग	3.09	17.13	33.98	23.86
प्रगति	सूचीबद्ध	100	554.36	1099.59	617.70
रूस	लाख नग	1.915	30.97	28.67	45.34
प्रगति	सूचीबद्ध	100	1617.05	1497.20	1894.08
संबद्ध देश	लाख नग	23.25	104.24	310.76	479.32
प्रगति	सूचीबद्ध	100	448.37	1336.72	1649.41
अन्य देश	लाख नग	113.99	134.58	142.82	219.49
प्रगति	सूचीबद्ध	100	118.06	125.28	154.04
कुल आयात	लाख नग	137.24	238.82	453.57	698.81
प्रगति	सूचीबद्ध	100	174.01	330.50	407.35

संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा

49. प्राधिकारी पाते हैं कि मात्रा के अनुसार कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार रहा है:-

	इकाई	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि
चीन	%	11.9	18.07	50.1	53.73
पोलैंड	%	1.39	5.44	4.6	4.96
रोमानिया	%	2.25	7.17	7.49	3.41
रूस	%	1.4	12.97	6.32	6.49
संबद्ध देश	%	16.94	43.65	68.51	68.59
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	257.67	404.43	323.92
अन्य देश	%	83.06	56.35	31.49	31.41
कुल आयात	%	100	100	100	100

50. अन्य आर्थिक मापदंड

	1998-99 (सूचीबद्ध)	1999-00	2000-01	जांच अवधि
क्षमता	100	91.75	101.35	110.59
50 एमएम तक उत्पादन	100	93.71	118.51	117.91
सभी किस्म की मात्रा का उत्पादन	100	94.25	118.81	117.78
क्षमता उपयोग	100	102.73	117.23	106.50
50 एमएम मात्रा तक की देशज विक्रियां	100	95.33	112.42	116.04
सभी प्रकार की माप की कुल विक्रियां	100	92.51	108.71	109.64
सभी प्रकार के मूल्य की कुल विक्रियां	100	97.75	114.49	112.81
50 एमएम तक लाभ/हानि	100	180.26	754.66	224.65
कुल लाभ/हानि	100	171.37	280.00	204.67
उत्पादन लागत				
6201	100	91.69	94.61	94.50
6202	100	97.82	96.05	96.14
6203	100	98.55	92.00	90.96
6204	100	101.07	94.57	96.54

आधिकारिक चार किस्म का उत्पादन				
6201	100	66.36	81.70	75.98
6202	100	88.19	99.15	81.87
6203	100	111.11	147.59	161.11
6204	100	98.90	111.24	107.56
निवल विक्री प्रति				
6201	100	92.46	101.01	99.44
6202	100	98.68	104.95	104.62
6203	100	97.77	99.48	96.60
6204	100	96.81	100.01	99.84

अभिज्ञात चार किस्म की विक्रियां				
6201	100	68.43	82.65	79.94
6202	100	86.28	88.30	80.52
6203	100	103.41	120.15	132.80
6204	100	90.99	101.91	96.45
लाभ/हानि				
6201	-100	-87.64	-61.15	-68.73
6202	-100	-91.86	-34.59	-37.50
6203	-100	-107.62	-4.86	-25.18
6204	100	48.66	161.58	137.19
अंतिम रटाँक				
50 एमएम तक के बाल वियरिंग	100	78.00	102.66	97.42
समस्त वियरिंग	100	76.95	99.78	96.02
कर्मचारियों की सं०	100	94.71	87.33	80.31
उत्पादकता नग	100	99.52	136.05	146.66
उत्पादकता अभिज्ञात किस्म के नग	100	89.73	117.06	120.63
वेतन एवं मजदूरी	100	99.73	107.06	104.85
लगाई गई पूँजी	100	99.00	105.29	104.57
वास्तविक लाभ	1.83	3.17	4.88	4.49
नकद लाभ	100	113.62	143.39	112.52
मांग	100	104.34	127.00	133.91
मांग में बाजार हिस्सा				
चीन	1.19	3	1.56	16.29
पोलैण्ड	0.14	0.9	1.19	1.5
रोमानिया	0.22	1.19	1.94	1.03
रूस	0.14	2.16	1.64	1.97
संबद्ध देश	1.69	7.25	6.33	20.79
संबद्ध देश	100	428.99	374.56	1230.18
अन्य देश	8.28	9.37	19.6	9.52
अन्य देश	100	113.16	236.71	114.98
सभी आयात	9.96	16.62	25.93	30.31
घरेलू उद्योग	65.06	59.45	57.59	56.38
घरेलू उद्योग	100	91.38	88.52	86.66
भारतीय उद्योग	90.04	83.38	74.07	69.69
भारतीय उद्योग	100	92.60	82.26	77.40
कीमत कटौती	चीन	पोलैण्ड	रोमानिया	रूस
6201	191.45		70.63	212.74
6202	186.97	178.55	82.3	238.16
6203	146.49	155.08	113.48	268.77
6204	159.2	173.94	159.92	371.18
कीमत दमन/ कमी	चीन	पोलैण्ड	रोमानिया	रूस
6201	230.00		93.20	254.10
6202	201.85	193.00	91.75	255.69
6203	152.00	160.79	118.25	277.02
6204	130.26	143.35	130.90	318.58
उत्पादन (%) के संबंध में				

आयातों का बाजार हिस्सा				
चीन	1.74	4.90	2.45	27.10
पोलैण्ड	0.20	1.47	1.87	2.50
रोमानिया	0.33	1.94	3.05	1.72
रूस	0.20	3.52	2.57	3.27
संबद्ध देश	2.47	11.83	9.94	34.59
50 एमएसम (सूचिबद्ध) तक कुल उत्पादन में अभिज्ञात किस्मों का हिस्सा				
6201	100	70.82	68.93	64.44
6202	100	94.12	83.66	69.44
6203	100	118.57	124.54	136.64
6204	100	105.54	93.86	91.22
चार अभिज्ञात किस्म	100	90.69	86.26	82.17
अभिज्ञात चार किस्मों को छोड़कर अन्य का हिस्सा	100	108.46	112.49	116.21
वृद्धि				
मात्रा वार		-4.67	-12.42	-16.04
मूल्य-वार		-3.71	-8.96	-14.07

क्षति निर्धारण के संबंध में निष्कर्ष:

51. प्राधिकारी ने अनुब्धव II के पैरा (iv) के अनुसार उपर्युक्त सभी संगत मापदंडों की जांच की है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:-

(i) वर्ष 1998-99 के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयात की संख्या 23.25 लाख नग थी जो जांच की अवधि के दौरान बढ़कर 479.32 लाख नग हो गई। यह वृद्धि 1998-99 की तुलना में 1600% से भी अधिक है। अतः संबद्ध देशों से आयातों में जांच अवधि के दौरान समग्र रूप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(ii) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों का हिस्सा 1998-99 में 16.94 % से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 68.59 % हो गया है। यह वृद्धि 323.92 % की थी। संबद्ध वस्तुओं की कुल मांगों में संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 2000-01 में 6.33 % से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 20.79 % तक हो गया। प्राधिकारी इसको एक महत्वपूर्ण वृद्धि मानते हैं और उनका मानना है कि भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(iii) पूर्व वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(iv) 50 मिठीमीट व्यास तक की बाल बेयरिंग के संबंध में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मामूली सुधार हुआ है। चार अभिज्ञात प्रकारों में से माडल

6201, 6202, 6204 के संबंध में गिरावट दर्ज की गई है। यद्यपि माडल 6203 की बिक्रियों में जांच अवधि के दौरान ऊर्ध्वगामी प्रवृत्ति दर्ज की गई।

(v) संबद्ध प्रकार के बाल बेयरिंग के संबंध में लाभ में जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में अत्यधिक गिरावट प्रदर्शित हुई है।

(vi) बाल बेयरिंग के संबद्ध प्रकारों की निवल बिक्री प्राप्ति में जांच अवधि के दौरान गिरावट प्रदर्शित हुई है।

(vii) पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बाल बेयरिंग के सम्बद्ध प्रकारों के अंतिम स्टाक में मामूली गिरावट प्रदर्शित हुई है।

(viii) जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनियों में कर्मचारियों की संख्याम गिरावट प्रदर्शित हुई है। तथापि जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ है।

(ix) वेतन और भत्तों के संबंध में प्रवृत्ति पर क्षति संबंधी वास्तविक संकेतक के रूप में विचार नहीं किया जा रहा है।

(x) लगाई गई पूँजी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन प्रदर्शित नहीं हुआ है। तथापि लगाई गई पूँजी पर वास्तविक आय 4.88% से घटकर 4.49% हो गई है।

(xi) पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी के नकद लाभ में भारी गिरावट प्रदर्शित हुई है।

(xii) पाटित आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम पाया गया है। इस प्रकार संबद्ध देशों से बाल बेयरिंग के संबद्ध प्रकारों के पाटित आयातों के कारण कीमत में भारी कटौती हुई है।

(xiii) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम पाया गया है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन के बारे में अत्यधिक कीमत में कमी/उसमें हास हुआ है।

क्षति का संचयी मूल्यांकन

52. उपर्युक्त नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध-II (III) में यह भी व्यवस्था है कि जिस मामले में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो

रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन केवल तब करेगा जब वह यह निर्धारित करता है कि प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में तय किया गया पाठन मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है और (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाठन मार्जिन 2 % से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है। प्राधिकारी ने आयातित उत्पाद तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना भी उचित समझा है। प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों द्वारा क्षति का संचयी प्रभाव पड़ा है।

छ. कारणात्मक संबंध

53. प्राधिकारी ने पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के सिद्धांत (v) के अनुसार घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में यथानिर्धारित संगत संकेतकों की जांच की गई है।

54. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के बारे में याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए अभिमतों पर विचार किया है। जिनका उल्लेख पूर्ववर्ती पैराग्राफों में किया गया है। उपर्युक्तानुसार विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बाद प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुंचे हैं :

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उक्त वस्तु की खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।

(ii) पूर्ववर्ती वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाठित आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाठित आयातों की भारी मात्रा के कारण घरेलू उद्योग के संबद्ध उत्पादों की कीमत में अत्यधिक कटौती, कीमत हास/कीमत स्थिरता आई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का पहुंच मूल्य काफी कम रहा है।

(iii) कीमत स्थिरता के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। वह अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा है ताकि वह निवेशों पर उचित आय प्राप्त कर सके क्योंकि पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक कमी आई है।

(iv) निर्यातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उनके द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के सामान्य ग्रेड से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू पंखा विनिर्माताओं के एक बड़े भाग ने संबद्ध देशों के विनिर्माताओं/निर्यातकों के बाल बेयरिंग का आयात किया है। प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से निर्यातित टाईप 6201, 6202, 6203 और 6204 के सामान्य ग्रेडों को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध बाल बेयरिंग के समान वस्तु माना है। आयातित बाल बेयरिंग की मानी गई घटिया गुणवत्ता का तात्पर्य यह नहीं है कि वे घरेलू रूप से उत्पादित बाल बेयरिंग के तुलनीय प्रकारों के समान वस्तु नहीं हैं। आयातित बाल बेयरिंग का उपयोग घरेलू पंखा एवं अन्य उपकरण विनिर्माता उद्योग द्वारा किया गया था जिसे घरेलू उत्पादकों द्वारा सेवाएं प्रदान की गई हैं। अतः संबद्ध देशों से आयात के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घटा है। घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध अतिरिक्त क्षमता है जो संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण अपर्युक्त बनी रही है।

(v) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग उचित कीमत वृद्धि करने से बंचित हुआ है। घरेलू उद्योग को 50 मि0मी0 बोर तक के व्यास के बाल बेयरिंग की बिक्री में लाभप्रदता में भागी गिरावट का सामना करना पड़ा है।

(vi) उपर्युक्त आर्थिक मापदंडों से संचयी और सामूहिक रूप से यह सिद्ध होता है कि पाठन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(vii) संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट नहीं आई है बल्कि उसमें वृद्धि हुई है और इसलिए मांग में कमी को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी है और प्रौद्योगिकी में परिवर्तन अथवा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा से क्षति नहीं होती है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कुछ गिरावट आई है। तथापि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में आई गिरावट को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। ऐसा इस तथ्य की वजह से हुआ है कि घरेलू विक्रियों का हिस्सा घरेलू उद्योग के कुल कारोबार का एक बहुत बड़ा हिस्सा बनता है। घरेलू

उद्योग में ऐसा कोई प्रौद्योगिकीय विकास अथवा ऐसा कोई अन्य कारक नहीं देखा गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती हो ।

ठ. भारतीय उद्योग के हित

55. सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है और भारतीय बाजार में एक खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः कायम करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है ।

56. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू बाजार में उत्पाद की कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी कार्रवाई द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी कार्रवाई से पाटन द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करने से सम्बद्ध देश से होने वाले आयात किसी तरह प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

ठ. निष्कर्ष

57. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:-

- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर हुआ है;
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है; और
- (iii) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

58. प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए संबद्ध देशों से 8 मिलियन से अधिक और 50 मिलियन तक के भीतरी बोर के व्यास वाले बाल

बेयरिंग के आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन का मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, से अनधिक पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश का प्रस्ताव करते हैं, जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य से आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई घरेलू उद्योग की क्षतिरहित बिक्री कीमत से की गई है।

59. तदनुसार, प्राधिकारी प्रस्ताव करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय 84 के उपशीर्ष 8482.10, 8482.80 तथा 8482.91 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 8 मि0मी0 से अधिक और 50 मि0मी0 के भीतरी बोर के व्यास के बाल बेयरिंग के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क अमरीकी डालर में निम्नलिखित तालिका के कालम 5 में उल्लिखित राशि होगी।

क्र.सं.	देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	बाल बेयरिंग टाइप/संं0	पाटनरोधी शुल्क अमरीकी डालर प्रति नग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	चीन	मै0 होआची बेयरिंग ग्रुप कं0 लि0, मै0 निंगबो टेक बेयरिंग कं0 लि0, मै0 निंगबो होआची इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0 लि0	6201 6202 6203 6204 अन्य टाइप	
2.	चीन	अन्य उत्पादक/निर्यातक	सभी टाइप	
3.	रुस	अन्य उत्पादक/निर्यातक	सभी टाइप	
4.	पोलैंड	अन्य उत्पादक/निर्यातक	सभी टाइप	
5.	रोमानिया	अन्य उत्पादक/निर्यातक	सभी टाइप	

60. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

ड. आगे की प्रक्रिया:

61. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:
- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा ;
 - (ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकती है;
 - (ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे, जिन्हें तदुपरान्त लिखित में देना होगा ।
 - (घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;
 - (ङ.) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th May, 2003

PRELIMINARY FINDINGS

Subject :- Anti-dumping investigation concerning import of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) from China PR, Poland, Russia and Romania—Preliminary Findings.

No. 14/30/2002-DGAD.—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from Ball and Roller Bearing Manufacturers Association of India, New Delhi through its members viz., M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur, representing the domestic industry, alleging dumping of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from China PR, Poland, Russia and Romania (hereinafter referred to as subject countries) ;
- (ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter, considered as properly documented;
- (iii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated 21st September, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Ball Bearings and parts and components thereof (up to

50 mm bore dia) covered under Chapter heading/subheading 8482.10, 8482.80, 8482.91 of Schedule I of the Customs Tariff Act.

- (v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers and to the complainants and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- (vi) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassies of subject countries in India.
- (vii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following exporters:-

Dong Guan Chu-Hsiang Hardware Manufacturing Company Ltd.,
CHINA

Chuang-Ming Bearings & Autoparts Development Company Limited
CHINA

KOYO Romania S.A.
ROMANIA

RULMENTI S.A.-SLATINA
ROMANIA

JSC "Moscow Bearings" (GPZ-1)
RUSSIA

CJSC "SPZ-4"
RUSSIA

NSK Iskra S.A.
POLAND

- (viii) The Embassies of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;
- (ix) The questionnaire was sent to the following importers of subject goods:

1. 21st Century Bearings
2. A K V Enterprise
3. Abhinandan Pershad & Bros.
4. Ashoka Bearing Corporation
5. B.B. Enterprise

6. Barewell Traders
7. Baroda Bearing Centre
8. Bearing House
9. Bearing Sales Corporation
10. Btc International
11. Cochin Bearing Centre
12. Commercial Enterprises
13. Durga Enterprises [Chennai]
14. Expo Sales Agency
15. Falcon Bearing Co.
16. Goel Enterprises
17. Goel Enterprises
18. H.R.Bearings
19. India Sales Service
20. Indo Engineering Corporation
21. Industrial Bearing & Mill Stores
22. J. Subuswami Aiyar & Sons
23. J.N.Gupta & Co.
24. Jainco Bearings Pvt. Ltd.
25. Jayshree Engineering Co.
26. Jinharsh Trading Co.Pvt.Ltd.
27. Joshi Thermal
28. Kapoor Enterprises
29. Kay Mohan Corporation
30. L N T India
31. Laxmi Bearings Pvt.Ltd.
32. Machine Tools And Implements
33. Marketing & Manufacturing Co.
34. Modern Agency
35. Modern Bearing Agencies
36. Navnath Trading Co. Pvt. Ltd
37. Newmann Corporation
38. New-Tech Bearing Corporation
39. Perfect Bearing Co.

40. Phoenix Trading Corporation
41. Pragathi Bearings
42. Prahladrai & Sons
43. Precision Engineering Company
44. Precision Bearings
45. Premier India Co.
46. Quality Tools & Bearing Centre
47. R.B. Sales Corporation
48. R.K. Engineering Corporation
49. Rajesh Bearing & Mill Stores
50. Rishabh Impex
51. Rollmann Trading Company
52. Royal Bearing Centre
53. S. Dayal & Sons
54. S.V. Hi-Tech Bearing (I) Pvt. Ltd
55. Santiniketan Enterprises
56. Shree Shakti Traders
57. South India Bearing Co.
58. Sree Godavari Bearing Co.
59. Sree Senthil Balaji Agencies
60. Steelco Products
61. Suchitra Sales Pvt. Ltd.
62. Therm-O-Coal Bearing Co.
63. Tools Bearing Syndicate
64. Trade India Corporation
65. Trade Overseas
66. Uday Enterprise
67. Uni Trade India
68. Universal Sales Corporation
69. Uttam Bearing
70. V.V. Grasons & Co.
71. Vikas Bearings Private Limited
72. Alidhra Machines Pvt. Limited
73. Allena Auto Industries Pvt. Ltd

74. Alpump Private Limited
75. Asea Brown Boveri Ltd.
76. Ashok Leyland Ltd.
77. Auto Pump Engineers
78. Autolec Industries Ltd
79. Bajaj Auto Ltd
80. Bajaj Tempo Ltd.

81. Bharat Bijlee Ltd.
82. Birla Yamaha Limited
83. Borsara Machines
84. Crompton Greaves Limited.
85. Cummins India Limited.

86. Darshan Lal & Sons
87. Delta Elastometal Components Pvt Lt
88. Ece Industries Limited
89. Eicher Tractors
90. Elecon Engineering Company Limited
91. Electro - Dip
92. Elgi Equipments Limited
93. Escorts Claas Limited
94. Escorts Limited
95. Geedee Stoll (P) Ltd
96. Greaves Limited

97. Gujarat Setco Clutch Limited
98. H V Transmissions Limited
99. H.M.T. Ltd. (Tractor Division)
100. Hhml Dharuhera
101. Hindustan Motors Limited
102. Honda Motorcycle & Scooter India
103. Hv Axles Limited
104. Ifb Industries Limited
105. Indian Rayon And Industries Ltd.
106. Indo-Farm Equipment Limited
107. International Tractors Limited
108. Involute Tooling Corporation
109. Kalsi Metal Works
110. Kerala Agro Machinery Corporation L
111. Kerala Automobiles Ltd.
112. Kinetic Motor Company Limited
113. Kirloskar Electric Company Ltd.
114. Kone Elevator India Limited
115. L & T John Deere Ltd.
116. Lakshmi Machine Works Ltd.
117. Laxmi Hydraulics P.Ltd.
118. LML Ltd.
119. Lubi Electricals Limited
120. Lyko Engineering Works
121. Maharashtra Scooters Ltd.
122. Mahindra & Mahindra Limited

123. Mahindra Gujarat Tractor Ltd.
124. Majestic Auto Ltd.
125. Maruti Udyog Ltd
126. Mohan Generators & Pumps Pvt Ltd
127. Navyug Electric Motors & Pumps Ltd.
128. New Holland Tractors (India) Pvt Ltd, Noida (Oe)
129. NGEF (Hubli) Ltd.
130. Power Build Elecon Gears Limited
131. Power Build Ltd.
132. Punjab Tractors Ltd.
133. Rane Nastech Limited
134. Rane Trw Steering System Limited
135. Rane Trw Steering System Limited
136. Rane(Madras) Limited
137. Same Greaves Tractors Limited
138. San Motors Limited
139. Shanthi Gears Limited
140. Silvassa Machines
141. Sinex Primemovers
142. Smps Electro Power Pvt. Ltd.
143. Sona Koyo Steering Systems Ltd
144. Suessen Asia Limited
145. Swaraj Engines Limited
146. Sweco India
147. T E L C O

148. Tata Cummins Ltd.
149. Tata Engg. & Locomotive Co. Ltd.
150. Tata Engineering & Locomotive Co Lt
151. Tata Engineering & Locomotive Co Ltd (Car Plant)
152. Tractors And Farm Equipment Ltd.
153. Trumac Engineering Co. Pvt. Ltd.
154. Tvs Motors Limited
155. Varroc Engg. Limited
156. Veejay Lakshmi Engg. Works Ltd.
157. Vst Tillers Tractors Ltd.
158. Yamaha Motor India Pvt. Limited

- (x) Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished;
- (xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) Some of the interested parties requested for extension in time to file their response to the questionnaire which was granted upon due cause shown;
- (xiii) ***** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xiv) The investigation covered the period from 1st January 2001 to 31st March, 2002;
- (xv) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

B. PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner has made the following major arguments in their submissions:-

- (i) This application is filed seeking a levy of anti-Dumping duty on imports of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) from China, Poland, Romania and Russia. The said products are being dumped into the country at prices significantly below their normal values and as such, causing material injury to the Indian domestic industry manufacturing the said product.

ii) Major end markets for ball bearings include agricultural, mining, construction, aerospace, automotive, consumer durable, and oil sector. Other growth markets includes computer disc drives and peripheral equipment, in line skates and fractional motors. Following major segments are the users of bearings: -

- Fan segment,
- Electric Motor segment,
- Automotive segment (including two wheelers),
- Pumps,
- Domestic Appliances,
- Industrial Appliances,
- Others.

Out of the above, fan, electric motor and pumps segment is primary segment. The industry has been worst hit by the dumped imports in this segment.

iii) The product under consideration includes all types of anti friction ball bearings that employ balls as the rolling element (whether grounded or ungrounded) that are originating in or exported from Subject Countries. It also includes all parts and components of ball bearings, which includes inner ring, outer ring, cage, balls, seals, shields, etc. Further, all types of ball bearings (subject to the restriction on size, as stated elsewhere in this petition) are included in this petition, whether finished, unfinished, with or without heat treatment.

iv) Though different types of ball bearings are inter-se not substitutable and every consumer would require specific size of ball bearing depending upon the design conditions, all these different size emerge from similar technology, manufacturing process, raw material, and plant & equipment.

v) Petitioners have done entire analysis in this petition considering comparison on model-to-model basis. However, the eventual anti dumping duty is required to be imposed on "weight basis", whether one anti dumping duty for different types is imposed or separate anti dumping duties are determined for the three sub-categories identified or separate anti dumping duty is imposed on each size of bearing.

vi) The product under consideration in the present petition is being dumped by the producers and exporters in People's Republic of China, Russia, Poland and Romania.

vii) The product is being exported in Indian market at dumping prices for the past more than three years.

Viii) Petitioners have determined de minimus position of imports from the subject countries as per data published by the DGCI&S. Though the petitioners have provided information with regard to volume and value of imports as per the statistics published by the DGCI&S, the petitioners submit that such consolidated information on imports in terms of total numbers (volume and value) may not provide any

meaningful information with regard to the price at which different bearings have been dumped from the subject countries. However, the information published by the DGCI&S can be relied upon for determination of *total volume and total value* of imports of ball bearings for assessing the de-minimus volume of imports and the extent to which imports have taken place and have caused material injury to the domestic industry.

In view of the above mentioned shortcoming in the data provided by the DGCI&S, petitioners considered it more appropriate to rely upon the transaction wise import information. Petitioners have collected import information from M/s. International Publishing House, Mumbai.

ix) Two very important inferences can be drawn from the data released by the DGCI&S and the Secondary Source data analyzed by the petitioners: -

- a) China is the primary exporter of ball bearings to India, commanding more than 50% of total imports of Bearing in India in the subject category.
- b) Of all types of ball bearings, imports of 6201, 6202, 6203 types form a very significant proportion of the total imports of bearings from subject countries. These types form very significant proportion of imports of different types of bearings from subject countries.
- c) Average import price of ball bearings below 50 mm is very low as compared to the import price of higher sizes.

The above corroborates the actual market experience of the petitioners. Petitioners have carried out similar exercise in respect of other countries also and the results are similar.

x) Duty on weight basis

Petitioners submit that the volume and value of imports of the subject goods and eventual anti dumping duty bench marks are required to be fixed in terms of weight in view of the following reasons: -

1. This is the most appropriate method to implement the anti dumping duty on a product like the present. A purchaser, more particularly a trader, importing from the subject country would normally be buying a group of bearings. Should the benchmarks be based on number of bearings, the implementation of the duties would be difficult and product would be prone to circumvention.
2. There are a very large number of subject bearings produced and sold both in India and subject countries. Thus, it would not be feasible to recommend and implement separate benchmark for each type of bearing. Further, separate benchmark for each type of bearing may be abused by the importers.

xi) In the instant case, China and Russia are non-market economies. China and Russia have been treated as non-market economy by European Commission and United States in the past three years. European Union and United States are

members of World Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy.

xii) China and Russia are "non-market economy" countries. Determination of normal value in these countries is to be done in accordance to the rules relating to non-market economies.

xiii) Russian and Chinese exporters have exported very large numbers of ball bearings numbered 6201, 6202 and 6203. Total number of these bearings exported by China in the period under reference constituted about 66 % of total known imports from China and about 47% of total known imports from Russia wherein the description is available. These ball bearings are exported at an average export price of Rs. 7.01, 7.68, and 10.22 per bearing respectively in 2001 calendar year period from China and Rs. 6.63, 6.60, and 6.84 per bearing respectively in 2001 calendar year period from Russia. The ex-factory export price of these exports is so low that the same could not have permitted recovery of even the raw material cost, leave alone even variable cost of production for the exporters in China and Russia. The said prices are certainly below the product costs (the factory cost of production) and in no event can permit recovery of all associated costs for any producer of ball bearings in China and Russia. The cost of production of the subject goods would, therefore, be most appropriate in the present circumstances for determination of dumping.

xiv) The petitioners have determined constructed value by considering cost of production of one of the participating companies including SGA and reasonable profit margin.

xv) Normal value in Poland and Romania

Efforts were made to get information on prices at which ball bearings are being sold by the producers in Poland and Romania in their domestic market in the ordinary course of trade. Efforts were also made to get evidence of price lists of the exporters/manufacturers or price evidence for their exports to other countries or any other information from the published sources.

xvi) Petitioners have been able to get evidence of prices at which ball bearings are being sold by the producers in Romania and Poland in their domestic market and the normal value is being claimed on this evidence furnished to the Authority.

xvii) Estimates of export price

The petitioners have determined export price separately for each type of bearing imported. This is, however, restricted to those types whose imports command significant proportion of imports from subject countries. The export price from subject countries for the types constituting the major proportion of total known imports comes as under:-

Type/No.	Export price Rs. Per Pcs.			
	China	Russia	Poland	Romania
6201	7.01	6.63		12.16

6202	7.88	8.60	8.00	12.23
6203	10.22	8.84	9.88	
6204	14.23	7.76	13.33	14.05

The above prices are CIF prices. According to the Anti Dumping Provisions and WTO Agreement on Anti Dumping, the comparison between normal value and export price should be done at the same level of trade, preferably at ex-factory level. Normal value determined, as detailed above, are at ex-factory level. Therefore, for arriving at ex-factory export price, following adjustments have been made from the CIF export price.

- a) Ocean Freight
- b) Marine Insurance
- c) Commission
- d) Inland Transportation in the country of export.
- e) Port Handling & Port charges.

xviii) Evidence of Injury and Threat of Injury

a) Changes in market share held by Indian producers and imports from the subject country(ies):

The following parameters are relevant with regard to the above:-

a1) Substantial increase in imports :-

As per the information regarding imports of the subject goods over the years furnished to the Authority, it would be seen that:-

- Imports have increased significantly in absolute terms.
- It may be argued that the different types of bearings have different costs/prices and, therefore, increase in imports in terms of numbers may not be appropriate. The petitioners, therefore, compared the imports in terms of value of imports also. It is found that the imports have increased in terms of their values also over the years.

a2) Significant increase in share in imports :

As per the evidence furnished, it would be seen that the share of subject countries in imports of the subject goods has increased significantly over the years. Share of other countries, as a direct consequence, declined significantly.

a3) Significant increase in share of subject countries in Demand in India :

The share of subject countries increased not only in relation to total imports, but also in relation to demand of the product in the Country. At the same time, the share of other countries and Indian Producers declined.

a4) Increase in relation to production in India

The imports from subject countries increased in relation to production of the domestic industry.

The above clearly establishes adverse "volume effect" which the imports have had on the domestic industry.

b) Decline in the export price

Import price on an average basis for different type of subject bearings are shown in Proforma IV-A. It would be seen that the export price from subject countries has declined significantly over the years. The decline in the prices is on top of already low & dumped prices.

c) Parameters affecting domestic industry

The domestic industry has taken a number of steps in the past three years to revamp it and face the threat from dumping. These efforts have resulted in significant improvement in its bottom lines. However, the domestic industry is not able to improve further to a level which can be described as reasonable level. Further, while the domestic industry continued its upward journey on performance, it suffered a major setback in terms of loss of market share. The domestic industry is now in a situation wherein it has already lost significant market share. Further, it is not able to increase its sales volumes now.

d) Production & capacity utilization of the domestic industry

The production & capacity utilization of the domestic industry has increased over the years. However, this increase is due to dedicated efforts made by the domestic industry to improve its performance, which was suffering due to low plant utilization in the past, given the low demand of the product in the Country. However, while the domestic industry has been able to improve its performance on these parameters, it is found that the domestic industry is not able to grow further, as significant market shares have been, in the meantime, taken away by the imports.

e) Sales volume

The sales volumes of the domestic industry increased with the increase in demand. However, the industry is now not able to increase its sales volumes due to presence of dumped imports in the market. Further, even when the sales volumes increased in absolute terms, the share of the domestic industry in terms of demand of the product declined.

f) Selling price (evidence of the price erosion, price undercutting, price suppression or price depression)

The subject goods are being sold in significant volumes at retail level. Further, a comparison of landed price of imports with the selling prices of the

domestic industry has been made. These prices have been further compared with the cost of production and it would be seen that:

- The landed price of imports is very significantly below the selling price of the domestic industry. The imports are thus causing severe price undercutting in the market.
- The selling prices of the domestic industry are well below the non-injurious price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is underselling the product.
- The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry. Thus, the imports are causing price suppression/depression in the market.
- The landed price of imports is significantly below the non-injurious price of the domestic industry. Thus, the injury margin is positive, very substantial and is causing materially injury to the domestic industry.
- In view of the above, petitioners submit that the imports from the subject countries are having adverse effect on the prices in the domestic market.

g) Evidence of lost contracts or declining sales:

The domestic industry has lost significant sales. While there is no evidence of direct loss of sales in the replacement market as the material is sold at retail level through a long chain of suppliers, it is submitted that the loss of market share is evident in the OEM segments. The domestic industry has lost significant sales in the OEM segment relating to fans.

h) Employment (employment levels, lay-off of employees due to increased alleged dumped imports):

The domestic industry has made all out efforts to optimize the employment. Further reduction is not feasible. However, should the domestic industry be forced to match the prices of imported product, the domestic industry would be left with no option but to retrench people.

i) Profitability (history of profit levels for the petitioner(s) and industry):

Profitability of the domestic industry as a whole has not improved, even though the same has improved in respect of some of the constituent companies due to significant cost cutting measures resorted by the domestic industry. However, the domestic industry is now not able to improve its profitability due to cheap imports present in the market.

j) Inventories

Inventories with the domestic industry have been increasing, as may be seen from information given in proforma IV-A.

k) Cash flow

Continued dumping of the product in the Indian Market has very adversely affected the cash flow situation of the domestic industry.

i) Return on investments

Return on investments for the domestic industry is negative. Even though some of the companies are making profits, the profits are sub-optimal and return on investment inadequate.

m) Growth

Even when the market for ball bearings have seen tremendous growth, the domestic industry has not grown proportionately. This is evident from the increase in the market share of imports from the subject countries and consequent decline in the market share of the domestic industry in terms of demand of the product.

n) Productivity

The domestic industry, faced with the competition from the imports made concerted efforts to improve its productivity. However, the increase in the productivity did not help the industry in getting adequate return on investments.

o) Price underselling

The domestic industry is forced to sell the product below the price which would have permitted it to earn reasonable profit margin on its investments. Thus, the imports are forcing the domestic industry to undersell the product.

q) Ability to raise funds

Adverse profitability of the ball bearings sector, which is one of the prominent products of the industry, is adversely affecting the ability of the domestic industry to raise fresh capital.

The domestic industry has suffered material injury as a result of dumped imports from the subject countries.

xix) Causal Link

It would be seen from the Country-wise volume and value of imports given and discussed in the petition that the import from other Countries are at higher price or the volume of imports is de-minimus. Imports from Other Countries are not causing injury to the domestic industry.

Demand of the subject goods is steadily increasing. Possible decline in demand is, therefore, not a reason for the injury to the domestic industry.

Industry is quite competitive. The industry has increased its competitiveness over the last three years. The industry is now globally competitive. However, the unfair pricing resorted by the producers from these countries is preventing the industry from achieving a reasonable level. Changes in technology, export performance of the domestic industry, trade restrictive practices or competition is not the reason for the injury being caused to the domestic industry.

C EXPORTERS', IMPORTERS', USERS' AND OTHER INTERESTED PARTIES' VIEWS

4 A joint response has been received from the following Chinese exporters/producer:-

Huanchi Bearing Group Co.Ltd. China, (HCH)
 Ningbo Huanchi Import & Export Co. Ltd., China
 Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., China.

5. Following major submissions have been made by the Chinese exporter/producer :

(a) General Submissions

- (i) HCH is the group company and Teke is the manufacturing company. Ningbo Huanchi is the exporter. HCH, Teke and the Exporter have jointly prepared this response.
- (ii) There is no equity holding by any State / Govt. owned entities and no Directors or Managers are nominated by the State / Govt. owned entities and there is no State / Govt. management control of the Respondent.
- (iii) The Respondents have no recourse other than bankruptcy if it is unable to operate at a profit.
- (iv) Teke and HCH purchased the raw materials at market given prices that are not regulated by the State / Govt. as may be seen from the invoices and other supporting documents. The Respondents have borrowed from the banks on market terms and repaid their loans as per schedule as in a market economy. The Respondents have acquired their land through market economy mechanisms and have a mortgage on the site.
- (v) The Respondents do not receive any subsidies other than VAT returns that are levied on domestic sales and purchases for its foreign exchange through the authorized dealer bank as in a market economy like India and maintains its accounts consistently with International norms.
- (vi) The HCH brand of the Respondents is the leading 'normal' grade small bearings brand in the Indian market in the absence of substantial quantities of the like article being manufactured by the Petitioners and in view of the intrinsic strengths of the HCH brand.
- (vii) In a spirit of full cooperation with the present Investigation they are furnishing confidential data for the POI, with respect to, respectively the domestic sales in China of HCH and Teke and, of the export sales of the Exporter to India and third countries in the Response to the Questionnaire

- (viii) The subject goods have been exported to India during the POI at a price consistent with the third country export price of the like articles and at or above or within a de-minimus range of the domestic sales price of the like articles during the POI and above the cost of production of the like articles during the POI.
- (ix) Teke enjoys tremendous economies of scale as a result of clustered and consolidated production of the subject goods; dedicated production lines, which manufacture the same grade without frequent change in design, specification etc; high capacity and capacity utilisation; inexpensive local raw materials and labour; no man-days lost during the POI due to labour unrest or any force majeure or input supply constraints; inexpensive and efficient logistics and infrastructure; and economies in freight and handling at the nearby Port.
- (x) There is a major problem of infringement, counterfeiting transshipment and smuggling of the like articles from China through UAE (including the KG brand), Bangladesh and Nepal that is faced by the Respondents, who reasonably have a stake in maintaining their leading brand equity and profits for small bearings in the Indian market.

(b) **On Domestic Industry**

- (i) FAG and SKF are related to manufacturers and exporters of the like articles in China apart from being related to exporters in third countries who would stand to benefit by imposition of anti-dumping duty on import of the subject goods, inter alia, from China. In this regard it would be useful to point out that the imports data of the Petitioners, from which the Petitioners have determined the countries allegedly dumping and the quantities for the purpose of de-minims and the CIF export price to India, shows that Korea is also exporting to India and the quantity exports from Korea is above de-minims. Further more importantly the CIF export price from Korea is below that from two countries allegedly dumping. In the circumstances, the reason for non-inclusion of Korea as a country allegedly dumping in the given case may well be because FAG is importing raw bearings from FAG Korea. This would clearly reflect that the said Petition is motivated and Petitioners themselves appear involved in the dumping activity regarding they have raised allegations.
- (ii) It may be noted that as per the provisions of Rule 5(3)(a) of the said Rules the DA can only initiate an investigation that is supported by domestic producers accounting for at least 25% of the total production of the "like article" by the domestic industry. It is submitted that since there is no 'like article', the subject goods produced and sold in India by the Petitioners during the POI not qualifying for the same, the Petitioners do not fulfill the domestic industry eligibility criteria and that in consequence thereof it is further submitted that the present Investigation has been wrongly initiated.

(c) On Like Article

- (i) The subject goods exported to India during the POI are not like article with the subject goods produced by the petitioners. The extensive description of the subject goods indicates the broad range of small bearings. The wide description also sets out the number of different raw materials and processes involved in the manufacture of the subject goods and the range of specifications available.
- (ii) The subject goods manufactured by Teke in China are made from locally produced and purchased chrome bearing steel that is much cheaper than the carbon alloy steel used by the Petitioners and in particular than the carbon alloy steel imported by SKF at transfer prices above market rates from its related company in Sweden. The other significant cost advantage enjoyed by Teke in comparison with the Petitioners is with respect to the cost of grease which is sourced in China at about one sixth the cost of the premium Japanese brand and at about one third the cost of the standard international brands. This is an important cost advantage since grease accounts for a significant portion of the cost of manufacture of the subject goods. Another advantage in the cost of production is dedicated production lines, which manufacture the same grade without frequent change in design, specification etc. This also give a cost advantage as against the Petitioners as due to change in grade, specification and design while production, changeover time cost a substantial amount. The Respondents are producing the same grade continuously in huge quantity while on the other hand the Petitioners are producing small quantities of each grade as the specific requirement of the individual customers.
- (iii) The subject goods exported to India during the POI by the Exporter are different from those exported to the other countries or domestic market. The bearing itself can be categorized into different grades according to the technical data. Most of the bearings exported during the POI to India are 'normal' class bearings whereas most of high quality bearings go to the domestic and third countries. Basically, Chinese bearings are different from those made by SKF or FAG although they look similar and they are basically selling in completely different market segments in India. HCH bearing exports to India are basically to the traders who in turn sell this to the local fan, pumps and domestic appliances industry who are selling their product in the local market. These sectors only need 'normal' class bearings. No OEM (branded or big producer) is buying the subject goods exported by the Respondents. Quality wise the subject goods exported by the Respondents are not up to the specifications and standards of the OEM. Electrical motor manufacturers in India like Crompton are using mostly high quality (usually V3 group bearings).
- iv) The Petitioners themselves admit on page 6 of the said Petition that 'different types of ball bearings are inter-se not substitutable' and that each category of customers have unique requirements.

- (v) The bearings can be categorized based on three different technical specifications. The said technical specifications are the accuracy of the sizes of the bearings, the vibration level of the bearings and the noise level of the bearings. The size accuracy is determined based on the tolerances allowed for different sizes of the bearings. It is labeled as ABEC-1, ABEC-3, ABEC-5 and so on. The larger the number will be, the high the accuracy the bearings will be. The 'normal' class bearings only have the accuracy up to ABEC-1. The vibration level is defined as V1, V2 and so on. The vibration refers to the noise level of the bearing in different frequency band. It is very important for the performance of the bearings. The higher the number is, the lower the vibration would be. The 'normal' class bearing ordinarily has the worst vibration level. Its quality is lower than V1 group if evaluated based on the vibration level. The noise is another important data for the bearings. We define the bearings as Z1, Z2 and Z3 bearings. The higher the number is, the lower the noise would be. Among all these 3 different data, the vibration level is most important. And it is most frequently taken as the standard to differentiate the bearings. The price of the bearings is also mostly determined based on its vibration level.
- (vi) Due to the limit of the technological and production level of China, the majority of the machines for bearing industry have much lower accuracy than those used by the world class bearing manufacturers like SKF, FAG, NRB, TISCO and so on. Almost all the bearings sold by SKF, FAG etc., can reach very high standard whereas most of the bearings made in China can only reach 'normal' class bearings. To reach higher standard, like V1 or V2, Chinese bearing manufacturers have to put more efforts in production. However although the machinery HCH bearing is using is not so good as those used by SKF, FAG or TATA, the price of these machines is much lower than those used by SKF, FAG. The cost for China Made bearing production line can be approximately one fourth to one third of those made in Japan or European countries, which are being widely used by SKF and FAG. Due to this reason, the cost of Chinese bearings is also significantly reduced.
- (viii) In light of what is stated hereinabove, it is submitted that, the high grades of types 6201, 6202, 6203 and 6204 subject goods manufactured by the Petitioners and the 'normal' grade of types 6201, 6202, 6203 and 6204 subject goods sold in India during the POI by the Respondents are not like articles since the technical specifications are different and as a result the commercial applications of the respective grades are different as well as the market segments that are served. The 'normal' grade of subject goods exported to India by the Respondents during the POI is used by the fan industry, pumps and domestic appliances industry while the higher grades of the subject goods manufactured by the Petitioners is used in more sophisticated electric motors. Thus, the subject goods exported to India during the POI are not like articles with the subject goods produced by the Petitioners. It may also be pointed out that the Petitioners are not manufacturing bearings below 10 mm bore dia (miniature bearings). This also clearly adversely impacts and restricts any argument of 'like article'.

(d) **On Duty on Weight basis**

It is further submitted that when bearings are traded as per model, grade, specifications and usage there is no clearly no reasonable basis to levy anti-dumping duty according to weight. In this regard it may also be noted that the Government of India was previously charging customs duty based on weight but due to liberalization and practical difficulty found in the duty on weight basis, the Government of India has changed the system from last two-three years. Imposition of Anti-Dumping Duty on weight basis will defeat the very purpose of Government of India to simplify the system.

(e) **Inadequate Information**

- (i) The Petitioners have used assumptions on the volume and value and capacity of other Indian producers to claim domestic industry standing and that *prima facie* such assumptions can not be the basis of such a claim.
- (ii) The Petitioners have concealed the fact that at least two of them, i.e., FAG and SKF are related to exporters from China and third countries and that the primary beneficiary of any imposition of anti-dumping duty on imports of the subject goods from the Respondents would be the related third country exporters of FAG and SKF.
- (iii) The Petitioners are not eligible as domestic industry to file the present Petition for initiation of the present Investigation and that this issue may be decided prior to further steps in the present Investigation and that the present Investigation may be terminated forthwith.
- (iv) The Petitioners have also filed data based on secondary sources rather than DGCI&S for the POI, in order to show dumping, though this data does not disclose a surge in imports and also does not distinguish between the various grades of subject goods. The Petitioners have also wrongly contended that differences in the grades are not very meaningful and that different grades of a category type of small bearing may be treated as like products and the data consolidated by type for analysis.
- (v) For a 'surge in imports' and to cross the de-minimus threshold the Petitioners have relied on the DGCI&S data that they also contend is flawed since it wrongly consolidates the data for various types of bearings as a whole.
- (vi) Thus, the complete data furnished by the Petitioners is irrelevant for the purpose of the present Investigation and inadequate for initiation thereof and further it is inaccurate for the purposes of basing any findings thereon. For this reason also the present Investigation, that has been incorrectly initiated, may be terminated forthwith.

(f) **On Non-Market Economy**

- (i) At the outset, the Respondents deny the allegation by the Petitioners that the exports of the said subject goods in China may be deemed to attract the

provisions of paras 7 and 8 of Annexure I to the said Rules with respect to 'Non-Market Economy' (hereinafter referred to as "NME").

- (ii) The proviso to para 8 (2) of Annexure I of the said Rules provides an opportunity for an exporter to rebut the presumption of NME on the basis of the criteria specified in sub-para 3 of the said para 8 of Annexure I to the said Rules and the said provisions must be read along with the provisions of Article 15 of the said Protocol. It is clear from Article 15 of the said Protocol that the determination of NME, or exclusion therefrom of an exporter, must be made not on the basis of a determination in another jurisdiction but in terms of the norms for determination of NME enunciated in the national law of the investigating country. Thus, it is submitted that a finding in another jurisdiction on NME is not at all relevant for the purposes of determination of NME in India and that accordingly the DA may apply his mind to the criteria set out in the national law of India.
- (iii) It is submitted with respect to the said criteria set out in sub-para (3) of para 8 of Annexure I to the said Rules, as follows:
- The decisions of The Respondents and other concerned firms in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. This is reflected in documents furnished and in the confidential data furnished by The Respondents with the confidential Response to the Questionnaire. It is submitted that there is neither any State regulation of costs or prices of these inputs in China or any system of 'administered prices'.
 - There is no distortion of production costs and financial situation as the Respondents are entirely private companies as described in the Questionnaire Response and accompanying confidential information and further as the Respondents have not converted former State assets, or distorted depreciation thereof, or engaged in barter trade or debt forgiveness or debt/equity swaps, or received the benefit of any write-off.
 - The Respondents are subject to China's regulations with respect to bankruptcy and property respectively. There a number of bankruptcies in China of similar firms as are clear from documents furnished.
 - As in India the exchange rate is based on the market rate as determined by the Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said Confidential Questionnaire Response.
- (iv) With regard to the criteria it is also, inter alia, submitted that:
- The price specifically of the said subject goods in a third country market economy during the POI would be based on the export price from China since the Respondents are the principal suppliers of the 'normal' grade of types 6201, 6202, 6203 and 6204 of the subject goods.

- There can be no constructed value in a market economy third country as there was no significant production of the like articles 'normal' grade subject goods outside China during the POI.
 - China is virtually the only exporter of the said like articles 'normal' grade subject goods to India during the POI so the third country export prices of the said like articles subject goods may not be available.
 - The prices actually paid in India for the subject goods during the POI include a reasonable profit, as there is virtually no other like article for the 'normal' grade of types 6201, 6202, 6203 and 6204 of the subject goods.
- (v) The normal value of the subject goods may be determined in accordance with the domestic sales price of the subject goods in China during the POI and in accordance with the provisions of Section 9A (1) Explanation 'c' para (i) of the said Act. In the Confidential Questionnaire Response the Respondents have provided confidential details of the domestic prices of the subject goods in China during the POI. From the same and what is stated in the present response it is submitted that there was no dumping of the subject goods during the POI as alleged.
- (vi) Only the respective prices of like articles may be compared for determination of normal value and since the subject goods manufactured by the Respondents and the Petitioners are not like articles there is no meaningful comparison possible.
- (vii) The methods used in the Respondents' financial and costing accounting system, inter alia, include:
- a. Stock valuation: Continuous examination without fix date.
 - b. Allocation or costs from larger cost categories: The big costs are split into 12 months evenly on a monthly basis.
 - c. The frequency and revisions and treatment of variances: The frequency of variance is very low. The normal treatment is recording the data into an independent item.
 - d. Depreciation methods and useful life of fixed assets: Average depreciation within the given period of time in use.
 - e. Capitalization of expenses: All the expenses relating to construction of building and installation of machines has been capitalized and duly accounted for.
 - f. Incidental revenue: It will be enlisted in to special item in the accounting system.

- g. Cost and revenue of byproduct: Teke and HCH do not have any by-products.
- (viii) It is submitted that the accounting system used by the Respondents is consistent with international norms in a market economy. It is thus submitted that this issue may be decided prior to further steps in the present Investigation and that the present Investigation may be terminated forthwith.
- (g) On Normal Value
- (i) The normal value of the subject goods may be determined in accordance with the domestic sales price of the subject goods in China during the POI and in accordance with the provisions of Section 9A (1) Explanation 'c' para (i) of the said Act. All domestic sales in China by HCH and Teke during the POI were in the ordinary course of trade and the confidential data therefor has been filed along with the Confidential Response to the Questionnaire. This would show that there was no dumping of the subject goods during the POI as alleged.
- (ii) Since the Respondents fulfill the criteria to be treated as a market economy firm the DA could consider the domestic sales price of the subject goods in China as the basis for determining the "normal value" of the subject goods as provided for in Section 9A(1) Explanation 'c' para (i) of the said Act
- (h) On Injury
- (i) Since the Petitioners neither produce nor sell the like article subject goods in substantial quantities there can be no injury to the Petitioners with respect to a category of goods not produced by them in substantial quantities.
- (ii) The Petitioners admit in Part IV, para 3 that there has been an improvement in their bottom lines over the past three years and the only allegation is of a decrease in market share and slow growth in sales.
- (iii) Determination of material injury must be based on the evaluation of a large number of indices that include but are not limited to: decline in output, loss of sales, loss of market share, reduced profits and return on investment, decline in production and capacity utilization, price effects, cash flow, inventories, employment, wages, growth, investment, ability to raise capital etc. None of these factors is decisive and the totality must be considered. It is submitted that slight deterioration in one or two parameters alone is inadequate for determining injury.
- (iv) In the present Investigation it may be seen that only a slight decline in market share and relatively slower growth in domestic sales appear to be the detailed injury alleged during the POI. It is submitted that even with respect to market share and domestic sales the data in Pro Forma IV.A contradicts the allegations of the Petitioners as the data shows only a marginal decrease in market share and on the whole a reasonable domestic sales performance even in the face of an economic slowdown in India during the POI. Further

on the other hand there has not been any decline in sales price in India or of margins and by inference of profitability due to imports of the subject goods by the Respondents during the POI. Moreover unless an analysis of the export performance is carried out the possibility of an increase in exports distorting the market share and domestic sales data cannot be excluded.

(i) On Absence of Causal Link

- As per international best practice a causal link must be established through a "Volume Effect" and a "Price Effect".
- In the present Investigation it may be observed that though there is an allegation of a surge of imports of the subject goods from China during the POI leading to declining market share of the Petitioners, the said allegation requires to be judged in the light of the following facts and submissions:
- The subject goods exported by the Respondents from China during the POI are not like articles with the grades of small bearings manufactured by the Petitioners. Hence, there cannot be any injury caused to the Petitioners by any increase in volumes of such imports.
- The Petitioners continue to have the dominant market share as per their data of the total market in India for all categories of the subject goods.
- The Petitioners have not furnished data with respect to the volume effect with respect to the specific 'normal' grade of the subject goods as distinct from the total data for all grades of the types 6201, 6202 and 6203, of the subject goods.
- The Petitioners have only furnished data from DGCI&S to show a surge in imports that they themselves contend is inaccurate since DGCI&S wrongly consolidates data for a range of types of small bearings and not for the small bearings or for the like article 'normal' grade.
- The Petitioners have not taken cognizance of the economic slowdown in India during the POI.
- In view of the above circumstances, it is submitted that the Petitioners have failed to make out a *prima facie* case of an adverse volume effect caused by the alleged dumping in India of the subject goods during the POI.
- The second test is the "Price Effect". It is submitted that there is no injury by way of adverse "Price Effect" caused by alleged dumping of the subject goods to India during the POI by the Respondents from China for, *inter alia*, the following reasons:
- The 'normal' grade of types 6201, 6202 and 6203 types of the subject goods exported by the Respondents from China during the POI are not like articles with the grades of subject goods manufactured by the Petitioners. Hence,

there cannot be any injury caused to the Petitioners by any adverse "Price Effect" of such imports, of products not produced or sold by the Petitioners.

- The Petitioners have in effect admitted that they have not lowered prices and that the margins across the various categories of ball bearings are low.
- The Petitioners have relied on inadequate and inaccurate secondary data to allege an adverse price effect during the POI by alleged dumping of the subject goods.
- Thus, there is no price depression/suppression as alleged.
- The market segments involved are different. The exports of the subject goods to India made by the Respondents are basically to the traders who in turn sell this to the local fan, pumps and domestic appliances industry who are selling their product in the local market. No OEM (branded or big producer) is buying the said goods. Quality wise the subject goods exported to India are not up to the specifications and standards of the OEM.
- There is no injury by way of an adverse "Price Effect" or poor profits due to the alleged dumping of the subject goods from China during the POI.
- It may be noted that the Petitioners have also not highlighted the well-known differences in manufacturing efficiencies between India and China. Furthermore, the differences in over all efficiencies highlighted between the Petitioners operations compared to HCH and Teke's operations and the ongoing economic slowdown offer more cogent explanations of declining profitability or higher inventories if established.
- The Petitioners has also not drawn attention to the ongoing economic slowdown in India from the POI and beyond. It is submitted that it is reasonable that during such an economic slowdown the user industry in India would seek to lower its costs by buying the inexpensive 'normal' grade of type 6201, 6202, 6203 and 6204 types of small bearings rather than the more expensive higher grades thereof manufactured in India by the Petitioners.
- It may be noted that the Petitioners have also referred to dumping of the subject goods, inter alia, by exporters from UAE, Singapore, Chinese Taipei and Nepal but these exporters are not being investigated. Thus, dumping by exporters from these countries may be the cause of any injury suffered by the Petitioners, if proved. It may be mentioned here that the KG brand exported from the UAE and of Chinese origin from state entities or dis-organised small sector is exported to India at a much lower price than the HCH brand of the Respondents during the POI and beyond.
- There is considerable infringement and counterfeiting of the HCH brand and smuggling of the subject goods through Nepal and Bangladesh and these are more likely to be the cause of any proven injury to the Petitioners than the exports of the 'normal' grades of the subject goods during the POI by the Respondents.

- In the case of SKF any injury suffered, if proven, may also have been caused by the inflated transfer prices of the raw material steel imported by it from its related exporter in Sweden. Thus, there is no dumping by the Respondents of the subject goods in India during the POI nor any causal injury to the Petitioners.

(j) Public Interest

It is submitted that if any anti-dumping duty is recommended on imports of the subject goods from the Respondents the costs of the user industry, will increase because the domestic producers will be reluctantly forced to use very expensive high quality bearings, that are not required for their products. This will adversely affect both consumers in India and also the domestic user industry in India since exports from India may well be adversely affected due to the increased cost.

(k) Termination of the Investigation

In the circumstances aforesaid, there is no dumping of the subject goods from China by the Respondents as alleged during the POI or at all and thus the present Investigation may be terminated and accordingly no Provisional Duty or Anti-dumping duty be recommended on the subject goods exported by the Respondents to India.

6. Other responses from exporters :

- i) M/s NSK – ISKRA S.A., Poland have informed that they are not responding to the investigation due to the following reasons :
 - NSK – ISKRA S.A. did not export the subject merchandize to India during the period of investigation.
 - NSK – ISKRA S.A. sold the subject goods to unrelated trading companies. They assume that some of those merchandize sold to trading companies were exported to India. It is, however, impossible for them to obtain information such as destination countries, customers, date of sales and sales price from trading companies because they are unrelated to them.
- ii) M/s S.C. Rulmenti S.A. Slatina, Romania have informed that they are not a producer of the product involved in this investigation. Their company makes the Ball Bearing with bore dia (inner diameter) between 12 and 40 mm. The inner diameter of the Ball Bearing exported to India in the period of investigation is between 17 mm (item 6303) and 35 mm (item 6007).

7. Importers' Responses :

Following responses have been received from importers :

- i) M/s Eastern India Ball Bearing Merchants Association
- a) M/s Eastern India Ball Bearing Merchants Association is a user association representing Ball Bearing Traders of Eastern India Region with a strength of more than 450 in number. Though sizes of bearings may be the same, the specifications, like sound level, internal clearance of bearings, grease, tolerance level of inner and outer rings are all different and thus prices are different. Thus a single type of bearings can have different specifications and thus different prices. Basically Chinese bearings are very different from those manufactured by SKF or FAG although they look similar and they are basically sold in completely different market segments in India. Chinese bearings are purchased by small traders who in turn sell to the local fan, pumps and domestic appliances industry who are selling their final product in the local market.
- (b) The petitioner companies viz. FAG, NRB Bearings Ltd., SKF Bearings India Ltd., Tata Iron & Steel Company and National Engineering Industries Ltd. have either technical collaboration with or are themselves subsidiary of very high quality and reputed world class bearing producers
- (c) The petitioners are the top bearing manufacturers of the world in terms of technology and quality and that the petitioners are producers of world-class high quality bearings for heavy applications. On the other hand, the countries involved in this petition including P.R. China are producers of low quality bearings for light applications and are basically 'normal class' bearings. There is no way in which any Chinese manufacturer can even come near the petitioners in terms of the quality and technology. Further the products exported by these countries may be same in dimension but are not same in respect of quality, technology, usage and thus can not be used for the same application as the product manufactured by the petitioners and thus there is no question of any alleged dumping and injury as alleged or at all caused to the petitioners.
- (d) The above contention is in fact accepted and admitted by the petitioners themselves during the meeting held with the Customs Authorities on January 23, 2001 (which date comes within the period of investigation under present proceedings) attended by representatives of the bearing manufacturers association, customs officials as well as officials of the Directorate of Valuation. Thus their claim that the goods exported from the subject countries has no difference from the goods manufactured by them is not sustainable.
- (e) M/s FAG Hanwha Bearing Corp, a member of FAG group to which one of petitioners, FAG Bearings India Ltd. belongs, exports the bearings at about the same price as that of exporters from China or other countries involved in the petition as is evident from the price list submitted by them to the Indian Custom authorities and the price list of

Chinese manufacturer. The pertinent question that arises for consideration is how is it that the same bearings exported by FAG group company from Korea at the same price as that of Chinese bearings are not considered as dumped and no anti dumping proceedings are initiated against the said Korean company being Fag Hanwha Bearing Corp.

- (f) The petitioners are manufacturing other types of bearings also, e.g., taper roller bearing, spherical roller bearing, needle roller bearing. Further these also involve similar manufacturing process. The pertinent question that arises in the light of the same and which the Hon'ble Designated Authority should investigate to judge the veracity of the petitioners' allegations is how the petitioners are not facing dumping of these products.
- (g) None of the petitioners are selling parts of the bearings neither any parts of bearings like inner rings or outer rings of bearings which are imported in to India from the subject countries. In this context the question arises as to why anti dumping duties are being asked for on this sub-heading. Further it would also be important to note here that India is the cheapest producer of bearings steel balls in the world and annual export from India is more than Rs.150 crores per year. None of the major producers of the steel balls in India has asked for protection under anti dumping procedure as because there is no dumping in this product in India. The petitioners for reasons best known to themselves are seeking anti dumping duty on this product too.
- (h) The Users would like to point out that the biggest manufacturers of ball bearings, New Heaven Steel Co. and Metro Steel Co. are not petitioners in the present investigation. The percentage of steel ball production by New Heaven and Metro is about 70% of the Indian production of bearings. This again hits at the allegation that any alleged injury is being caused to the 'domestic industry'. The Users would like to bring it to the attention of the Hon'ble Designated Authority that the petitioners are manufacturing less than 10% of known sizes below 50mm.
- (i) It is also submitted that as bearings are sold according to pieces/packages, type and grade or specifications thereof, the anti dumping duty, if any, would be leviable accordingly. The Users state that the previous format of charging customs duty based on weight has been abandoned and an argument to levy anti dumping duty based on weight would simply amount to revive the prior scenario and defeat the ends towards which the change was aimed.
- (j) It is submitted that each of the factors and indices as regards injury has relevance in establishing a finding of material injury and that any single factor, however, significant it be, cannot be the touchstone for initiating an anti dumping investigation and/or a determination of injury.

Further small deterioration in one or two parameters, if at all, alone cannot amount to injury. An analysis of the data submitted by the petitioners will show that there is no injury at all suffered by the petitioners. This clearly indicates that the alleged dumping has not caused any injury to the petitioners.

- (k) As regards product involved in the subject investigation, the definition of the subject goods is too wide and would require to be narrowed down. Sub-heading 8482.80 includes goods such as combine ball/roller bearings and parts and none of the petitioners are selling any parts of the bearings, neither any parts of bearings like inner rings or outer rings which are imported into India from subject countries. Asking for anti dumping duty on same is wholly baseless and extremely unreasonable. Only NRB is making balls and NRB production is less than 1% of the domestic production. The number of sizes of bearings produced upto 50mm bore dia from the subject countries would be more than 1000 in sizes while the petitioners in India produce only about 100 sizes. The users do not understand the reasons and motives of the petitioners to get anti dumping duty imposed on the bearings not even produced by them in India.
- (l) It is denied that the petitioners account for more than 50% of the domestic production of the subject goods or that the petitioners satisfy the criteria of standing as domestic industry to file petition in terms of Rule 5(3)(a).
- (m) The products which are produced by the petitioners are not like articles to the goods imported into India in as much as various differences on account of load capacity, sound level, internal clearance of bearings, grease, tolerances of inner and outer ring dimensions may arise. The petitioners' bearings and those from one of the subject countries do not match each other in terms of load, capacity and thus the bearings from the subject countries and especially the Chinese bearings have lower life and lower price.
- (n) As regards normal value, the petitioners may be called upon to provide the details of the normal value calculations.
- (o) As regards export price, the users submit that the raw material cost of bearing was decided by Customs Authorities during their meeting with manufacturers and trade association on January 23, 2001 when the raw material cost in India arrived at Rs.43.75/kg. Thus the raw material cost in India for the above bearing would be Rs.1.62 (Wt. 0.037 kg), Rs.1.97 (Wt. 0.045 kg) and Rs.2.89 (Wt. 0.066 kg) respectively. From an analysis of the same it can be seen that the export price is about 3.5 to 4 times of the raw material cost in India. In the light of the aforesaid the petitioners' claim that the export prices are below even the raw material cost is incomprehensible and clearly frivolous.

- (p) In view of what is stated hereinabove there has been no dumping by the subject countries as alleged by the petitioner during the period of investigation and accordingly allegations with regard to dumping are denied as wrong.
- (q) The petitioners have stated in the petition that there has been an overall improvement over the past three years and the only allegation is of an alleged decrease in market share and slow growth in sales. It is submitted that in terms of assessing the totality of all the parameters as required, it is clear that there is no alleged injury at all suffered by the petitioners. It is submitted that slight deterioration in one or two parameters alone cannot be adequate for determining injury.
- (r) The imposition of anti dumping duty will adversely affect the user industry and will increase its costs and adversely affect its revenues. Further it will ultimately deprive the user industry including the Users of required ball bearings types. It is submitted that the Hon'ble Designated Authority may terminate the present investigation for improper initiation and/or may find that there has neither been any dumping nor injury to domestic industry by imports of the subject goods from the subject countries during the period of investigation as alleged by the petitioners and the present investigation may be terminated accordingly.

ii) Indian Fans Manufacturers Association

Indian Fans Manufacturers Association has made almost similar submissions as made above by Eastern India Ball Bearing Merchants Association. In addition, the Association has made another argument that while the petitioners are not going to gain in any way from an imposition of anti dumping duty because they will be unable to offer their products at international prices even after taking into consideration the anti dumping duty, the user industry including the Association will definitely suffer as they have export commitments and the Indian engineering products will become unnecessarily costlier in international market.

iii) The All India Ball Bearing Merchants Association

The All India Ball Bearing Merchants Association furnished response much after the time limit and extended time given to all the interested parties. Therefore, their response has not been considered for these preliminary findings. This will be considered for the final findings.

iv) M/s Kerala Automobiles Ltd.

M/s Kerala Automobiles Ltd. is a public sector undertaking of the Govt. of Kerala, manufacturing three wheelers. Their supporting domestic manufacturer is procuring ball bearings only from Indian manufacturers for its full production requirements. They have

furnished details of ball bearings and needle cages procured from Indian manufacturers for the period of investigation. They have confirmed that their supporting producer is not importer of any ball bearings from subject countries for manufacture of three wheelers.

- v) The following importers have informed that they are not importing subject bearings from the subject countries :

- M/s Jyoti Ltd., Vadodara
- M/s Powerbuild Ltd. Vallabh Vidyanagar, Gujarat.
- Kerala Agro Machinery Corporation Ltd., Ermakulam, Kerala.
- Kinetic Motor Company Ltd., Pune.
- Kirloskar Electric Company Ltd., Bangalore.
- Allena Auto Industries Pvt. Ltd., Delhi.
- Darshan Lal & Sons, Batala
- Goel Enterprises, Nagpur
- Premier Indian Company, Ahmedabad
- Rane Nastech Ltd., Tamilnadu
- L&T John Deere Pvt. Ltd., Pune

8. Small Scale Bearing Manufacturers Association (Rajasthan Unit), Jaipur have informed that the bearings are dumped by other countries in India at very low prices and they have captured significant market share. These bearings are under valued resulting in heavy loss to nation's exchequer. The total imports of bearing (upto 50mm dia) in year 1998-99 was 136 lac number, out of which China's share was 11.76% (16 lac number) whereas in the year 2001-02, total import is 452 lac number out of which China's share has improved to 50.22% (227 lac number) which is five times increase in share.

D. EXAMINATION AND FINDINGS BY THE AUTHORITY

9. The submission made by the petitioners, importers, exporters and other interested parties, to the extent filed before the Authority have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

10. The cases of new exporters or those stated to be willing to give price undertaking shall be considered, on request, by the Authority in accordance with the Rules supra.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

11. The product under consideration in this investigation is Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) (hereinafter referred to as subject goods). The subject goods find major uses in Fans, Electrical Motor, Automotives, Pumps, domestic appliances, industrial appliances and other industries. Ball Bearings is a part of a much larger category of goods known as 'anti friction bearings'. Anti friction bearings are machine components that permit free motion between moving and fixed parts by holding, separating or guiding the

moving parts to minimize friction and wear/tear. The product is covered under Customs heading 8482.10, 8482.80 & 8482.91 of Schedule I of Customs Tariff Act. This Custom classification is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The product is classified under ITC HS Code 8482.1001, 8482.1004 & 8482.1011.

12. It has been argued by the exporters that the petitioners have limited their allegations to, and have furnished data with respect to the types 6201, 6202, 6203 and 6204. Therefore, all other small Bearings ought to be excluded from the present investigation. Further, these types of small bearings may be differentiated by the grades and the responding exporters exports only the normal grades of these types of small bearings. Further, it has also been argued that the petitioners are not manufacturing bearings below 10 mm bore dia (miniature bearings). Accordingly, the scope of the product under consideration may be appropriately narrowed.

13. Eastern Indian Ball Bearings Merchants' Association, in their submissions, have inter alia stated that the petitioners have claimed anti dumping duty on all the bearings upto 50 mm bore dia. The number of sizes of bearings produced under this category from the subject countries would be more than 1000 in sizes while the petitioners in India produce only about 100 sizes. Grave loss and injury would be caused to the user industry if duty is imposed on all the ball bearings exported to India. Further, sub-heading 8482.80 includes goods such as combined ball/roller bearings and parts and none of the petitioners are selling any parts of the bearings. Therefore, asking for anti dumping duty on the same is baseless and unreasonable.

14. The Authority finds that the exporter from China has furnished response giving information about exports to India of about 145 types / models of Ball Bearings claiming that these are covered by the scope of the investigation i.e. Ball Bearings having inner dia upto 50 mm. The petitioners have contested that the exporter has given information with regard to a number of bearings which are not Ball Bearings upto 50 mm dia. According to them the following models mentioned by M/s HCH China in their response as Ball Bearings upto 50 mm dia are not Ball Bearings covered by this investigation :

11710, 11910, 11949, 30203, 30204, 30205, 30206, 30207, 30208, 30209, 12649/10, 12749/10, 48548/10, 67048/10, 553, 11749/10, 11749/10V2, 11794/10V2, 11910V2, 11949/10, 11949/10V2, 12648/10, 12649/10, 12649/10V2, 12749/10, 12749/10+D22V, 12749/11, 12749/11V2, 30203, 30203V2, 30204, 30204V2, 30205, 30205V2, 30206, 30206V2, 30209V2, 30207V2, 30208V2, 30209V2, 320/28, 33213, 44643/10, 44649/10, 44649/10V2, 44694/10, 45449/10, 45449/10V2, 48548/10, 48548/10V2, 48648/10, L44643/10V2, L44649, L44649/10V2, L45449/10V2, L68149, L68149/10V2, LM11749, LM11749/10V2, LM11949, LM11949/10, LM48548/10, LM48548/10V2, LM67048/10, LM67048/10V2, M12649/10.

15. From the Chinese exporters' response, the Authority finds that exports of Ball Bearings types 6201, 6202, 6203 & 6204 along with their variants like 2RS, V1, 2RS V1, ZZ, ZZV1, ZZV2 constitutes about 87.89% of their total exports. The petition of the domestic industry also states that the imports of types 6201, 6202, 6203 and

6204 forms a very significant proportion of total imports of Ball Bearings from subject countries. In response to the contention of the exporter and importer, the petitioners have also confirmed that the domestic producers do not manufacture Ball Bearings of bore dia up to 8mm. The Authority also notes that the petitioner domestic industry has not furnished sufficient evidence in support of their claim to cover the parts and components of Ball Bearings as well for recommendation of any anti dumping duty. Keeping in view the claims of the domestic industry, the response of the exporter and the importer and the available material on record, the Authority considers it appropriate to make recommendations in the Preliminary Findings in respect of Ball Bearings models / types of bore dia above 8mm and upto 50mm within the overall scope of the Product under Consideration.

F. LIKE ARTICLE

16. The petitioners have claimed that there is no known difference between the Ball Bearings manufactured by the domestic industry in India and the Ball Bearings imported from the subject countries. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably and thus the Ball Bearings produced by the domestic industry should be treated as Like Article to the Ball Bearings imported from subject countries within the meaning of Rules.

17. M/s HCH, China have claimed that most of the bearings exported during POI to India are 'normal' class bearings whereas most of the high quality bearings go to domestic and third countries. Bearings exported to India are produced from different raw materials and through a simpler process, these have limited commercial applications and serve different market segments as compared to the higher grades of subject goods manufactured by the petitioners. According to them the high grades of types 6201, 6202, 6203 & 6204 manufactured by the petitioners and the normal grades of these types exported to India are not Like Article.

18. The Eastern India Ball Bearings Merchants' Association has stated that the bearings produced by the petitioners are high quality bearings with higher load capacity while those imported from the subject countries are of low quality with lower load capacity and these bearings have different applications. Hence the bearings produced by the petitioners cannot be treated as Like Article to those imported.

19. The Authority notes that Ball Bearings produced world over follow certain basic standard designation (numbering) system. While it is not impossible that some producer may use some uncommon number to designate some special bearings, however, in case the number used by a producer is covered under the basic designation system, the bearings has to match the laid down parameters. The domestic industry produces Ball Bearings of several types including 6201, 6202, 6203 & 6204 along with different variants /features like 2RS, V1, 2RS V1, ZZ, ZZV1, ZZV2. The specifications of the Bearings are standardized world over having specified physical dimensions. The Authority does not find merit in the arguments of the exporter that the subject goods exported from China be not treated as Like Article to the domestically produced Ball Bearings on the ground that the former is produced from different raw materials, production process. Moreover, the Ball Bearings produced by the domestic producers have been used by the same

user industry who are now importing the Ball Bearings from China and other countries. Thus the products being imported are commercial substitute of the domestically produced Ball Bearings. Further, in the views of the Authority, the specifications of Ball Bearings are fairly standardized which are denoted by the numbers. Thus, the Authority holds, for the purpose of preliminary determination, that Ball Bearings imported from the subject countries be treated as Like Article to those being produced by the domestic industry.

G. DOMESTIC INDUSTRY

20. The petition has been filed by Ball and Roller Bearing Manufacturers Association of India, New Delhi through its members viz., M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur. The petitioner companies account for about 81.5% of domestic production of Ball Bearings.

21. It has been argued by the Chinese exporter that the petitioners do not fulfil the domestic industry eligibility criteria and that the petitioners have used assumptions on the volumes and value and capacity of other Indian producers. Further, the petitioners have not disclosed that two of them i.e. FAG and SKF are related to exporters from China and third countries.

22. Eastern India Ball Bearings Merchants' Association has stated that the scope of the present investigation is too wide, the goods produced by the petitioners are not Like Article to the goods imported due to differences on account of load capacity, sound level etc. Therefore, the petitioners do not fulfill the criteria under Rule 5(3)(a) requiring that domestic producers expressly supporting the application / petition should account for at least 25% of the total production of the Like Article.

23. The Authority notes that FAG Bearings India Ltd. had given certificate, which is part of the petition that their company had not imported the subject goods from the subject countries, either directly or through any affiliated company. Further, the company is not related to any importer / exporter of subject goods in the subject countries. Though FAG Group has manufacturing facility in China, they have not exported the subject goods to India. M/s SKF India Bearing Ltd. had also certified in the petition that their company had not imported into India the subject product from the subject countries either directly or through any affiliated company. Further, their company is not related to any producer / exporter of the subject product in the subject countries. The Authority considers the allegations of the Chinese exporter and the importers' association as unsubstantiated. The Authority therefore, holds the view that the petitioner companies represent the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) supra and they have the standing to file the petition under Rule 5(3)(a).

H. DUMPING & EXAMINATION OF CLAIMS MADE ON NORMAL VALUE & EXPORT PRICES

Normal Value

24. Under Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act,1995 normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Normal Value in respect of China PR

25. The Authority sent questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). A joint response has been received from the following producer / exporters from China:

Huanchi Bearing Group Co.Ltd. China
Ningbo Huanchi Import & Export Co. Ltd., China
Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., China.

The above producer / exporters have also furnished questionnaire response giving details of domestic sales, exports to India, sales price structure and cost of production. The Authority notes that the exporter has furnished information about 646 models of Ball Bearings produced / sold. Further, they claim to have exported about 145 models of Ball Bearings covered by the investigation during the POI to India.

26. Petitioners have claimed that China and Russia are non-market economies. China and Russia have been treated as non-market economy by European Commission and United States in the past three years. Therefore, determination of normal value in respect of these countries is to be done in accordance with the Rules relating to non-market economies as contained in para 7 & 8 of Annexure-1 of Rules as amended vide Notification dated 4.1.2002. Accordingly, they have

claimed that normal value in these countries can be determined on the basis of estimates of cost of production in India including selling, general and administrative expenses and profit.

27. The aforesaid Chinese producer/exporters, in their response, have claimed market economy treatment. They have also drawn reference to provisions of Article 15 of the Protocol of Accession of China to WTO. According to them, the proviso to para 8(2) of Annexure-I of the Rules, inter alia, provides an opportunity for an exporter to rebut the presumption of NME on the basis of the criteria specified in sub-para 3 of para 8 of Annexure-I and the said provisions must be read along with the provisions of Article 15 of the said Protocol. The Authority is of the view that in so far as Rules relating to NME are concerned, the rules as contained in the National Law i.e. under para 7 & 8 of Annexure-I to the Rules are relevant to this investigation.

28. The Chinese exporter has claimed that :

- (a) The decisions of The Respondents and other concerned firms in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. This is reflected in documents furnished and in the confidential data furnished by The Respondents with the confidential Response to the Questionnaire. It is submitted that there is neither any State regulation of costs or prices of these inputs in China or any system of 'administered prices'.
- (b) There is no distortion of production costs and financial situation as the Respondents are entirely private companies as described in the Questionnaire Response and accompanying confidential information and further as the Respondents have not converted former State assets, or distorted depreciation thereof, or engaged in barter trade or debt forgiveness or debt/equity swaps, or received the benefit of any write-off.
- (c) The Respondents are subject to China's regulations with respect to bankruptcy and property respectively. There a number of bankruptcies in China of similar firms as are clear from documents furnished.
- (d) As in India the exchange rate is based on the market rate as determined by the Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said Confidential Questionnaire Response.

29. They have claimed that the normal value of subject goods may be determined in accordance with the domestic sales price of subject goods in China during POI. The Chinese exporter/producer has also furnished following documents in support of their claim for Market Economy Treatment :

- i. Registration Certificate of the exporter/producer.
- ii. Constitution of these companies and list of shareholders.
- iii. Company Law of Peoples' Republic of China.

- iv. Some invoices regarding purchase of raw material.
- v. Mortgage Deed.
- vi. Sample documents showing repayments of Bank loans.
- vii. Audit law of the Peoples' Republic of China.
- viii. Regulations for the implementation of the audit law of the Peoples' Republic of China etc.

30. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of Anti Dumping Rules, inter-alia, provides that :

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin....."

31. Further para 8 of Annexure 1 of Rules supra (as amended) provides that :

- "8.(1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)
- (2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country.

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

- (3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether :
 - (a) the decisions of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values ;
 - (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market

economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph."

32. The Authority notes that the producer/exporters from China have claimed market economy treatment on the ground as stated above. The Authority, however, finds that sufficient evidence and information on the basis of the criteria specified in sub-para (3) of paragraph 8 has not been furnished. The Authority finds that the producer/exporters have furnished some documents regarding registration, constitution, purchase invoices, audit & account law of PR China. However, these documents fall short of the requirements under sub-para (3)(a) i.e. the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values. Mere submission of some of the purchase invoices, registration certificates etc. is not sufficient evidence to establish that the producer/exporters deserve Market Economy Treatment within the meaning of para 8 (3)(a) of Annexure-I of the Rules. In order to meet the criteria laid down under sub-para (3), the Authority is of the view that the producer/exporter should have furnished the following inter-alia :

- (i) How the raw materials and other relevant inputs for manufacturing the product concerned are procured (short or long term contracts, spot market, number of suppliers for the various raw materials, purchased locally or abroad etc.).
- (ii) For each item of raw material, information about the name and address of the supplier, whether the supplier is a private person, a company, the State or a local / regional authority :
 - if it is a private person, whether this person has Chinese nationality or any other nationality;
 - if it is a company, whether it is a Chinese company, a foreign-owned company or a joint-venture with a foreign-owned company;
 - if it is a Chinese company, whether it is a privately owned company, a State-owned company or a company owned by local/regional authorities. If it is a company part-owned by the State or local/regional

- authorities, specify to what extent State or local/regional authorities are involved;
- if it is a local/regional etc. authority, details to be given.
- (iii) For each item of utility i.e. coal, electricity, water and oil, the names/addresses of the suppliers may be given. Whether these utilities are charged at normal rates or whether any special or subsidized rate is charged. What are the rates charged during the POI for each of the utility.
- (iv) Whether there are any restrictions or conditions, either direct or indirect, on imports of raw materials used by the producer. If so, these restrictions or conditions may be described.
- (v) It may be described how labour is organized for production purposes. How many skilled workers, unskilled workers, managers etc. are employed? What is the average wage paid to each of these categories in the POI ?
- (vi) How company employees are remunerated (i.e. indicating in detail all elements of remuneration including salary, overtime pay, company car, holiday allowance etc.). What is the frequency of the remuneration? Which legal entity is the final payer? Do the employees of the company or their families benefit from other facilities such as housing, medical care, pension, education etc.? It may be specified who pays for these facilities. If the company employs foreign staff, and if so to mention separately where the final payer is located.
- (vii) Whether any local / regional authority or State is involved in setting prices / quantities. Provide a copy of the documents (together with an English translation) in which those involvements are set out and indicate the relevant provisions.
- (viii) Which accounting documentation has to be registered for official purposes each year? Which authorities are involved in the official registration of these documents?
- (ix) The methods of depreciation and amortisation used for the main fixed and intangible assets needs to be explained. The acquisition value and the current book value may be specified. It may be explained in each case how the asset was obtained (e.g. bought on the open market, transferred to the company by a shareholder, given for free or at a discount by the State or a third company). If the valuation of the above-mentioned assets has been changed during the last 10 years it may be explained on what basis and to give the reasons for the change in valuation. The impact on the current book value may also be given.
- (x) List of all facilities used for the production and/or commercial purposes that are not owned by the company (land, buildings and machines). The contracts for lease or rent to be furnished.

- (xi) A list of current loans held by the company as at 31st March, 2002 may be provided giving details of the amounts, repayment instalments and interest rates. It may be explained whether the company benefits from special loan or subsidy schemes (e.g. preferential interest rates and extended payback periods, subsidized energy supply etc.).
- (xii) It may be explained how foreign exchange rate(s) used for purchase of inputs, conversion of the proceeds of export sales and repatriation of profits are set? Is there only one rate, which can be used? Explain if there are any limits applicable to the company for the use/conversion of foreign currencies. If the company has a foreign exchange account, the approval of the application (together with an English translation) by the relevant authority may be submitted.
- (xiii) Has the company been involved in barter-trade or counter-trade at any time in the last five years involving the exchange of goods or commodities for (foreign) equipment, services or commodities? Provide details and explain the accounting methods used.
- (xiv) Explain whether the company has been involved in compensation trade (also known as product buy-back) at any time in the past five years whereby a (foreign) company provides machinery and equipment for which it receives payment-in-kind, usually in the form of goods produced. Explain if such payments were structured as loans or as instalment sales. Explain the accounting methods used.
- (xv) The profit distribution policy of the company for the last three years may be specified.

33. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 of Rules supra and is constrained to proceed as per para 7 of Annexure-I whereby normal value can be determined on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include a reasonable profit margin. In addition, the Authority observes that the information furnished by the exporter in the various appendices of questionnaire response is deficient due to the following:

- (i) Ratio of raw material Pelli in the each of the final product has not been given in Appendix 8 & 9.
- (ii) Exchange rate used for conversion of RMB to US \$ in appendix 4,5,8 and 9 has not been given with supporting evidence.
- (iii) Adjustment on account of ocean freight in appendix 4 is invariably found low in comparison to adjustment on account of inland freight shown in appendix 5 for domestic sales. This has not been explained along with evidence.

- (iv) In the adjustments shown in Appendix 4 there is no mention of the adjustment of profit mark up of M/s Teke to arrive at the ex-factory export price.
- (v) Detailed statement of allocation of costs, utilities and other expenses to the models covered under investigation and other models not covered under investigation showing actual amounts of expenses as per Financial accounts along with basis of allocation has not been furnished to appreciate the cost of production of each model.
- (vi) Profit & Loss account and Balance sheet of exporter M/s Ningbo Huanchi Import & export Co. Ltd. for the years 2001 and 2002 have not been furnished.

34. Under the circumstances, the authority is of the view that the information furnished by the exporter can be considered subject to furnishing of sufficient evidence in respect of parameters relating to market economy treatment and other information as discussed above. For the purpose of the preliminary findings the Normal value is determined on the basis of cost of production of subject goods in India plus selling, administration and general expenses and a reasonable profit margin as per para 7 of Annexure-I of the Rules. While doing so the Authority has considered the international price of raw materials and have normated the cost of production at optimum capacity utilisation.

Normal Value in respect of Russia

35. None of the exporters from Russia has responded to the initiation. The petitioners have claimed normal value in respect of Russia on Non-market Economy Treatment. In the absence of any response from any Russian exporter, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of facts available as per Rule 6((8)). The normal value is thus determined on the basis of cost of production in India including selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin.

Normal Value in respect of Romania

36. None of the exporters from Romania has furnished complete response to the questionnaire. Only M/s S.C. Rulmenti S.A. Slatina has informed that their company makes the Ball Bearings with bore dia (inner diameter) between 12 and 40 mm and their company is not required to complete the questionnaire. The description of the product under investigation covers Ball Bearings up to 50 mm bore dia. Therefore, the Ball Bearings manufactured and exported by the Company are very much covered by the scope of the product under consideration. The Authority considers the exporters from Romania as non-cooperative. The petitioners have claimed normal value in respect of Romania on the basis of domestic market sales price in Romania. Due to non-cooperation of exporters from Romania, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of facts available as per Rule 6((8)). The normal value is thus determined on the basis of information furnished by the petitioners which is based on the domestic sales price in Romania.

Normal Value in respect of Poland

37. None of the exporters from Poland has furnished complete response to the questionnaire. Only M/s NSK - ISKRA has informed that their company did not export the subject merchandize to India during the POI. Further, their company sold the subject merchandize to unrelated trading companies. They have not furnished information on the questionnaire. The Authority considers the exporters from Poland as non-cooperative. The petitioners have claimed normal value in respect of Poland on the basis of domestic market sales price in Poland. Due to non-cooperation of exporters from Poland, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of facts available as per Rule 6((8)). The normal value is thus determined on the basis of information furnished by the petitioners which is based on the domestic sales price in Poland.

Export price in respect of China PR

38. The Authority has considered the information given by the co-operative exporter from China, M/s HCH for determining the export price. The Authority has observed that out of total exports of the Company, 87.89% are in respect of Ball Bearings models/types 6201, 6202, 6203 & 6204 and their variants. The exporter has given information in Appendix 4 in respect of different models of Ball Bearings exported to India. They have claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, packing charges, storage and handling and customs charges. The ex-factory export price as shown by the exporter has been accepted for the Preliminary Findings subject to verification.

Export price in respect of Russia

39. There has been no response from any exporter of Russia. The Authority has considered the information provided by the petitioner regarding export price of subject goods from Russia. The petitioner has claimed export price as per data of secondary source and has shown adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port handling and port charges. Due to non-cooperation of exporters from Russia, the Authority is constrained to rely upon facts available as per Rule 6(8) and has thus considered the ex-factory export price as claimed by the petitioner.

Export price in respect of Poland and Romania

40. There has been no complete response from any exporter of Poland and Romania. The Authority has considered the information provided by the petitioner regarding export price of subject goods from these countries. The petitioner has claimed export price as per data of secondary source and has shown adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port handling and port charges. Due to non-cooperation of exporters from Poland and Romania, the Authority is constrained to rely upon facts available as per Rule 6(8) and has thus considered the ex-factory export price as claimed by the petitioner.

Other Non-cooperative Exporters from China P.R.

41. In respect of other non-cooperative exporters from China P.R., the Authority has taken the normal value as in respect of M/s HCH China. The export price has been determined as per the information furnished by the petitioners, considering the same as facts available in accordance with Rule 6(8).

Dumping margin

42. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin are laid down in Annexure-I to the Rules. For the purpose of the fair comparison between the normal value and export price, the Authority has made calculations and comparisons at the same level of trade in respect of subject goods. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of relevant comparable type/model of Ball Bearings. Considering the normal value and export price, determined as detailed above, the dumping margin comes as under:

S. No.	Country	Name of Exporter/Producer	Ball Bearing type/number	Dumping Margin %
1.	China	M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., M/s Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., M/s Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd.	6201	262.91
			6202	220.88
			6203	171.74
			6204	98.97
			Other types	235.38
2.	China	Other exporters	All types	344.46
3.	Russia	All exporters.	All types	436.78
4.	Poland	All exporters	All types	253.17
5.	Romania	All exporters	All types	181.46

I. INJURY

43. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

"Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such

articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

44. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- (i) A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
- (ii) While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

45. Views of the petitioners

The views of the petitioner as regards injury and causal link are contained in Part B of these findings and these are not being repeated for the sake of brevity

Views of Exporters and Importers

46. The views of exporters and importers as regards injury and causal link are contained in part-B of these findings and these are not being repeated for the sake of brevity. Further, it has been argued by the exporter that in terms of assessing injury in totality of the relevant parameters as required, it is clear that there is no injury at all suffered by the petitioners.

Examination by the Authority:

47. The Authority has considered the views of the petitioners, exporters, importers and users as regards injury. The Authority has examined the information regarding various injury parameters as under:

Imports from subject country :

48. The Authority notes that the imports of subject goods have been as under :

	Unit	1998-99	1999-00	2000-01	POI
Imports-Volume	As per DGCI&S				
China	Lac Pcs	16.33	43.16	227.24	375.49
Trend	Indexed	100	264.30	1391.57	1839.51
Poland	Lac Pcs	1.913	12.98	20.87	34.63

Trend	Indexed	100	678.56	1090.86	1448.24
Romania	Lac Pcs	3.09	17.13	33.98	23.86
Trend	Indexed	100	554.36	1099.59	617.70
Russia	Lac Pcs	1.915	30.97	28.67	45.34
Trend	Indexed	100	1617.05	1497.20	1894.08
Subject Countries	Lac Pcs	23.25	104.24	310.76	479.32
Trend	Indexed	100	448.37	1336.72	1649.41
Other Countries	Lac Pcs	113.99	134.58	142.82	219.49
Trend	Indexed	100	118.06	125.28	154.04
Total Imports	Lac Pcs	137.24	238.82	453.57	698.81
Trend	Indexed	100	174.01	330.50	407.35

Share of Imports from Subject Countries

49. The Authority finds that the market share of imports from subject countries in the total imports in terms of quantity has been as under :

	Unit	1998-99	1999-00	2000-01	POI
China	%	11.9	18.07	50.1	53.73
Poland	%	1.39	5.44	4.6	4.96
Romania	%	2.25	7.17	7.49	3.41
Russia	%	1.4	12.97	6.32	6.49
Subject Countries	%	16.94	43.65	68.51	68.59
Trend	Indexed	100	257.67	404.43	323.92
Other Countries	%	83.06	56.35	31.49	31.41
Total Imports	%	100	100	100	100

50. Other Economic parameters

	1998-99 (Indexed)	1999-00	2000-01	POI
Capacity	100	91.75	101.35	110.59
Production upto 50 MM	100	93.71	118.51	117.91
Production all types-Volume	100	94.25	118.81	117.78
Capacity Utilization	100	102.73	117.23	106.50
Indigenous Sales upto 50 MM-Volume	100	95.33	112.42	116.04
Total Sales all types-Volume	100	92.51	108.71	109.64
Total Sales all types-	100	97.75	114.49	112.81

Value				
Profit Loss-Upto 50 MM	100	180.26	754.66	224.65
Profit/Loss as a whole	100	171.37	280.00	204.67
Cost of production				
6201	100	91.69	94.61	94.50
6202	100	97.82	96.05	96.14
6203	100	98.55	92.00	90.96
6204	100	101.07	94.57	96.54

Production of Identified four types				
6201	100	66.36	81.70	75.98
6202	100	88.19	99.15	81.87
6203	100	111.11	147.59	161.11
6204	100	98.90	111.24	107.56
Net Sales Realization				
6201	100	92.46	101.01	99.44
6202	100	98.68	104.95	104.62
6203	100	97.77	99.48	96.60
6204	100	96.81	100.01	99.84
Sales of Identified four types				
6201	100	68.43	82.65	79.94
6202	100	86.28	88.30	80.52
6203	100	103.41	120.15	132.80
6204	100	90.99	101.91	96.45
Profit/Loss				
6201	-100	-87.64	-61.15	-68.73
6202	-100	-91.86	-34.59	-37.50
6203	-100	-107.62	-4.86	-25.18
6204	100	48.66	161.58	137.19
Closing Stock				
Ball Bearings - Upto 50 MM	100	78.00	102.66	97.42
Bearings - As a whole	100	76.95	99.78	96.02
No. of Employees	100	94.71	87.33	80.31
Productivity - Pcs.	100	99.52	136.05	146.66
Productivity - Pcs. - Identified types	100	89.73	117.06	120.63
Salary & Wages	100	99.73	107.06	104.85
Capital Employed	100	99.00	105.29	104.57
Actual Return on Capital Employed	1.83	3.17	4.88	4.49
Cash Profit	100	113.62	143.39	112.52
Demand	100	104.34	127.00	133.91
Market share in Demand				
China	1.19	3	1.56	16.29

Poland	0.14	0.9	1.19	1.5
Romania	0.22	1.19	1.94	1.03
Russia	0.14	2.16	1.64	1.97
Subject Countries	1.69	7.25	6.33	20.79
Subject Countries	100	428.99	374.56	1230.18
Other Countries	8.28	9.37	19.6	9.52
Other Countries	100	113.16	236.71	114.98
All imports	9.96	16.62	25.93	30.31
Domestic industry	65.06	59.45	57.59	56.38
Domestic industry	100	91.38	88.52	86.66
Indian Industry	90.04	83.38	74.07	69.69
Indian Industry	100	92.60	82.26	77.40
Price Undercutting	China	Poland	Romania	Russia
6201	191.45		70.63	212.74
6202	186.97	178.55	82.3	238.16
6203	146.49	155.08	113.48	268.77
6204	159.2	173.94	159.92	371.18
Price Suppression/Depression	China	Poland	Romania	Russia
6201	230.00		93.20	254.10
6202	201.85	193.00	91.75	255.69
6203	152.00	160.79	118.25	277.02
6204	130.26	143.35	130.90	318.58
Market share of imports in relation to production (%)				
China	1.74	4.90	2.45	27.10
Poland	0.20	1.47	1.87	2.50
Romania	0.33	1.94	3.05	1.72
Russia	0.20	3.52	2.57	3.27
Subject Countries	2.47	11.83	9.94	34.59
Share of identified types in total production upto 50 mm (Indexed)				
6201	100	70.82	68.93	64.44
6202	100	94.12	83.66	69.44
6203	100	118.57	124.54	136.64
6204	100	105.54	93.86	91.22
Four identified types	100	90.69	86.26	82.17
Share of other than four identified types	100	108.46	112.49	116.21
Growth				
Volume wise		-4.67	-12.42	-16.04
Value wise		-3.71	-8.96	-14.07

Conclusions on Injury assessment :

51. The Authority has examined all the above relevant parameters relating to injury as per para (iv) of Annexure II of Rules and concludes that:

- (i) The imports of subject goods were 23.25 lac pieces during 1998-99 which increased to 479.32 lac pieces during POI. This is an increase of more than 1600% over 1998-99. Thus the imports from subject countries have increased significantly in absolute terms during POI.
- (ii) The share of imports of subject goods from subject countries increased from 16.94% in 1998-99 to 68.59% during POI. This was an increase of 323.92%. The market share of imports from subject countries in total demand of subject goods increased from 6.33% in 2000-01 to 20.79% during POI. The Authority considers this as a very significant increase and holds that there has been significant increase in imports of subject goods from subject countries in relation to consumption in India.
- (iii) The capacity utilization declined during the POI in comparison to the previous year 2000-01.
- (iv) The domestic sales of the domestic industry in respect of Ball Bearings upto 50 mm bore dia showed a marginal improvement during POI in comparison to the previous year. The sales of identified four types showed decline in respect of models 6201, 6202, 6204. However, the sales of model 6203 showed an upward trend during POI.
- (v) The profits in respect of Ball Bearings of subject types showed a significant decline during the POI in comparison to the previous year.
- (vi) The net sales realization of the subject types of Ball Bearings showed decline during the POI.
- (vii) The closing stock of the subject types of Ball Bearings showed marginal decline during the POI in comparison to the previous year.
- (viii) The number of employees in the petitioner companies showed a decline during POI. However, the productivity per employee improved during the POI.
- (ix) The trend in respect of salary and wages is not being considered as a material indicator regarding injury.
- (x) The capital employed did not show any appreciable change. However, the actual return on capital employed showed a decline from 4.88% to 4.49%.

- (xi) The cash profit of the petitioner companies showed a significant decline during POI from the previous year.
- (xii) The landed value of the dumped imports has been found to be significantly below the net sales realization of the domestic industry. Thus, there has been significant price under cutting due to the dumped imports of subject types of Ball Bearings from subject countries.
- (xiii) The landed value of imports of subject goods from subject countries has been found to be significantly below the cost of production of the domestic industry. This has resulted in very significant price suppression / depression of the domestic industries' production.

Cumulative assessment of injury:

52. As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b), cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. The Authority has also found it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the domestically produced goods. The Authority has found that there is a cumulative effect of injury by imports of subject goods from subject countries on the domestic industry.

J. CAUSAL LINK

53. The Authority has examined the impact of the dumped imports on the domestic industry as per principle (v) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules. The relevant indices as set forth in para (iv) of Annexure II of the Rules have been examined by the Authority.

54. The Authority has considered the views expressed by the petitioners and other interested parties as regards the causal link, which have been mentioned, in the preceding paragraphs. After examining the various economic parameters as above the Authority has come to the following conclusions:

- i) There has been an increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms as well as in relation to the consumption of said goods in India.
- ii) The market share of the dumped imports from the subject countries has increased significantly during POI in comparison to the previous year 2000-01. The significant increase of dumped imports from the subject countries has

- resulted in significant price under cutting, price suppression/depression for the subject products of the domestic industry. The net sales realization of the domestic industry has been significantly below the landed value of imports of subject goods from subject countries.
- iii) The domestic industry has suffered injury due to price suppression. They have not been able to raise their selling price so as to realize a fair return on the investments as the landed value of the dumped imports has considerably depressed the selling price of the domestic industry.
 - iv) It has been argued by the exporter that the normal grade of subject goods exported by them cannot be cause of injury to the domestic industry. The Authority notes that significant portion of the domestic fan manufacturers have shifted to the imported Ball Bearings of the manufacturers/exporters from subject countries. The Authority has held the normal grades of types 6201, 6202, 6203 & 6204 exported from subject countries as Like Article to the subject Ball Bearings produced by the domestic industry. The supposedly Inferior quality of the imported Ball Bearings does not imply that these are not Like Article to the domestically produced Ball Bearings of comparable types. The imported Ball Bearings have been used by the domestic fan and other appliance manufacturing industry which was also being served by the domestic producers. Therefore, the import from subject countries has resulted in loss of market share of the domestic industry. The domestic industry has surplus available capacity which has remained unutilized due to the dumped imports from subject countries.
 - v) The dumped imports have prevented the domestic industry from effecting legitimate price increase. The domestic industry has suffered steep decline in profitability in the sale of Ball Bearings upto 50mm bore dia
 - vi) The above economic parameters cumulatively and collectively establish that domestic industry has suffered material injury on account of dumping.
 - vii) The demand of the subject goods has not decreased but has instead increased and therefore contraction of demand cannot be attributed as a cause of injury. The Authority also notes that the domestic industry is globally competitive and changes in technology or competition amongst the domestic producers are not the cause of injury. The Authority has also noted that there is some decline in the exports made by the domestic industry in comparison to the previous year. However, the decline in exports sales of the domestic industry cannot be attributed to the injury. This is due to the fact that the domestic sales constitute a much larger share of the total turnover of the domestic industry. No technological development in the industry or any other such factor which could have resulted in injury to the domestic industry has been noticed.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

55. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

56. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the user-industry using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L. CONCLUSIONS

57. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Subject goods have been exported to India from subject countries below the normal value;
- (ii) The domestic industry has suffered material injury; and
- (iii) The material injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

58. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on imports of Ball Bearings of inner bore dia above 8mm and up to 50mm from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty not exceeding the margin of dumping or the margin of injury whichever is less and which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the non-injurious selling price of the domestic industry determined for the period of investigation.

59. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Ball Bearings of inner bore dia above 8mm and upto 50mm falling under Chapter 84 under Sub-heading 8482.10, 8482.80 & 8482.91 of Schedule I of Custom Tariff Classification originating in or exported from subject countries pending final determination. The anti dumping duty shall be the amount mentioned in column 5 in the following table in US\$.

S. No. (1)	Country (2)	Name of Exporter/Producer (3)	Ball Bearing type/number (4)	Anti- Dumping duty US\$ per piece (5)
1.	China	M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., M/s Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., M/s Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd.	6201	0.442
			6202	0.391
			6203	0.354
			6204	0.381
			Other types	0.414
2.	China	Other exporters/producers	All types	0.477
3.	Russia	All exporters/producers.	All types	0.522
4.	Poland	All exporters/producers	All types	0.461
5.	Romania	All exporters/producers	All types	0.432

60. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

M. FURTHER PROCEDURE

61. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for making oral submissions which have to be rendered thereafter in writing;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority